विवरणिका 2024

कालिंदी महाविद्यालय

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद्
द्वारा ए+ ग्रेड प्राप्त

दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रेस विज्ञप्ति

शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातक प्रवेश के लिए आवंटन-सह-प्रवेश कार्यक्रम

शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों के सभी स्नातक कार्यक्रमों के लिए आवंटन-सह-प्रवेश कार्यक्रम इस प्रकार है: -

1. सी.एस.ए.एस के दूसरे चरण की शुरुआत

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी)-यूजी के परिणामों की घोषणा के बाद, विश्वविद्यालय ने गुरुवार, 1 अगस्त 2024 से कॉमन सीट आवंटन प्रणाली-2024 (सी.एस.ए.एस-यूजी) के चरण- II की शुरुआत की घोषणा की |इस चरण में, जिन उम्मीदवारों ने चरण- I को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया हैउन्हें पात्रता मानदंडों को पूरा करने के बाद अपने पसंदीदा पाठ्यक्रम और कॉलेज चुनने के लिए उन्हें अपने डैशबोर्ड (https://ugadmission.uod.ac.in) पर लॉग इन करना होगा।जिन अभ्यर्थियों ने अभी तक सी.एस.ए.एस पोर्टल पर अपना पंजीकरण नहीं कराया है, वे भी पंजीकरण करा सकेंगे क्योंकि विश्वविद्यालय ने दोनों चरणों कोबुधवार, 07 अगस्त, 2024 शाम 04:59 बजे तक खुला रखने का निर्णय लिया है। चरण-I और चरण-IIबुधवार, 07 अगस्त, 2024 शाम 04:59 बजे बंद हो जाएंगेऔर उम्मीदवार द्वारा सबमिट की गई प्राथमिकताएं शुक्रवार, 09 अगस्त, 2024 को शाम 05:00 बजे की समय सीमा तक पहुंचने पर ऑटो-लॉक हो जाएंगी।

2.पाठ्यक्रम -विशिष्ट योग्यता स्कोर की गणना

चरण- II में, उम्मीदवारों को बारहवीं कक्षा में उनके द्वारा पढ़े गए विषयों को, उन विषयों से जोड़ना होगा जिनमें वे CUET-2024 में उपस्थित हुए हैं। केवल उन्हीं CUET पेपरों पर विचार किया जाएगा जिनमें उम्मीदवारों ने बारहवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण की है। विषयों की समानता से संबंधित विवरण को समझने के लिए उम्मीदवारों को सूचना बुलेटिन को देखना चाहिए। सही विषयके चयन के लिए उम्मीदवार ही एकमात्र जिम्मेदार होगा । इस संबंध में विश्वविद्यालय का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा।

नोट: CUET(UG)-2024 का सामान्य टेस्ट किसी भी विषय से संबंधित नहीं होगा।

3.सी.एस.ए.एस.(यूजी)- 2024 आवंटन–सह-प्रवेश अनुसूची

	नियत कार्य	**समय और दिनांक**
	सी.एस.ए.एस के प्रथम चरण में पहले से पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिए संशोधन के लिए समय।	मंगलवार, 30 जुलाई, 2024 से रविवार, 04 अगस्त, 2024 रात 11:59 बजे तक।
सी.एस.ए.एस का चरण I और चरण II.	सी.एस.ए.एस में कार्यक्रम और कॉलेजों के लिए वरीयता भरना।	गुरुवार, 01 अगस्त 2024 से बुधवार, 07 अगस्त 2024 को शाम 04:59 बजे तक।
	सी.एस.ए.एसप्राथमिकताओं को स्वतः लॉक कर देता है।	05:00 बजे शुक्रवार, 9 अगस्त, 2024.
सिम्युलेटेड रैंक का प्रदर्शन.	सिम्युलेटेड रैंक की घोषणा	05:00pm शुक्रवार, 16 अगस्त, 2024
	वरीयता परिवर्तन	रविवार, 11 अगस्त 2024 को शाम 05:00 बजे से सोमवार, 12 अगस्त 2024 को रात 11:59 बजे तक।
	प्रथम सी.एस.ए.एस आबंटन सूची की घोषणा।	05:00 बजे रविवार, 11 अगस्त, 2024
सी.एस.ए.एस आवंटन और प्रवेश का पहला चरण I	अभ्यर्थियों को आवंटित सीट को "स्वीकार" करनी होगी ।	शुक्रवार, 16 अगस्त 2024 को शाम 05:00 बजे से रविवार, 18 अगस्त 2024 को शाम 04:59 बजे तक।
	कॉलेज को ऑनलाइन आवेदनों का सत्यापन और अनुमोदन करना होगा।	शुक्रवार, 16 अगस्त 2024 को शाम 05:00 बजे से मंगलवार, 20 अगस्त 2024 को शाम 04:59 बजे तक।
	अभ्यर्थियों द्वारा शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने की अंतिम तिथि।	बुधवार, 21 अगस्त 2024, सायं 04:59 बजे तक।
सी.एस.ए.एस	उम्मीदवारों के डैशबोर्ड पर रिक्त सीटों का प्रदर्शन।	06.00 बजे गुरुवार, 22 अगस्त 2020
	उच्चतर प्राथमिकताओं को पुनः क्रमित करने के लिए नियत समय	गुरुवार, 22 अगस्त 2024 को शाम 05:00 बजे से शुक्रवार, 23 अगस्त 2024 को शाम 04:59 बजे तक।
	दूसरे सी.एस.ए.एस आबंटन की	05:00 बजे रविवार, 25 अगस्त, 2024

आवंटन और प्रवेश का दूसरा चरण ।	घोषणा।	
	अभ्यर्थियों को आवंटित सीट को "स्वीकार" करना होगा।	रविवार, 25 अगस्त 2024 को शाम 05:00 बजे से मंगलवार, 27 अगस्त 2024 को शाम 04:59 बजे तक।
	कॉलेज को ऑनलाइन आवेदनों का सत्यापन और अनुमोदन करना होगा।	रविवार, 25 अगस्त 2024 को शाम 05:00 बजे से गुरुवार, 29 अगस्त 2024 को शाम 04:59 बजे तक।
	उम्मीदवार द्वारा ऑनलाइन शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि।	शुक्रवार, 30 अगस्त 2024, सायं 04:59 बजे तक।

4.जन जागरूकता वेबिनार

प्रवेश शाखा ने भावी छात्रों के प्रश्नों को हल करने और सहयोग के लिए हेल्पडेस्क, चैट-बॉट और ईमेल सुविधा भी जारी है।

विभिन्न कॉलेजों में हेल्पडेस्क की सुविधा है। विवरण विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट http://admission.uod.ac.inपर उपलब्ध हैं

प्रवेश शाखा उम्मीदवारों को प्रवेश की प्रक्रिया में मदद करने के लिए वेबिनार की श्रृंखला भी आयोजित करेगी। प्राथमिकताएं दर्ज करने की प्रक्रिया को समझाने के लिए, सीयूईटी पेपरों के साथ बारहवीं कक्षा के विषयों की मैपिंग से संबंधित पहलुओं और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को शुक्रवार, 02 अगस्त, 2024, दोपहर 12:00 बजे निर्धारित वेबिनार में संबोधित किया जाएगा।

सभी वेबिनार का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय के आधिकारिक यूट्यूब चैनल Univofdelhiपर किया जाएगा

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अंडरग्रेजुएट बुलेटिन ऑफ इंफॉर्मेशन 2024, सी.एस.ए.एस 2024 नियम पढ़ें और सभी अपडेट के लिए नियमित रूप से विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर जाएं।

सूचना का स्नातक बुलेटिन 2024।

सामान्य सीट आवंटन प्रणाली 2024।

प्रवेश वेबसाइट: http://admission.uod.ac.in

सी.एस.ए.एस पंजीकरण लिंक: https://ugadmission.uod.ac.in

दिल्ली विश्वविद्यालय
University of Delhi

कुलसचिव
REGISTRAR

PRESS RELEASE

Allocation-cum-Admission schedule for Undergraduate admissions for the Academic Session 2024-25.

The schedule for allocation-cum-admission to all Undergraduate programs of all colleges of University of Delhi for the Academic Session 2024-25 is as under: -

1. Commencement of Phase II of CSAS

After the declaration of results of the Common University Entrance Test (CUET)-UG by the National Testing Agency, the University announces the commencement of Phase-II of Common Seat Allocation System (UG)-2024 (CSAS-UG) from **Thursday, August 01, 2024.**

In this phase, the candidates who had successfully completed the Phase-I must login to their dashboard (https://ugadmission.uod.ac.in) to choose their preferred Programs and college combination, subject to fulfillment of the eligibility criteria.

Candidates who have still not registered themselves on the CSAS portal will also be able to register as the University has decided to keep both the phases open till **04:59p.m. Wednesday, August 07, 2024.** Phase-I and Phase-II will close at **04:59p.m. Wednesday, August 07, 2024** and the preferences saved/submitted by the candidate will get auto-locked on reaching the deadline of **05:00 pm Friday, August 09, 2024**.

2.Calculation of Program-Specific merit score

In Phase-II, the Candidates will have to map the subjects studied by them in Class XII to those in which they have appeared in CUET-2024. Only those CUET Papers will be considered in which the candidates have passed his/her Class XII board exam. Candidates must refer to the Bulletin of Information for details related to similarity of the subjects. It will be the sole responsibility of the candidate to provide correct subject-mapping. The decision of university in this regard shall be final and binding.

Note: General Test of CUET(UG)-2024 will not be mapped to any subject.

01/08

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
University of Delhi, Delhi-110007
दूरभाष/Tel. : 27667853; फैक्स/Fax : 27666350; वेबसाइट/Website www.du.ac.in; ईमेल/E-mail : registrar@du.ac.in

3. CSAS (UG) – 2024 Allocation-cum-Admission Schedule

	TASK	TIME AND DATES
	Correction Window for Candidates already registered in **Phase I** of CSAS.	Tuesday, July 30, 2024 till 11:59pm Sunday, August 04, 2024
PHASE I & PHASE II OF CSAS	Preference – Filling for Program and Colleges in CSAS	Thursday, August 01, 2024 till 04:59pm Wednesday, August 07, 2024
	CSAS Auto-locks the Preferences	05:00pm Friday, August 9, 2024
DISPLAY OF SIMULATED RANK	Declaration of Simulated Ranks	05:00pm Sunday, August 11, 2024
	Preference Change Window	05:00pm Sunday, August 11,2024 till 11:59pm Monday, August 12, 2024
	Declaration of **First** CSAS Allocation List	05:00pm Friday, August 16, 2024
FIRST ROUND OF CSAS ALLOCATION AND ADMISSION	Candidates to **"Accept"** the Allocated Seat	05:00pm Friday, August 16, 2024 till 04:59pm Sunday, August 18, 2024
	College to **Verify and Approve** the online applications	05:00pm Friday, August 16, 2024 till 04:59pm Tuesday, August 20, 2024
	Last date of **Online Payment of Fees** by Candidates	till 04:59pm Wednesday, August 21, 2024
SECOND ROUND OF CSAS ALLOCATION AND ADMISSION	Display of vacant Seats on the dashboard of the candidates	05:00pm Thursday, August 22, 2024
	Window to Re-order Higher Preferences	05:00pm Thursday, August 22, 2024 till 04:59pm Friday, August 23, 2024
	Declaration of **Second** CSAS Allocation	05:00pm Sunday, August 25, 2024
	Candidates to **"Accept"** the Allocated seat	05:00pm Sunday, August 25, 2024 till 04:59pm Tuesday, 27, 2024
	College to **Verify and Approve** the online applications	05:00pm Sunday, August 25, 2024 till 04:59pm Thursday, August 29, 2024
	Last date of **Online payment of fees** by the candidate	till 04:59pm Friday, August 30, 2024

The University may announce more rounds subject to the availability of vacant seats, if any.

4. Public Awareness Webinars

The Admission Branch has established helpdesks Chat-Bot and email facility to help prospective students resolve their queries.

Helpdesks have also been established at various Colleges. Details are available on the admission website of the University: http://admission.uod.ac.in

The Admission Branch will also be conducting series of webinars to help candidates with the process of admissions. To explain the process of filing the preferences, aspects related to mapping Class XII subjects with CUET papers, and other important points will be addressed in a webinar scheduled on Friday, August 02, 2024, 12:00 noon.

All webinars will be telecasted live on the official YouTube channel of the University: UnivofDelhi

Candidates are advised to read the Undergraduate Bulletin of Information 2024, CSAS 2024 rules, and visit the admission website of the University regularly for all updates.

1. Undergraduate Bulletin of Information 2024.
2. Common Seat Allocation System 2024.
3. Admission website: http://admission.uod.ac.in
4. CSAS Registration Link: https://ugadmission.uod.ac.in

01/08/2024

the, August 01, 2024

REGISTRAR

विषय-सूची

1	अभिविन्यास	1
2	शासी निकाय अध्यक्ष संदेश	2
3	कोषाध्यक्ष संदेश	3
4	प्राचार्या का सन्देश	4
5	कालिंदी महाविद्यालय: लक्ष्य, उद्देश्य और शैक्षणिक नीति /रोडमैप	9
6	महाविद्यालय एक नज़र में	12
7	महाविद्यालय की परिसीमा में जीवन	14
	क. नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी.)	14
	ख. कोचिंग और सुधारात्मक कक्षा समिति	15
	ग. आंतरिक समिति	16
	घ. रैगिंग विरोधी समिति	19
	ङ. उपस्थिति समिति	21
	च. पूर्व छात्र समिति और पूर्व छात्र संघ	22
	छ. छात्र संघ	23
	ज. ई.सी.ए.	24
	झ. कल्पधरा-पर्यावरण समिति	26
	ञ. लहरेंमहाविद्यालय का वार्षिक उत्सव :	27
	ट. आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ	28
	ठ. राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC)	31
	ड. राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)	33
	ढ. राष्ट्रीय खेल संगठन (NSO)	33
	ण. महिला विकास प्रकोष्ठ (WDC)	34
	त. ट्रांसजेंडर प्रकोष्ठ	36
	थ. समान अवसर प्रकोष्ठ	36

द.	सामाजिक उत्तरदायित्व, विस्तृत गतिविधियाँ और सामुदायिक कार्यक्रम प्रकोष्ठ	37
ध.	डॉ. भीमराव अंबेडकर अध्ययन केंद्र	39
न.	गांधी अध्ययन केंद्र	39
प.	रोजगार एवं आजीविका परामर्श प्रकोष्ठ	40
फ.	अनुसूचित जाति/ जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ	41
ब.	पूर्वोत्तर छात्र प्रकोष्ठ	42
भ.	दिल्ली से बाहरी और विदेशी छात्र प्रकोष्ठ	44
म.	अभिभावक-शिक्षक-विद्यार्थी संवाद मंच	45
य.	तंबाकू निषेध समिति	46
र.	आई.बी.एस.डी. (जैव संपदा एवं सतत विकास संस्थान)	48
ल.	उद्यमिता, कौशल विकास और नवाचार प्रकोष्ठ	48
व.	वार्षिक शैक्षिक पत्रिका	49
श.	प्रवाह महाविद्यालय पत्रिका	50
ष.	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम	51
स.	लघु अवधि अतिरिक्त पाठ्यक्रम	52
ह.	पुस्तकालय	53
क्ष.	साइबर सेंटर	55
त्र.	आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ	55
8	यू.जी.सी.एफ./एन.ई .पी. 2020 - चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम	60
क.	योग्यता संवर्धन पाठयक्रम	61
ख.	कौशल संवर्धन पाठयक्रम	62

	ग. मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम	62
	घ. प्रस्तावित पाठ्यक्रमों की सूची	63
9	विभाग	66
10	सीट आवंटन	116
11	शुल्क संरचना	120
	क. शुल्क में छूट और छात्रवृत्ति	124
12	परिणाम एक दृष्टि में	129
13	प्रॉक्टोरियल बोर्ड	131
	क. महिला सुरक्षा	133
14	महाविद्यालय नियम और विनियम	135
	क. अध्यादेश	137
15	छात्र शिकायत निवारण समिति	144
16	महाविद्यालय प्रशासन	147
17	महाविद्यालय की कुछ झलकियाँ फोटो के माध्यम से	149
	क. कालिन्दी एक नजर में	149
	ख. कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ	151
	ग. विभाग	155
	घ. एनसीसी	168
	ङ. ईसीए	170
	च. पूर्व छात्र मिलन	172
	छ. कॉलेज का आरेख और मार्ग मानचित्र	173
18	विवरणिका समिति	174

अभिविन्यास

हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि कालिंदी महाविद्यालय में प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए आगामी शैक्षणिक सत्र जल्द ही शुरू होने वाला है । प्रतिष्ठित दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में स्थित, कालिंदी महाविद्यालय असाधारण प्रतिभाओं को पोषित करने और विभिन्न विषयों में विश्व - स्तरीय नागरिकों का निर्माण करने के लिए प्रसिद्ध और एक प्रमुख संस्थान के रूप में स्थापित है । नवागंतुक छात्राओं का हार्दिक स्वागत करते हुए हमें हर्ष का अनुभव हो रहा है , उन्हें हम महाविद्यालय की स्थायी विरासत का एक अभिन्न अंग बनने के लिए आमंत्रित करते हैं ।

छात्राओं और अभिभावकों को महाविद्यालय के जीवंत वातावरण, बुनियादी ढाँचे और व्यापक सुविधाओं के साथ एक व्यापक परिचय प्रदान करने के लिए, हमने एक उन्मुखीकरण कार्यक्रम की योजना बनाई है। कक्षाओं के शुरू होने से एक दिन पहले आयोजित होने वाला यह इंटरैक्टिव सत्र, छात्राओं और अभिभावकों को महाविद्यालय द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रम और सुविधाओं से परिचित कराने के लिए यह एक अमूल्य अवसर के रूप में काम करेगा। इस महत्वपूर्ण अवसर के दौरान, हम शैक्षणिक कैलेंडर, आंतरिक मूल्यांकन प्रक्रियाओं, सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों, अनुशासनात्मक दिशानिर्देशों, रैगिंग विरोधी नियमों, शुल्क रियायतों, अल्पकालिक ऐड-ऑन पाठ्यक्रम, स्वच्छता प्रोटोकॉल से संबंधित तथा अन्य महत्वपूर्ण जानकारी साझा करेंगे। इस व्यापक ओरिएंटेशन में हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि छात्राएँ महाविद्यालय के लोकाचार को अपनाएँ और अगले चार वर्षों में अपनी शैक्षणिक यात्रा का अधिकतम लाभ उठाने के लिए अच्छी तरह से तैयार हों।

हम सभी छात्रों और अभिभावकों को महाविद्यालय ओरिएंटेशन प्रोग्राम और व्यक्तिगत विभागीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम की विशिष्ट तिथियों के बारे में समय पर सूचित करते रहेंगें, इसके लिए आप महाविद्यालय की वेबसाइट को नियमित रूप से देखें ।

शासी निकाय अध्यक्ष सन्देश

कालिंदी महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय के उभरते महाविद्यालयों में अग्रणी शैक्षणिक संस्थान के रूप में अपनी विरासत को मूर्त रूप देने की प्रक्रिया में है। महाविद्यालय ने अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्रों में जिस तरह से प्रगति की है,यह मेरे लिए अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है ।मैं ; प्राचार्या, संकाय सदस्यों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देती हूँ, जो उनकी कड़ी मेहनत का प्रत्यक्ष फल है। मुझे यह देखकर भी प्रसन्नता हो रही है कि महाविद्यालय की छात्राएँ अकादमिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों दोनों में उत्कृष्टता प्राप्त करके समग्र विकास कर रहे हैं। मेरी प्रबल इच्छा है कि कालिंदी महाविद्यालय की छात्राओं का एक समृद्ध, अनुकूल और पूर्ण सामाजिक अस्तित्व हो।

सर्वोत्तम शुभकामनाओं सहित

प्रो. मंजु मुकुल कांबले

अध्यक्ष शासी निकाय

कोषाध्यक्ष संदेश

मुझे यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि समय के साथ-साथ कालिन्दी महाविद्यालय एक विशिष्ट शैक्षणिक उत्कृष्टता वाली संस्था के रूप में उभरा है। कालिंदी महाविद्यालय के पास ऐसी अनेक पूर्व छात्राएँ हैं जिन्होंने राजनीतिक , आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। वास्तव में, मुझे महाविद्यालय की संचालन समिति का हिस्सा होने पर गर्व है।

शुभकामनाओं सहित

प्रो. अमरजीत कौर

कोषाध्यक्ष

प्राचार्या संदेश

प्रिय छात्राओं,

"मैं",कालिंदी महाविद्यालय के प्रतिष्ठित संकाय और प्रशासन की प्रतिनिधि होने के नाते आप सभी का सौहार्दपूर्ण स्वागत करती हूँ । जैसे ही आप अपने जीवन के इस नए अध्याय मे कदम रख रहें हैं, हमे ख़ुशी है कि आप हमारे जीवन्त शैक्षणिक समुदाय में शामिल हो रहे हैं और हम आपके द्वारा इस नये अध्याय में किए जाने वाले महत्वपूर्ण कार्यों को देखने के लिए उत्सुक हैं ।बैच की सभी उत्साही छात्राओं का हम स्वागत करते हैं, जिन्होंने कालिंदी महाविद्यालय का हिस्सा बनना चुना है, एक ऐसा महाविद्यालय जिसका समृद्ध इतिहास है और अकादमिक उत्कृष्टता के लिए जिसकी एक मज़बूत प्रतिबद्धता है ।हमें गर्व है कि हम पिछले 50 से अधिक वर्षों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं और अब आपकी बारी है हमारे इस धरोहर का हिस्सा बनने की।हम इस परंपरा को जारी रखते हुए आपके लक्ष्यों को प्राप्त करने और आगामी पीढ़ी को नेतृत्व के लिए तैयार करने हेतु तत्पर हैं । हमारा ध्येय वाक्य " ज्ञानम् शीलम् धर्मश्चैव भूषणम्" हमें ज्ञान, विनम्रता और कर्तव्य का पालन

करने में मार्गदर्शन करता है ।हम एक समग्र वातावरण प्रदान करते हैं जहाँ आप पढ़ाई के साथ खेल और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं ।

सन् 1967 में महाविद्यालय की स्थापना के समय 599 स्नातक छात्राओं के साथ एक सामान्य शुरूआत से लेकर एक समृद्ध शैक्षिक संस्थान में विकसित होने तक का सफर कालिंदी महाविद्यालय ने तय किया है।वर्तमान में ;महाविद्यालय में 4000 से अधिक नियमित स्नातक, नॉन-कॉलेजिएट, एस.ओ.एल. (SOL) और स्नातकोत्तर छात्राएँ नामांकित हैं।यह वृद्धि हमारी उत्कृष्टता के प्रति अडिग प्रतिबद्धता को दर्शातीं हैं जो वर्षों से हमारे छात्राओं , शिक्षकों और कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है।आज हमारे महाविद्यालय में कुल 26 पाठ्यक्रम है, जिनमें से 21 विषयों की एक श्रृंखला तथा 5 एड - ऑन पाठ्यक्रम हैं,वर्षों के इस विस्तार और विविधीकरण पर हम गौरवान्वित हैं। महाविद्यालय की इस उपलब्धि को नैक **(NAAC)** द्वारा **"A+"** ग्रेड की मान्यता प्रदान की गई। यह महाविद्यालय की प्रतिष्ठा का सूचक है , साथ ही यह मान्यता हमारे शीर्ष श्रेणी की शिक्षा प्रदान करने के प्रति हमारे समर्पण को उजागर करती हैं । अपनी छात्राओं के प्रति समर्पित सेवा के 57 गौरवशाली वर्ष कालिंदी महाविद्यालय ने पूरे कर लिए हैं, जिसमें हम "ज्ञानं शीलं धर्मश्चैव भूषणम्" शब्दों में निहित अपने आदर्श वाक्य ज्ञान, शील और कर्तव्य के तीन गुणों के प्रति सम्मान के साथ खड़े हैं। यही वे संस्कार हैं जो हम अपनी सभी छात्राओं के चेतन में अंकुरित करना चाहते हैं,जो महाविद्यालय की विरासत को आगे बढ़ाएँगी।

कालिंदी महाविद्यालय आपकी सभी शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आपको विस्तृत संसाधन प्रदान करता है ।महाविद्यालय के प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में आप प्रभावी ढंग से इन संसाधनों का उपयोग करेंगे और और हमारे युवा उत्साह को नई ऊँचाईयों तक ले जायेंगे।इसके अतिरिक्त कालेज प्रशासन हमेशा छात्राओं को समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए उपलब्ध हैं । महाविद्यालय का सहायक प्रशासन भी समय पर कुशल तरीक़े से किसी भी मुद्दे को हल करके सुगम संचालन सुनिश्चित करता है ।

महाविद्यालय आपके शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास को प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता हैं, यही कारण है कि हमने अपने अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों कार्यक्रम के हिस्से के रुप में विभिन्न सांस्कृतिक क्लबो की स्थापना की हैं । ये क्लब छात्राओं को अकादमिक से परे विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल होने के अवसर प्रदान करते हैं ।

कालिंदी में, हम औपचारिक शिक्षा के अलावा एक समग्र शिक्षा प्रदान करने में विश्वास करते हैं जो विश्वविद्यालय के ढ़ाँचे के भीतर मौजूद है। इसके अलावा एथलेटिक्स, पावर लिफ्टिंग, बॉक्सिंग, कुश्ती, फुटबॉल, बैडमिंटन, जूडो, ताइक्वांडो, और किक बॉक्सिंग सहित अन्य खेलों में, हमारे छात्राओं ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों सहित विभिन्न मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं। हम अपने छात्राओं को उनके चुने हुए विषयों में उभरती प्रवृत्तियों और प्रगति को निखारने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान को बढ़ाने में विश्वास करते हैं । इसे सुविधाजनक बनाने के लिए, हम बौद्धिक विकास और आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करते हुए, कई शैक्षणिक कार्यशालाओं, सेमिनारों और सम्मेलनों का हम समय - समय पर आयोजन करते हैं।

हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हमारे छात्राएँ महाविद्यालय के अनुभव का अधिकतम लाभ उठाएँ, इसके लिए हमने नियमित कक्षा में भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए उपस्थिति नीतियों को लागू किया है। यह सुनिश्चित करते हुए कि वित्तीय बाधाएँ उनकी शैक्षणिक यात्रा में बाधा नहीं बने इस लिए हम विभिन्न श्रेणियों में योग्य छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति और पुरस्कार भी उपलब्ध करवाते हैं । इसके अतिरिक्त, हमारी संस्था खुले संचार की शैली को महत्व देती है, और हम संवाद को बढ़ावा देने और प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए नियमित अभिभावक शिक्षक छात्र -मिलन (PTSI) बैठकें आयोजित करते हैं।

कालिंदी महाविद्यालय शिक्षा, खेल और पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्टता हेतु अपनी प्रतिष्ठा पर गर्व करता है। हमने विभिन्न विषयों में विश्वविद्यालय रैंक धारकों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, जिसमें छात्राएँ लगातार 100% अंक प्राप्त कर रहे हैं और ए+ ग्रेड प्राप्त कर रही हैं। हमारी खेल टीमों ने

विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है,असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए हमारे संस्थान की प्रतिष्ठा को भी समृद्ध किया है।

हर स्तर पर छात्राओं की सहायता करने के प्रयास में कालिंदी महाविद्यालय के 84 सदस्यों की उच्च योग्य प्रशासनिक और तकनीकी कर्मचारियों का गठन किया। संस्था सुचारू रूप से चले इसके लिए सभी सदस्य सदैव प्रयत्नशील रहते हैं। अपने कर्मचारियों और छात्राओं की स्वच्छता, सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए महाविद्यालय स्वच्छता को सर्वाधिक प्राथमिकता देता है। हम अपने संस्थान में छात्राओं के लिए एक पोषक और नैसर्गिक वातावरण बनाने के लिए अपनी पूरी कोशिश करते हैं, और इसके लिए हमारे पास किसी भी प्रकार के भेदभाव के लिए शून्य सहनशीलता की नीति है। किसी भी प्रतिकूल घटना या अभ्यास को रोकने और उससे निपटने के लिए, कालिंदी महाविद्यालय की एक मजबूत एंटी-रैगिंग समिति है और किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ़ सख़्त अनुशासनात्मक उपाय हैं। हमारे संस्थान में आंतरिक शिकायत प्रकोष्ठ छात्राओं को उनकी शिकायतों को दर्ज करने के लिए एक निष्पक्ष और खुला मंच प्रदान करता है, जिसका तुरंत समाधान किया जाता है। जाति और लिंग भेदभाव से जुड़े मुद्दों के प्रति छात्राओं को संवेदनशील और शिक्षित करने तथा उनका समाधान करने के लिए, हमारे पास एक सक्रिय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ और एक महिला विकास प्रकोष्ठ है। इसके अतिरिक्त डॉ. बी.आर. अम्बेडकर अध्ययन केंद्र और गाँधी - अध्ययन केंद्र छात्राओं को जाति के मुद्दों और राष्ट्र - निर्माण के मूल्यों के बारे में शिक्षित करके इस दिशा में काम करते हैं।

कोविड काल में शिक्षण और अधिगम ऑनलाइन मोड़ में लागू किया गया था जो पिछले कुछ शैक्षणिक - सत्रों से भौतिक रूप में आरम्भ कर दिया गया है । हम सभी ने बड़ी दृढ़ता, बहादुरी और धैर्य के साथ विकट परिस्थितियों को पार किया है। अकादमिक जगत को भी इसी तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, और हमने कालिंदी महाविद्यालय में ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन शिक्षण और सीखने को अपने सभी छात्राओं के लिए कुशल और सुलभ बनाने के लिए सभी संभव उपाय

किए हैं। हमने ऑनलाइन परीक्षा (ओबीई) के अलावा कई शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को ऑनलाइन प्रभावी ढंग से संचालित करने में सभी बाधाओं पर विजय प्राप्त की। हमारे प्राध्यापकों, कर्मचारियों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से समर्पित छात्राओं की मदद से, हमने आपदाओं को अवसर में बदला।

एक बार फिर से कालिंदी महाविद्यालय में आपका स्वागत है—जहां हम संभावनाओं को उपलब्धियों में और सपनों को वास्तविकता में बदलते हैं । आइए हम सब मिलकर अकादमिक उत्कृष्टता की यात्रा शुरू करें और जीवन के प्रति एक सशक्त दृष्टिकोण अपनाएं।

प्रो. मीना चरांदा

प्राचार्या (स्थानापन्न)

कालिंदी महाविद्यालय: लक्ष्य, प्रयोजन और शैक्षणिक नीति /रोड मैप

कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक प्रतिष्ठित संस्थान है, जो समाज में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए अकादमिक उत्कृष्टता की खोज में समर्पित है। शैक्षणिक कठोरता पर अटूट ध्यान देने के साथ, हमने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए हैं, जो बौद्धिक उत्कृष्टता और विद्वतापूर्ण उपलब्धियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रमाणित करते हैं। ये सम्मान हमारे संकाय सदस्यों और छात्राओं के सामूहिक प्रयासों के प्रमाण के रूप में काम करते हैं जिन्होंने लगातार असाधारण बौद्धिक कौशल और ज्ञान की प्राप्ति का प्रदर्शन किया है। हमें अपने सम्मानित पूर्व छात्राओं पर बहुत गर्व है जो अपने-अपने क्षेत्रों में अग्रणी बनकर उभरे हैं और गणमान्य व्यक्तियों, शिक्षाविदों और विद्वानों सहित समाज पर अपनी एक अमिट छाप छोड़ रहे हैं।

पटेल नगर में 8.25 एकड़ के प्रभावशाली परिसर में स्थित, कालिंदी महाविद्यालय में एक उन्नत शैक्षणिक माहौल का समर्थन करने के लिए नींव की गई है जो एक असाधारण बुनियादी ढाँचा है। हमारी सुविधाओं में प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार ब्लॉक, रसायन विज्ञान प्रयोगशाला, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए एक एम्फीथिएटर, छात्राओं की सुविधाएँ ब्लॉक और एक खेल उपयोगिता केंद्र शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, हम जिम एवं एक शिक्षक साइबर केंद्र और एक अतिरिक्त सुरक्षा द्वार जैसे उन्नत सुरक्षा उपाय भी प्रदान करते हैं। हमारे छात्राओं की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए हमारे विज्ञान ब्लॉक का विस्तार किया गया है, और हम सुविधा के लिए पर्याप्त पार्किंग स्थान प्रदान करते हैं। हरेक स्थानों के महत्व पर जोर देते हुए, हमने अगस्त क्रांति पार्क, सरस्वती पार्क, बुद्ध पार्क, बटरफ्लाई पार्क और एक रमणीय हर्बल गार्डन जैसे शांत क्षेत्र बनाए हैं। इसके अलावा, हम रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, आरओ-वाटर प्यूरीफाइंग सिस्टम, अग्निशामक यंत्र और सैनिटरी नैपकिन डिस्पेंसर जैसी आवश्यक सुविधाओं को लागू करके छात्राओं की भलाई को प्राथमिकता देते हैं। 31 पूर्ण परियोजनाओं और हमारे बुनियादी ढ़ाँचे में सुधार के लिए चल रहे प्रयासों के साथ, हम अपने छात्राओं के लिए एक विशिष्टतम शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ।

कालिंदी महाविद्यालय शैक्षणिक कार्यक्रमों की एक विविध श्रृंखला प्रदान करता है, जिसमें 20 मुख्य पाठ्यक्रम शामिल हैं जो अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों को शामिल करते हैं। इसके अतिरिक्त, हम छात्राओं को आधुनिक वैश्विक बाजार में माँग वाले कौशल से परिपूर्ण करने के लिए डिज़ाइन किए गए दो समकालीन अल्पकालिक ऐड-ऑन सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। ये कार्यक्रम विदेशी भाषाएँ: फ्रेंच और चीनी जैसे क्षेत्रों को अधिग्रहित करती हैं। हमें न केवल नियमित छात्राओं , बल्कि गैर- महाविद्यालयीन महिला शिक्षा बोर्ड और स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग सेंटर के छात्राओं को भी सेवाएँ प्रदान करने पर गर्व है। हमारी संस्था को 201 उच्च योग्य और प्रतिष्ठित शिक्षण संकाय सदस्यों की एक टीम द्वारा समर्थित किया जाता है ,जो सक्रिय रूप से शैक्षणिक गतिविधियों और संस्थागत जिम्मेदारियों में लगे हुए हैं। इसके अलावा, हमारे पास एक कुशल और सहयोगी प्रशासनिक/तकनीकी/सहायक स्टाफ है जिसमें 1 लाइब्रेरियन और 1 डीपीई सहित 73 सदस्य हैं जो महाविद्यालय के सुचारू कामकाज में योगदान देते हैं, साथ मिलकर, हम अपने विविध छात्र समूह को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समग्र विकास प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसमें दुनिया भर के 7,400 से अधिक छात्र शामिल हैं।

शैक्षणिक उत्कृष्टता और विश्व स्तरीय सुविधाओं के प्रावधान की हमारी खोज में, कालिंदी महाविद्यालय ने हमारे परिसर में उपलब्ध सुविधाओं को बढ़ाने के लिए विभिन्न पहल की हैं। हम वर्तमान में गर्ल्स हॉस्टल को पूरा करने के अंतिम चरण में हैं, जिसमें 240 बिस्तरों वाले 80 कमरे होंगे। इसके अतिरिक्त, हमारे पास कई स्वीकृत परियोजनाएँ प्रगति पर हैं, जिनमें संगम परिसर का नवीनीकरण, परिसर का पूर्ण विद्युतीकरण, पुस्तकालय का विस्तार और सीवर प्रणाली में सुधार शामिल है। इसके अलावा, हमारे पास आठ आगामी परियोजनाएँ हैं जिनमें विज्ञान ब्लॉक और अकादमिक ब्लॉक का विस्तार, खेल मैदान का विकास, विकलांग छात्राओं और शिक्षकों के लिए लिफ्ट का प्रावधान, बढ़ी हुई सुरक्षा के लिए 40 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरों की स्थापना और कार्यान्वयन शामिल हैं। महाविद्यालय के लिए एक केंद्रीकृत सार्वजनिक-संबोधन प्रणाली को भी विस्तार देना है।

कालिंदी महाविद्यालय में, हम अकादमिक रूप से सुदृढ़ शिक्षा प्रदान करने के लिए कक्षा शिक्षण और शैक्षणिक नवाचार को प्राथमिकता देते हैं। हमारे समर्पित संकाय सदस्य अपने संबंधित क्षेत्रों में नवीनतम विकास से अवगत रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारा पाठ्यक्रम प्रासंगिक और अद्यतन बना रहे। हम एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा देते हैं जो अनुसंधान, विकास और नवाचार को प्रोत्साहित करता है, सीखने को कक्षा की सीमा से परे विस्तारित करता है। हमारी पाठ्यक्रम योजनाएँ और पाठ्यक्रम-समाप्ति रिपोर्ट हमारे छात्राओं के लाभ के लिए सुव्यवस्थित शिक्षण सुनिश्चित करती हैं। कोविड के बाद के युग में शिक्षा की विकसित होती प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, हमने अपने महाविद्यालय की वेबसाइट सहित विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफार्मों के माध्यम से अपने छात्राओं को ई-संसाधन प्रदान करने पर बहुत जोर दिया है। इसके अतिरिक्त, हमारे सम्मानित संकाय अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध विद्वानों के साथ सेमिनार और कार्यशालाएँ आयोजित करते हैं, जिससे हमारे छात्राओं को विश्व - स्तरीय शिक्षा और प्रशिक्षण मिलता है। हमने एक मेंटर-मेंटी कार्यक्रम लागू किया है, जो छात्राओं को उनकी सफलता की राह पर शैक्षणिक और मनोवैज्ञानिक चुनौतियों से निपटने में सहायता करने के लिए सलाह देने को औपचारिक बनाता है। छात्राओं के समग्र विकास और व्यक्तित्व विकास के हर पहलू पर उचित ध्यान दिया जाता है, चिकित्सकीय देखभाल और मनोवैज्ञानिक परामर्श हेतु पूरी तरह से स्टॉफ की व्यवस्था है और अच्छी तरह से सुसज्जित चिकित्सा कक्ष और पेशेवर परामर्शदाताओं के माध्यम से आसानी से समस्या का निराकरण उपलब्ध है| एक समुन्नत एवं विद्वतापूर्ण वातावरण को बढ़ावा देकर साथ ही अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देकर और बौद्धिक उपलब्धियों का जश्न मनाकर, हमारा महाविद्यालय सक्षम नागरिकों की एक समर्थ पीढ़ी को आकार देने की अपनी प्रतिबद्धता के प्रति समर्पित है । जो सपने देखने वालों और नवप्रवर्तकों के वैश्विक समुदाय में अपने योगदान के माध्यम से देश को गौरवान्वित करेगा। इस परिवर्तनकारी यात्रा में हमारे साथ जुड़ें और एक विश्व - स्तरीय शिक्षा का अनुभव करें जो आपको एक गरिमामय एवं सुदृढ़ भविष्य के लिए तैयार करती है।

महाविद्यालय एक नज़र में

सुविधाएं और अधोसंरचना

- विशाल, हवादार कक्षाएँ
- एलसीडी प्रोजेक्टर के साथ 25 कक्षाएँ
- शिक्षण, अनुसंधान और नवाचार ब्लॉक
- पूर्णतः सुसज्जित आधुनिक प्रयोगशालाएँ
- वनस्पति विज्ञान और प्राणीशास्त्र के अलग-अलग संग्रहालय
- ऑडियो विजुअल शिक्षण सहायता के साथ कंप्यूटर विज्ञान प्रयोगशालाएँ
- मल्टीमीडिया पत्रकारिता स्टूडियो
- उत्पादन नियंत्रण - कक्ष
- अच्छी तरह से भंडारित पुस्तकालय
- सेमिनार कक्ष (प्रशासनिक ब्लॉक)
- कंप्यूटर लैब
- समिति कक्ष (प्रशासनिक ब्लॉक)
- सम्मेलन कक्ष (टीआरआई ब्लॉक)
- ट्यूटोरियल क्यूबिकल्स (शैक्षणिक ब्लॉक)
- सभागार (संगमपरिसर- विस्तार की प्रक्रिया के तहत)
- एम्फीथिएटर (उन्मुक्तपरिसर)
- छात्र साइबर केंद्र
- शिक्षक साइबर केंद्र
- उद्यान: थीम पार्क, सरस्वती पार्क, हर्बल गार्डन, अगस्त क्रांति पार्क, बुद्ध पार्क
- कम्पोस्ट मशीन
- सम्मेलन केंद्र
- संकाय सदस्यों के लिए स्टाफ रूम
- भूगोल प्रयोगशाला
- गणित प्रयोगशाला

- आईक्यूएसी सेल

महाविद्यालय सहायता सेवाएँ

- वाई-फाई सक्षम परिसर
- बिजली बैकअप
- सीसीटीवी निगरानी के साथ परिसर की सुरक्षा
- अग्नि शामक
- फोटोकॉपी सुविधा काउंटर
- आर.ओ. के साथ वाटर कूलर प्रणाली
- कैफेटेरिया
- मदर डेयरी कियॉस्क
- नेस्कैफे कियॉस्क
- कागज रीसाइक्लिंग मशीन
- लाइब्रेरी में स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर और ई-टेक्स्ट एक्सेस उपलब्ध है ।
- विश्वविद्यालय के मानदंडों के अनुसार परीक्षा लेखन (लेखक) की सुविधा
- नर्स सुविधा के साथ चिकित्सा-सह-परामर्श कक्ष (सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक)
- चिकित्सकीय सुविधाएँ
- काउंसलर द्वारा परिसर का नियमित दौरा
- शिक्षकों द्वारा छात्रों को मार्गदर्शन
- सौर उर्जा पैनल्

कॉलेज पोर्टल के भीतर जीवन

नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (NCWEB)

संयोजक :- डॉ.सुधा पाण्डेय

सह – संयोजक :-डॉ. प्रदीप कुमार

नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (NCWEB), कालिंदी महाविद्यालय शिक्षण केंद्र NCWEB, दिल्ली विश्वविद्यालय के छब्बीस केंद्रों में से सबसे पुराने केंद्रों में से एक है। केंद्र NCWEB द्वारा निर्धारित नियमों और विनियमों के अनुसार अर्ध-नियमित मोड पर संचालित होता है। 2022 से NCWEB ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को भी लागू किया है और सभी यूजी पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के नियमित कॉलेजों के समान हैं।

केंद्र द्वारा बीए प्रोग्राम और बीकॉम प्रोग्राम दो पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं। केवल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में रहने वाली (आधार कार्ड/वोटर कार्ड/पासपोर्ट के आवासीय प्रमाण के साथ) महिला उम्मीदवार ही छात्र के रूप में नामांकन कर सकती हैं। प्रवेश NCWEB, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित कट-ऑफ के साथ मेरिट के आधार पर किया जाता है। शिक्षण कक्षाएं रविवार को आयोजित की जाती हैं। अंतिम सेमेस्टर विश्वविद्यालय परीक्षाओं में उपस्थित होने के लिए न्यूनतम 66% उपस्थिति आवश्यक है, जो नियमित महाविद्यालय के साथ-साथ आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, केंद्र में स्नातक छात्राओं के लिए पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है। केंद्र छात्राओं के समग्र विकास के लिए कार्यशालाएँ, सेमिनार, व्याख्यान और पाठ्येतर गतिविधियाँ भी आयोजित करता है।

बोर्ड कार्यालय: नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड ट्यूटोरियल बिल्डिंग, द्वितीय तल गुरु तेग बहादुर रोड, यूनिवर्सिटी एन्क्लेव नई दिल्ली, दिल्ली 110007, कार्यालय कॉल: 01127667640,

NCWEB website: http://ncweb.du.ac.in

प्रवेश से संबंधित जानकारी: https://youtu.be/4b_vOxWIGKk

कोचिंग और सुधारात्मक कक्षा समिति

संयोजक :- डॉ.कृष्णा कुमारी

सह – संयोजक :- सुश्री रूबी

कालिंदी महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस उद्देश्य के लिए, महाविद्यालय ने परिसर में शैक्षणिक और सह-पाठयक्रम गतिविधियों की पेशकश करने के लिए एक उत्कृष्ट समिति और बुनियादी ढाँचा बनाया है। महाविद्यालय युवा और महत्वाकांक्षी छात्राओं के लिए करियर काउंसलिंग, प्लेसमेंट और अन्य पेशेवर मदद की सुविधा को अत्यधिक महत्व देता है। कालिंदी महाविद्यालय उन छात्राओं के लिए निःशुल्क उपचारात्मक कक्षाएं आयोजित करता है जिन्हें अपने शैक्षणिक सत्रों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए सहायता की आवश्यकता होती है। मुख्य उद्देश्य उनके अनुशासन विषयों की उनकी समझ में सुधार करना और उनकी पढ़ाई में उनकी सहायता और मार्गदर्शन करना है। प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के लिए उपचारात्मक समय सारिणी महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के समन्वय से तैयार की जाती है। सेल यह सुनिश्चित करने में सहायक है कि आवश्यक शिक्षक कमजोर छात्राओं के लाभ के लिए कक्षाएं संचालित करें। इस पहल से बहुत से छात्राओं को लाभ हुआ है।

फरवरी 2012 में, महाविद्यालय ने अपने पंजीकृत एससी/एसटी/ओबीसी (क्रीमी लेयर को छोड़कर) और अल्पसंख्यक छात्राओं के लिए ग्यारहवीं योजना, यूजीसी की विलय योजना के तहत कोचिंग कक्षाएं शुरू कीं। इन कक्षाओं में इन पृष्ठभूमियों के उत्साही छात्राओं ने भाग लिया, जिनकी सीखने में गहरी रुचि थी। छात्राओं को विभिन्न क्षेत्रों में पेशेवर विशेषज्ञों की कोचिंग से लाभ हुआ। कोचिंग कक्षाओं के अलावा, उन्हें किताबें, कंप्यूटर सुविधाएँ, समाचार पत्र, प्रतियोगी पत्रिकाएँ और ऑनलाइन संसाधन सामग्री जैसी अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। महाविद्यालय के संकाय सदस्य और बाहर से विशेषज्ञ समन्वयक/प्रशिक्षक के रूप में लगे हुए हैं। संसाधन व्यक्ति और समिति का मुख्य ध्यान

छात्राओं को उनकी कठिनाई के क्षेत्रों में सुधार करने में मदद करना है ताकि वे विभिन्न प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें।

आंतरिक समिति

संयोजक :- प्रो.संगीता ढल

लिंग संवेदनशीलता और लिंग न्याय किसी भी मजबूत संस्थान के स्तंभ हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, कालिंदी महाविद्यालय अपने छात्राओं , शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित और संरक्षित माहौल प्रदान करने का प्रयास करता है जहाँ वे पनप सकें। महाविद्यालय की आंतरिक समिति छात्राओं , संकाय सदस्यों, प्रशासनिक और संविदा कर्मचारियों के लिए नियमित आधार पर कार्यशालाएँ आयोजित करती है और लिंग संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित करती है।

कालिंदी महाविद्यालय की आंतरिक समिति (आईसी) जिसे पहले आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के नाम से जाना जाता था, इस तरह के दृष्टिकोण को सुगम बनाती है और यौन उत्पीड़न की शिकायतों को तेजी से और लगन से संबोधित करने के लिए आवश्यक तंत्र रखती है। आंतरिक समिति महाविद्यालय परिसर में यौन उत्पीड़न के मामलों को संभालती है। कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा और यौन उत्पीड़न की शिकायतों की रोकथाम और निवारण के लिए प्रावधान करता है। कृपया अधिक जानकारी के लिए महाविद्यालय की वेबसाइट देखें: (***www.kalindi.du.ac.in***).

XV-D अध्यादेश दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा यौन उत्पीड़न के विरुद्ध नीति पर आधारित है और इसका उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्राओं , शैक्षणिक और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए यौन उत्पीड़न से मुक्त शैक्षणिक और कार्य वातावरण को बनाए रखना और बनाना है। आईसी में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं:

(क) एक पीठासीन अधिकारी जो एक वरिष्ठ संकाय सदस्य होगा

(ख) शिक्षण कर्मचारियों में से दो सदस्य

(ग) यौन उत्पीड़न से संबंधित मुद्दों से परिचित गैर-सरकारी संगठन या कानूनी फर्म में से एक सदस्य:

(घ) दो गैर-शिक्षण कर्मचारी सदस्य

(ङ) तीन निर्वाचित छात्र प्रतिनिधि

यौन उत्पीड़न क्या है?

निम्नलिखित में से कोई भी (प्रत्यक्ष रूप से या निहितार्थ रूप से) यौन उत्पीड़न माना जाएगा:

• शारीरिक संपर्क और अवांछित प्रस्ताव

• यौन अनुरोध या यौन इशारे

• यौन रूप से अश्लील टिप्पणी करना

• पोर्नोग्राफी दिखाना

• यौन प्रकृति का कोई अन्य अवांछित शारीरिक, मौखिक या गैर-मौखिक आचरण।

शिकायत दर्ज करने और दर्ज करने की प्रक्रिया:

• घटना को लिखें: घटना का विस्तार से वर्णन करें। दिनांक, समय, स्थान और इसमें शामिल लोगों के नाम शामिल करें। विशिष्ट और स्पष्ट रहें

• उत्पीड़न की प्रकृति निर्दिष्ट करें: वर्णन करें कि आपके संगठन की नीति के अनुसार व्यवहार किस प्रकार यौन उत्पीड़न का गठन करता है।

• साक्ष्य शामिल करें: अपनी शिकायत का समर्थन करने के लिए आपके द्वारा एकत्र किए गए किसी भी साक्ष्य को संलग्न करें।

• प्रारूप: शिकायत आम तौर पर आंतरिक समिति के पीठासीन अधिकारी को संबोधित लिखित रूप में होनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि आपकी शिकायत हस्ताक्षरित और दिनांकित है।

• समय: यौन उत्पीड़न की घटना के तीन महीने के भीतर शिकायत दर्ज की जा सकती है।

• झूठी शिकायतों पर दंड लगाया जा सकता है।

INTERNAL COMMITTEE
KALINDI COLLEGE, DU

Your Safety, Our Priority!

If you experience or witness sexual harassment, don't hesitate to reach out. Your voice matters, and we are here to help.

- The Sexual Harassment of Women at Workplace Act, 2013 safeguards women and addresses complaints
- XV-D ordinance based on Delhi University's policy ensures a harassment-free environment.
- Applies to students, teaching, non-teaching and contractual staff at Kalindi College.

To Submit Complaint: Directly contact Internal Committee

WHAT CONSTITUTES SEXUAL HARASSMENT

Any of the following (directly or by implication) shall mean sexual harassment:

- physical contact and advances
- a demand or request for sexuaL favours
- making sexually coloured remarks
- showing pornography
- any other unwelcome physical, verbal ar non- verbal conduct of sexual nature.

How to File a Complaint?

- **Clearly describe the incident(s) with dates, times, locations, and names.**
- **Attach any supporting evidence.**
- **Submit a signed and dated written complaint to the IC.**
- **File the complaint within three months of the incident.**
- **Note: False complaints may result in penalties.**

YOUR RIGHTS:

- **Confidentiality:** Your complaint will be handled with strict confidentiality.
- **Impartiality**: The IC ensures a fair and impartial process.
- **Support:** Access to counseling and other support services

Our Services

Grievance Redressal for Sexual Harassment

Gender Sensitisation and Awareness Program

Prof. Sangita Dhal
Presiding Officer of IC, Kalindi College
Email id:
kcinternalcommittee@kalindi.du.ac.in

External member: Ms Vandana Mohanty

रैगिंग विरोधी समिति

संयोजक :- डॉ.रचना कुमार

सह – संयोजक :-डॉ. रेणु बाला

'रैगिंग' का अर्थ है ऐसा कोई कार्य करना जिससे किसी छात्र को शारीरिक, मानसिक या शारीरिक क्षति, आशंका, शर्म या परेशानी हो या होने की संभावना हो, और इसमें शामिल हैं,

(क) किसी छात्र को चिढ़ाना, गाली देना, मज़ाक करना या चोट पहुँचाना।

(ख) किसी छात्र को कोई ऐसा कार्य करने या कोई ऐसा कार्य करने के लिए कहना जिसे वह सामान्यतः करने या करने के लिए तैयार न हो।

रैगिंग अन्य अपराधों से अलग है क्योंकि इसका उद्देश्य केवल विकृत आनंद प्राप्त करना है। रैगिंग अन्य अपराधों से इसलिए भी अलग है क्योंकि समाज के कुछ वर्गों द्वारा इसे सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाता है।

सर्वोच्च न्यायालय के अवलोकन और निर्देश:

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि शैक्षणिक गतिविधियों या परिसर जीवन में नामांकन किसी भी वयस्क नागरिक को देश के कानून के दंडात्मक प्रावधानों से प्रतिरक्षित नहीं करना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, यदि रैगिंग का कोई मामला प्रशासन या संकाय के संज्ञान में लाया जाता है, तो संस्थान के लिए स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना देना कानूनी रूप से बाध्यकारी है।

<u>रैगिंग के विरोध</u>

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के आधार पर, यूजीसी ने "उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की समस्या को रोकने के लिए यूजीसी विनियम, 2009" तैयार किए हैं। उक्त एंटी-रैगिंग विनियमों के अनुपालन में, कालिंदी महाविद्यालय में, परिसर के अंदर और/या बाहर रैगिंग पूरी तरह से प्रतिबंधित है। रैगिंग के कृत्य में शामिल होने और/या इसके समर्थन में, चाहे सक्रिय रूप से या निष्क्रिय रूप

से, या रैगिंग को बढ़ावा देने की साजिश का हिस्सा होने वाले किसी भी व्यक्ति पर यूजीसी विनियम 2009 के आदेश के अनुसार मुकदमा चलाया जाएगा और उसे दंडित किया जाएगा, साथ ही वर्तमान में लागू किसी भी अन्य दंडात्मक कानून के प्रावधानों के तहत भी। कालिंदी महाविद्यालय सख्ती से सुनिश्चित करता है कि नए छात्राओं को एक अनुकूल और स्वागत योग्य वातावरण दिया जाए। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, यूजीसी विनियम 2009 के अनुसार संस्थान द्वारा एक एंटी-रैगिंग समिति का गठन किया गया है।

<u>एंटी-रैगिंग समिति की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां</u>

- ✓ रैगिंग से जुड़ी किसी भी गतिविधि के प्रति शून्य सहिष्णुता और कालिंदी महाविद्यालय में यूजीसी विनियमन 2009 के प्रावधान का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करना।
- ✓ कालिंदी महाविद्यालय में रैगिंग को रोकने के लिए एंटी-रैगिंग दस्ते के प्रदर्शन की निगरानी और देखरेख करना।

कालिंदी महाविद्यालय ने महाविद्यालय परिसर में रैगिंग रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं। ओरिएंटेशन प्रोग्राम के दौरान, सभी नए छात्राओं को रैगिंग के बारे में अच्छी तरह से जानकारी दी जाती है और साथ ही रैगिंग करने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाती है। नए छात्राओं को महाविद्यालय में किसी भी रैगिंग गतिविधि की रिपोर्ट करने के लिए एंटी-रैगिंग कमेटी के सदस्यों के संपर्क नंबर और ई-मेल आईडी के बारे में भी बताया जाता है। महाविद्यालय में रैगिंग गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए एंटी-रैगिंग कमेटी शिक्षकों का एंटी-रैगिंग दस्ता बनाती है। इस अपराध को रोकने के लिए कई सख्त फैसले लिए गए हैं। प्रिंसिपल के फैसले के अनुसार रैगिंग में शामिल छात्राओं पर मुकदमा चलाया जाएगा या एक निश्चित अवधि के लिए निष्कासित भी किया जाएगा। अध्यादेश XV-C द्वारा अनिवार्य एंटी-रैगिंग कानूनों से संबंधित प्रावधानों को बताते हुए महाविद्यालय में प्रमुख स्थानों पर कई नोटिस बोर्ड लगाए गए हैं। कोई भी छात्र किसी भी अप्रिय घटना के मामले में एंटी-रैगिंग कमेटी से संपर्क कर सकता है।

उपस्थिति समिति

संयोजक :- डॉ.शिल्पिका बाली मेहता

सह – संयोजक :-डॉ. प्रेरणा सिवाच

महाविद्यालय की उपस्थिति समिति में विभिन्न संकायों के संकाय सदस्य शामिल होते हैं। यह समिति नियमित रूप से बैठकें करती है और प्रशासनिक कार्यालय के साथ बातचीत करती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्राओं की उपस्थिति के संबंध में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर निर्धारित अध्यादेशों और दिशानिर्देशों को बनाए रखने के लिए उचित और समय पर कदम उठाए जाएं। समिति विभिन्न विभागों के प्रभारी शिक्षकों के साथ भी समन्वय करती है ताकि विभाग कम उपस्थिति वाले छात्राओं की सूची तैयार करे और माता-पिता/अभिभावकों को सूचित करने के लिए पत्र भेजने की व्यवस्था करे।

<u>महत्वपूर्ण नियम:-</u>

● उपस्थिति के लिए दिए जाने वाले अंकों के क्रेडिट की गणना करते समय मेडिकल प्रमाणपत्रों को बाहर रखा जाएगा, हालांकि परीक्षा में बैठने की पात्रता की गणना के उद्देश्य से ऐसे प्रमाणपत्रों पर विचार किया जाना जारी रहेगा।

● परीक्षा में बैठने के लिए पात्र होने के लिए छात्र को अलग-अलग दिए गए कुल व्याख्यानों/प्रैक्टिकल्स/ट्यूटोरियल्स/प्रस्तुतियों की दो तिहाई संख्या में उपस्थित होना आवश्यक है।

● कोई छात्र जो सभी विषयों में उपस्थिति की आवश्यक शर्तों को पूरा नहीं करता है, लेकिन संबंधित सेमेस्टर के दौरान कम से कम 40% व्याख्यानों/प्रस्तुतियों/ट्यूटोरियल्स/प्रैक्टिकल्स में उपस्थित रहा है, वह प्रिंसिपल की अनुमति पर आगामी सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित हो सकता है। ऐसे छात्र को अगले सेमेस्टर में इस कमी को पूरा करना होगा।

● यदि किसी छात्र को एनसीसी शिविरों / नागरिक सुरक्षा कार्य / एनएसएस सार्वजनिक असाइनमेंट / खेल या अन्य पाठयक्रम गतिविधियों में भाग लेने के लिए चुना जाता है या विभिन्न मंचों पर

महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करता है, तो अनुपस्थिति की अवधि के दौरान दिए गए व्याख्यानों की संख्या की गणना केवल तभी की जाएगी जब संबंधित शिक्षक द्वारा अग्रेषित किया गया हो।

पूर्व छात्र समिति और पूर्व छात्र संघ

संयोजक :- डॉ.कंचन बत्रा

सह – संयोजक :-डॉ. विनय कुमार राय

किसी भी संस्था की सफलता उसके पूर्व छात्राओं द्वारा हमारे राष्ट्रीय जीवन में दिए गए योगदान से मापी जाती है।कालिंदी महाविद्यालय में एक अत्याधुनिक पूर्व छात्र संघ है जो अपने पूर्व छात्राओं के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखता है। हम अपने प्रतिष्ठित पूर्व छात्राओं को नियमित रूप से आमंत्रित करते हैं कि वे वर्तमान छात्राओं से मिलें और उनके साथ बातचीत करें, उनके अनुभव और अंतर्दृष्टि साझा करें। हमारे महाविद्यालय के पूर्व छात्र सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, आईटी उद्योग, खेल, चिकित्सा और प्रशासन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सम्मानित पदों पर हैं। वे रोल मॉडल और मार्गदर्शक के रूप में काम करते हैं, अपनी उपलब्धियों और समर्पण से छात्राओं की अगली पीढ़ी को प्रेरित करते हैं। हर साल, हम एक पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित करते हैं, जो एक प्रिय कार्यक्रम है जहाँ विभिन्न बैचों के पूर्व छात्र अपने साझा इतिहास और सफलता का जश्न मनाने के लिए एक साथ आते हैं। यह कार्यक्रम पूर्व छात्राओं को महाविद्यालय के साथ फिर से जुड़ने, साथियों के साथ नेटवर्क बनाने और संस्थान की वृद्धि और विकास में योगदान देने के लिए एक मंच प्रदान करता है। पूर्व छात्र मिलन समारोह कालिंदी महाविद्यालय और उसके स्नातकों के बीच स्थायी बंधन का एक प्रमाण है, जो समुदाय और गौरव की भावना को बढ़ावा देता है।

पूर्व छात्र संघ

अध्यक्ष:-डॉ सविता शर्मा

पूर्व छात्र संस्थान के ब्रांड एंबेसडर होते हैं, जो इसके लोकाचार को व्यक्त करते हैं। उनका अनुभव, शिक्षा और समाज के लिए योगदान उनके अल्मा मेटर को प्रतिष्ठा दिलाते हैं। वर्षों के निष्क्रियता के बाद, 2009 में कालिंदी

महाविद्यालय एलुमनी एसोसिएशन को पुनर्जीवित किया गया था। इसके विकास के पीछे मुख्य उद्देश्य पूर्व छात्रों और छात्रों के बीच एक पुल का निर्माण करना और पूर्व छात्रों की व्यस्तता को बढ़ाना, एक समुदाय से संबंधित माहौल बनाना और संस्थागत को गहरा करने के लिए पूर्व छात्रों को राजी करना है। इस विचार को ध्यान में रखते हुए, कालिंदी महाविद्यालय की पूर्व छात्र समिति अपने ब्रांड एंबेसडरों को समकालीन भारत में कैरियर परामर्श से लेकर बाल अधिकारों की सुरक्षा तक कई विषयों पर विभिन्न इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसके माध्यम से, महाविद्यालय और पूर्व छात्र परस्पर लाभकारी और सार्थक दीर्घकालिक संचार में संलग्न हो सकेंगे। पूर्व छात्र संघ में लगभग 2000 पूर्व छात्र पंजीकृत हैं। फ्रेशर्स ओरिएंटेशन प्रोग्राम, फेस बुक, टेलीग्राम, व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से पूर्व छात्रों के संघ के बारे में जागरूकता का प्रसार किया जाता है।

छात्र संघ

संयोजक :- डॉ.वंदना रानी

सह – संयोजक :-डॉ. उत्पल कुमार

छात्र संघ एक सक्रिय निकाय है जिसकी नियुक्ति प्रतिवर्ष की जाती है। यह छात्राओं के कल्याण और विकास के लिए मौजूद है। यह कई कार्यक्रमों जैसे कि ओरिएंटेशन प्रोग्राम, शपथ समारोह, फ्रेशर्स वेलकम और कई अन्य आयोजनों के आयोजन के लिए जिम्मेदार है। संघ निकाय छात्राओं को नेतृत्व और अन्य जीवन कौशल विकसित करने, कार्यक्रमों का प्रबंधन करने और विविध पृष्ठभूमि के लोगों के साथ बातचीत करने की अनुमति देता है। छात्र संघ के माध्यम से छात्राओं को कल के नेता बनने के लिए तैयार किया जा रहा है।

विभिन्न सांस्कृतिक क्लबों की गतिविधियाँ:

छात्र संघ की मदद से कई सांस्कृतिक क्लब संचालित होते हैं। संबंधित सलाहकारों के मार्गदर्शन में, सांस्कृतिक क्लब छात्राओं को विभिन्न संदर्भों और स्थानों में अपने कौशल को निखारने के लिए आवश्यक पर्यवेक्षण प्रदान करते हैं। जब भी विभिन्न क्लब गतिविधियों में आवश्यकता होती है, तो

वरिष्ठ छात्र जूनियर की मदद के लिए तत्पर रहते हैं। प्रत्येक छात्र को कम से कम एक क्लब में नामांकन कराना होता है और सप्ताह में एक बार अनिवार्य रूप से इसके सत्र में भाग लेना होता है। क्लब काफी सक्रिय हैं, और शिक्षकों की भागीदारी उन्हें शामिल होने लायक बनाती है।

छात्र जीवन में विभिन्न घटनाएँ और उनकी महत्वपूर्ण भूमिका:

नवागंतुक स्वागत समारोह, शपथ समारोह, दिवाली मेला, वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव-लहरें, वार्षिक दिवस और विदाई आदि जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। ये कार्यक्रम न केवल छात्राओं के बीच एकजुटता की भावना को प्रोत्साहित करते हैं बल्कि छात्राओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और बड़े पैमाने पर पहचान पाने के लिए मंच भी प्रदान करते हैं। यह छात्राओं की छिपी प्रतिभा को बाहर लाने में भी मदद करता है क्योंकि वे कार्यक्रम से संबंधित सभी चीजों का प्रबंधन करते हैं। इन कार्यक्रमों में भाग लेने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे एक बेहतरीन भविष्य के लिए तैयार होते हैं। हो सकता है कि अगली मिस इंडिया या कोई महान राजनीतिक नेता, जो भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, हमारे डिबेट या फैशन शो कार्यक्रम का हिस्सा हो।

ई.सी.ए.

संयोजक :- सुश्री अनुराधा कोटियाल

सह – संयोजक :-सुश्री बलजीत कौर

महाविद्यालय में पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने से छात्राओं को शिक्षा के अलावा अन्य अवसर भी मिलते हैं। क्लब और खेल से लेकर स्वयंसेवी कार्य और इंटर्नशिप तक की ये गतिविधियाँ मूल्यवान अनुभव प्रदान करती हैं जो व्यक्तिगत विकास को बढ़ाती हैं, नेतृत्व कौशल विकसित करती हैं और सामाजिक संबंधों को बढ़ावा देती हैं। वे व्यावहारिक, व्यावहारिक अनुभव प्रदान करके अकादमिक शिक्षा को पूरक बनाते हैं जो रिज्यूमे को बढ़ावा दे सकते हैं, महाविद्यालय जीवन को समृद्ध बना सकते हैं और छात्राओं को भविष्य के करियर के लिए तैयार कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने से संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा मिलता है, समय

प्रबंधन कौशल में सुधार होता है और साथियों के बीच टीम वर्क और सहयोग को बढ़ावा मिलता है। कुल मिलाकर, पाठ्येतर गतिविधियों में भागीदारी को महाविद्यालय के वर्षों के दौरान छात्राओं के समग्र विकास पर इसके सकारात्मक प्रभाव के लिए व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है। कालिंदी महाविद्यालय में एक ECA (पाठ्येतर गतिविधि) समिति है जिसमें साहित्य, ललित कला, रंगमंच आदि में सक्रिय रूप से काम करने वाले 21 क्लब हैं।

- डिबेटिंग सोसाइटी: अंग्रेजी (मंत्रणा) डिबेटिंग सोसाइटी: हिंदी (वागार्थ)
- एकांकी नाटक : आगाज
- नुक्कड़ नाटक: रक्श
- संगीत क्लब
- अंताक्षरी
- नुपुर
- संस्कृत तरंगनी
- फैशन-एस्टा
- मीडिया क्लब
- ग्रेफिटी
- रचनात्मक गद्य लेखन(हिंदी/अंग्रेजी)
- काव्य - सृष्टि (हिंदी) ऑफ मसेस एंड बाड्र्स (अंग्रेजी कविता)
- मेंहदी क्लब
- पेंट और ब्रश क्लब
- रंगोली
- आरोग्य
- महाविद्यालय बैंड
- इको क्लब

कल्पधरा: पर्यावरणीय समिति

संयोजिका:- डॉ. शानूजा बेरी

कल्पधरा- पर्यावरण समिति विज्ञान विभाग, कालिंदी महाविद्यालय का महत्वपूर्ण और सक्रिय क्लबों में से एक है। पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रभारी शिक्षक संयोजक हैं और दो अन्य संकाय सदस्य इस समिति के सह-संयोजक हैं, साथ ही छात्र सदस्य पदाधिकारी और अन्य छात्र स्वयंसेवक हैं जिन्हें साक्षात्कार के बाद चुना जाता है। समिति के सदस्य जलवायु परिवर्तन से मानव जाति के अस्तित्व के संकट के बारे में जागरूकता पैदा करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। पर्यावरण समिति का विजन युवा मन को हरे और पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाने और प्रकृति और धरती मां के साथ सद्भाव में रहने के लिए प्रेरित करना है।इस समिति का आदर्श वाक्य "प्रकृति के बिना जीवन नहीं है" है। ईको-क्लब की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं और ईको-क्लब गतिविधियों की योजना काफी पहले से बनायी जाती है। क्लब युवा छात्राओं को सार्थक पर्यावरणीय गतिविधियों और परियोजनाओं जैसे "पृथ्वी दिवस समारोह", "विश्व ओजोन दिवस" आदि में भाग लेने के लिए प्रेरित करता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के बैनर तले गार्डन कमेटी और आई.क्यू.एसी कालिंदी महाविद्यालय के साथ इको-क्लब ने 16 सितंबर 2022 को "मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल @ 35: ग्लोबल कोऑपरेशन प्रोटेक्टिंग लाइफ ऑन अर्थ" विषय पर एक वृक्षारोपण अभियान और एक संगोष्ठी का आयोजन किया। जैसे विश्व ओजोन दिवस। ईको-क्लब ने छात्राओं के रचनात्मक पक्ष को प्रदर्शित करते हुए अपना पहला न्यूज़लेटर "CRAFTING A GREEN WORLD" जारी किया। इको-क्लब ने वर्ष 2023 के लिए अपना पहला टेबलटॉप कैलेंडर प्रकाशित किया, जिसकी थीम "फ्लाइंग ज्वेल्स ऑफ कालिंदी महाविद्यालय" है, जिसमें परिसर की तितली विविधता को दर्शाया गया है। महाविद्यालय में दो साइट्स हैं जहां क्लब द्वारा बायोडायवर्सिटी डिस्प्ले बोर्ड-लिविंग इन हार्मनी विद नेचर को प्रदर्शित किया जाता है। इसमें मई 2022 से नवंबर 2022 के बीच कालिंदी परिसर के भीतर ली गई

वनस्पतियों और जीवों की तस्वीरें हैं। 2 स्तनधारी, 33 पक्षी, 1 सरीसृप, बोर्ड पर 2 उभयचर और 46 आर्थ्रोपोड (24 तितली सहित) प्रजातियों का प्रदर्शन किया गया है। जैव विविधता बोर्ड को मुख्य रूप से उन प्रजातियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विकसित किया गया था जो कैंपस पर्यावरण के साथ सह-अस्तित्व और बातचीत करते हैं।

लहरें: महाविद्यालय का वार्षिक उत्सव

संयोजक: डॉ. शानुजा बेरी

सह-संयोजक: डॉ. वर्षा सिंह और डॉ. उषा के. पाठक

कालिंदी महाविद्यालय का वार्षिक अंतर-महाविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव, लहरें 2024, 4 और 5 अप्रैल 2024 को भव्यता और उल्लास के साथ प्राचार्या प्रोफेसर मीना चरांदा की सम्मानित उपस्थिति में आयोजित हुआ। इस वर्ष का उत्सव 'अतुल्य भारत द जर्नी ऑफ इंडिया' थीम से ओत-प्रोत था, जो भारत की अद्वितीय विरासत और विकास के उत्सव का संकेत देता है।

दो दिवसीय सांस्कृतिक समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. बलराम पाणि, डीन ऑफ कॉलेजेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, और विशिष्ट अतिथि डॉ. ओम जी उपाध्याय, सदस्य सचिव, आईसीएचआर, नई दिल्ली, तथा चेयरपर्सन प्रो. मंजू मुकुल कांबले, गवर्निंग बॉडी, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की उपस्थिति देखी गई। इस कार्यक्रम का विषय 'अतुल्य भारत' था।

पहले दिन की शुरुआत उद्घाटन समारोह से हुई जिसने ढेर सारे प्रतिस्पर्धी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए। समूह नृत्य और एकल नृत्य की लयबद्ध ताल से लेकर एकल गायन और समूह गीत की भावपूर्ण धुनों तक, प्रत्येक कार्यक्रम जोश और कलात्मकता से गूंज उठा। पोस्टर मेकिंग, अंताक्षरी, संस्कृत तरंगिनी, भित्तिचित्र, मेहंदी, अनौपचारिक कार्यक्रम, फोटोग्राफी और रंगोली जैसी विधाओं में रचनात्मकता पनपी, जिसने हर कदम और कदम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

महाविद्यालय बैंड के मंत्रमुग्ध कर देने वाले प्रदर्शन और अपनी संगीत प्रतिभा से दिलों को मंत्रमुग्ध करने के साथ दिन का समापन हुआ। शाम का चरम प्रसिद्ध रैपर शांका के शानदार प्रदर्शन से

चिह्नित था, जिनकी चुंबकीय उपस्थिति ने उपस्थित सभी लोगों पर एक अमिट छाप छोड़ी। पहले दिन के ग्रैंड फिनाले का समापन एक थीम-आधारित फैशन शो में हुआ, जिसमें 'अतुल्य भारत' की भावना थी।

प्रत्येक समूह में झिलमिलाता हुआ, भारत की कालजयी टेपेस्ट्री का जश्न मनाता हुआ। दूसरे दिन की शुरुआत अटूट उत्साह के साथ हुई, जिसमें विविध प्रकार के कार्यक्रम शामिल थे, जिन्होंने प्रतिभागियों और दर्शकों को समान रूप से मंत्रमुग्ध कर दिया। योग और एरोबिक्स से लेकर काव्य सृष्टि की साहित्यिक कुशलता, हिंदी रचनात्मक लेखन और वाद-विवाद तक, यह दिन बुद्धि और अभिव्यक्ति की एक पच्चीकारी के रूप में सामने आया। नाट्य कला को एकांकी नाटक और नुक्कड़ नाटक में अपना मंच मिला, जबकि कविता की गूंज कविता पाठ और आगाज़ के माध्यम से गूंजी। अंग्रेजी क्रिएटिव राइटिंग, फेस पेंटिंग, एड-मैग शो और अन्य आकर्षक गतिविधियों के साथ रचनात्मकता आगे बढ़ी, जिससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान और कलात्मक अन्वेषण की समृद्ध टेपेस्ट्री सुनिश्चित हुई।

कुल मिलाकर, उत्सव में 29 प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों की एक प्रभावशाली श्रृंखला प्रदर्शित की गई, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रतिष्ठित कॉलेजों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 800 छात्राओं ने भाग लिया। प्रतिभा-प्रदर्शन में , शिक्षण और गैर-शिक्षण दोनों कर्मचारियों ने सभी उपस्थित लोगों की खुशी के लिए अपने उल्लेखनीय कौशल का प्रदर्शन किया।

मदारी बैंड के शानदार प्रदर्शन के साथ महोत्सव का शानदार समापन हुआ, जिसकी धुन दर्शकों की युवा ऊर्जा से गूंज उठी और उपस्थित सभी दिलों पर एक अविस्मरणीय छाप छोड़ गई। डु-इंडिया, दिल्ली यूनिवर्सिटी क्लब, डु-फेस्ट, डीयू अड्डा, डीयू फेस्ट अपडेट्स और डिजाइनिंग पार्टनर पॉलीक्राफ्ट्स जैसे प्रमुख प्रायोजकों के समर्थन को स्वीकार करते हुए,लहरें 2024 कालिंदी महाविद्यालय में सांस्कृतिक आदान-प्रदान और उत्सव की स्थायी भावना का एक प्रमाण है। .

आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ

अध्यक्ष: प्रो. मीना चरांदा (प्राचार्या)

वरिष्ठ सलाहकार: डॉ. राखी चौहान

संयोजक: डॉ. तारकेश्वर

सह-समन्वयक: डॉ. निधि अरोड़ा, डॉ. वर्षा सिंह, डॉ. निधि कपूर, डॉ. ममता

IQAC दृष्टिकोण और मिशन

- परिसर में शिक्षण-अध्ययन और अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ावा देने के शैक्षणिक माहौल को प्रोत्साहित करना।
- स्व-मूल्यांकन, जवाबदेही, स्वायत्तता और नवाचारों को प्रोत्साहित करना।
- गुणवत्ता-संबंधित अनुसंधान अध्ययन, परामर्श और प्रशिक्षण शुरू करना

कार्यक्रम.

- सूचना संचार के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी विकास से परिचित और अभ्यस्त बनाना

IQAC स्वयं और बाह्य गुणवत्ता मूल्यांकन, संवर्धन और भरण-पोषण पहल के संयोजन के माध्यम से गुणवत्ता को उच्च शिक्षा का परिभाषित तत्व बनाने के लिए काम करता है। इस प्रक्रिया में IQAC ने विभिन्न उपाय किये जैसे:

NAAC पीयर टीम(सहकर्मी टीम) का दौरा:

IQAC पूरे वर्ष NAAC मान्यता के लिए संस्थान के गुणात्मक पहलुओं की तैयारी कराता है। इस बार हमने दिसंबर, 2022 में NAAC मान्यता चक्र-2 और NAAC पीयर टीम के दौरे की तैयारी की; और यह गर्व की बात है कि 20 दिसंबर 2022 को महाविद्यालय को NAAC द्वारा "ग्रेड ए+" से सम्मानित किया गया।

गुणवत्ता आश्वासन:

IQAC ने कई गुणवत्ता आश्वासन उपाय किये जैसे-

नीति दस्तावेजों का निर्माण और लैंगिक लेखा परीक्षा, हरित लेखा परीक्षा (पर्यावरण और ऊर्जा चेतना के लिए) आयोजित करनावर्ष 2024-25 के लिए सभी विभागों और NSS इकाई कालिंदी महाविद्यालय के सहयोग से सामुदायिक आउटरीच और विस्तार गतिविधियों के लिए नीति दस्तावेजों का निर्माण।

कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विभागों और अन्य संस्थानों, एजेंसियों के साथ सहयोग करें। सभी हितधारकों का SSS, फीडबैक और सर्वेक्षण आयोजित करता है; छात्राओं की सभा और अभिभावक-शिक्षक-छात्र इंटरफ़ेस का आयोजन किया।

प्रयोगशालाओं और विभागों का दौरा किया। आगामी शैक्षणिक वर्ष के बारे में रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए प्राचार्या और विभाग के साथ बैठक।

IQAC की प्रस्तावित और क्रियान्वित योजनाएँ:

AQAR: नई AQAR समिति का गठन, महाविद्यालय AQAR 2022-23 तैयार और सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया गया।

IQAC, ICT अकादमी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में है (तमिलनाडु राज्य सरकार और उद्योगों के सहयोग से भारत सरकार की एक पहल) स्नातक अंतिम वर्ष के छात्राओं को उन्नत आईटी कौशल में कुशल बनाना और आईटी और आईटीईएस उद्योग में युवा दिमागों के लिए नौकरी के अवसर उपलब्ध कराना है।आईटी और आईटीईएस उद्योग में युवा मस्तिष्क के लिए उपलब्ध है।

एमआईएस और डिजिटलीकरण: एमआईएस (प्रबंधन सूचना प्रणाली) का पुनरुद्धार और प्रशासनिक/खाता डिजिटलीकरण आईक्यूएसी द्वारा शुरू की गई अगली पहल है।

CAS 2018 के तहत पदोन्नति: दिल्ली विश्वविद्यालय और यूजीसी द्वारा तैयार सीएएस 2018 दिशा निर्देशों के तहत; IQAC ने 21 संकाय सदस्यों की पदोन्नति को सफलतापूर्वक संसाधित किया है: चरण II से III तक 04 संकाय; 15 चरण III और उससे ऊपर से; और 02 एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर तक।

कार्यशाला/एफडीपी/सेमिनार:

IQAC महाविद्यालय की विभिन्न समितियों के सहयोग से प्रशिक्षण/कार्यशाला/जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने में भी शामिल रहा है:

हिंदी विभाग और अनुसंधान एवं विकास सेल के सहयोग से हिंदी राजभाषा पर "सात शिक्षा संवर्धन कार्यक्रम" नामक एक सप्ताह का एफडीपी आयोजित किया गया।

पद्मविभूषण आदित्य झा मेमोरियल ट्रस्ट के सहयोग से, शिक्षक दिवस के अवसर पर "गुरुवे नमः" शीर्षक के तहत आमंत्रित वार्ता का आयोजन किया गया।

वनस्पति विज्ञान विभाग, कालिंदी महाविद्यालय, मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), एम्स, नेशनल थैलीसीमिया वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से, सहयोगी उद्यम में शामिल हुए और एक "जागरूकता, स्क्रीनिंग और परामर्श" का आयोजन किया। थैलेसीमिया जैसी आनुवंशिक और पुरानी बीमारियों के बोझ को कम करने में महत्वपूर्ण हैं।

हिंदी विभाग एवं अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के सहयोग से दिनांक 14-09-2023 से 26-09-2023 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। और हिंदी हस्ताक्षर प्रतियोगिता, पोस्टर एवं स्लोगन प्रकाशन प्रतियोगिता, स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता, सृजनात्मक काव्य पाठ प्रतियोगिता जैसी गतिविधियों का संचालन किया

साइबर अपराध सेल, मध्य जिला, दिल्ली पुलिस के सहयोग से "साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम" विषय पर एक कार्यशाला-सह-जागरूकता वार्ता का आयोजन किया गया।

एन.सी.सी(राष्ट्रीय कैडेट कोर)

ए.एन.ओ. : लेफ्टिनेंट. (डॉ.) आरती सिंह

राष्ट्रीय कैडेट कोर भारतीय सैन्य कैडेट कोर है जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। यह स्वैच्छिक आधार पर स्कूल और महाविद्यालय के छात्राओं के लिए खुला है। राष्ट्रीय कैडेट कोर एक त्रि-सेवा संगठन है, जिसमें सेना, नौसेना और वायु सेना शामिल हैं, जो देश के युवाओं को अनुशासित और

देशभक्त नागरिकों के रूप में तैयार करने में लगी हुई है। इसका उद्देश्य लक्ष्य-उन्मुख युवाओं के संगठनात्मक प्रशिक्षण के माध्यम से मानव संसाधन तैयार करना है, जो सशस्त्र बलों की सहायता कर सकें और देश की सेवा कर सकें। कैडेटों को 'बी' और 'सी' प्रमाणपत्र से सम्मानित किया जाता है जो उन्हें सशस्त्र बलों, पुलिस और सी.आर.पी.एफ में रोजगार हासिल करने में 5-10% लाभ प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

कालिंदी महाविद्यालय के शिक्षाविदों में एनसीसी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसकी शुरुआत 1971 में 5 दिल्ली गर्ल्स बटालियन और 'ग्रुप बी' दिल्ली निदेशालय के तहत की गई थी, जिसमें वर्तमान में 164 छात्र नामांकित हैं। हाल ही में इसे पहले चार सेमेस्टर के लिए महाविद्यालय में 'वीएसी' विषय के रूप में जोड़ा गया है। लेफ्टिनेंट डॉ. आरती सिंह एसोसिएट एन.सी.सी अधिकारी हैं, जो महाविद्यालय में एन.सी.सी की मुख्य प्रमुख पदाधिकारी हैं, जो एनसीसी इकाई (कीर्ति नगर) द्वारा विस्तृत स्थायी अनुदेशात्मक (पी.आई) कर्मचारियों की सहायता से प्रशिक्षण की योजना बनाने और व्यवस्थित करने के लिए जिम्मेदार हैं। इन वर्षों में, कालिंदी महाविद्यालय एनसीसी ने विभिन्न उपलब्धियां हासिल कीं जिनमें सशस्त्र बल की सिफारिश भी शामिल है। हमारे कैडेट एनसीसी द्वारा आयोजित विभिन्न शिविरों में भाग लेते हैं जिसमें राष्ट्रीय एकीकरण शिविर (एन.आ.ईसी), बुनियादी नेतृत्व शिविर (बी.एल.सी), आरडीसी (गणतंत्र दिवस शिविर) और वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (एटी.सी.) शामिल हैं जो सभी कैडेटों के लिए अनिवार्य शिविर है। यह हर साल दो पुनरावृत्तियों में आयोजित किया जाता है, हमारे कैडेट इस शिविर में भाग लेते हैं, बहुमूल्य अनुभव और चिरस्थायी यादों के साथ लौटते हैं।

एनसीसी (राष्ट्रीय कैडेट कोर) विभिन्न सामाजिक गतिविधियाँ भी प्रदान करता है जो कैडेटों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनमें से कुछ गतिविधियों में सामुदायिक सेवाएँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, साहसिक गतिविधियाँ, सामाजिक कल्याण कार्यक्रम शामिल हैं। इन सामाजिक गतिविधियों

में भाग लेने से, एनसीसी कैडेट एक पूर्ण व्यक्ति बन जाते हैं, जो देश की सेवा करने और अपने समुदायों में सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए तैयार होते हैं।

कालिंदी महाविद्यालय के एनसीसी का वार्षिक उत्सव 'उड़ान' हर साल कैडेटों की टीम और एनसीसी के संकाय द्वारा आयोजित किया जाता है। इसी तरह, दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालय हर साल इस प्रकार के उत्सवों का आयोजन करते हैं जो कैडेटों को अपनी प्रतिभा दिखाने और अपने संस्थान को गौरवान्वित करने का अवसर देते हैं। कैडेटों को रैंक भी दी जाती है जो उन्हें कार्यकारी स्तर पर कार्य, कार्यक्रम, कर्तव्यों और रिपोर्टों के संचालन के लिए जिम्मेदार बनाती है। सेना विंग के रैंक में एसयूओ (सीनियर अंडर ऑफिसर), जेयूओ (जूनियर अंडर ऑफिसर), एसजीटी (सार्जेंट), सीपीएल (कॉर्पोरल) और एलसीपीएल (लांस कॉर्पोरल) शामिल हैं। जो छात्र एनसीसी में शामिल होना चाहते हैं, उन्हें महाविद्यालय में उपलब्ध एनसीसी कक्ष से फॉर्म प्राप्त करना होगा और निर्धारित अवधि में स्टाफ सलाहकार के पास जमा करना होगा।

एन.एस.एस. (राष्ट्रीय सेवा योजना)

संयोजक : डॉ. मनीषा अरोड़ा पंडित

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) भारत सरकार, युवा मामले और खेल मंत्रालय की एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है। एन.एस.एस का एकमात्र उद्देश्य युवा छात्राओं को सामुदायिक सेवा प्रदान करने में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। यह छात्राओं को विभिन्न सरकारी नेतृत्व वाली सामुदायिक सेवा गतिविधियों और कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर प्रदान करता है। 'मैं नहीं बल्कि आप', इस आदर्श वाक्य को ध्यान में रखते हुए, कालिंदी महाविद्यालय की एनएसएस इकाई सामाजिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करती है और समाज की भलाई के लिए पूरे सत्र में कई मुद्दों पर आधारित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती है।

एन.एस.ओ. (राष्ट्रीय खेल संगठन)

संयोजक :डॉ. सुधा पांडे

कालिंदी महाविद्यालय का शारीरिक शिक्षा विभाग छात्राओं और कर्मचारियों को स्वास्थ्य और खेल संबंधी सुविधाएं प्रदान करता है। विभाग विभिन्न खेलों जैसे एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, शतरंज, फुटबॉल, हैंडबॉल, जूडो, कबड्डी, खो-खो, भारोत्तोलन तायक्वोंडो, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल और योग के लिए कोचिंग प्रदान करता है। इसके अलावा, हम जिमनास्टिक, शूटिंग, तैराकी और टेनिस जैसे खेलों को भी बढ़ावा देते हैं। महाविद्यालय के छात्र विभिन्न इंटर-महाविद्यालय, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

विभाग महाविद्यालय के छात्राओं , संकायों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए विभिन्न खेलों के अंतर-कक्षा मैच भी आयोजित करता है। स्पोर्ट्स सोसाइटी दिव्यांग वर्ग के लिए शतरंज और कैरम सहित विभिन्न खेलों के लिए आमंत्रण अंतर-महाविद्यालय टूर्नामेंट भी आयोजित करती है। स्वास्थ्य और फिटनेस पर सेमिनार, कार्यशालाएं और वेबिनार भी आयोजित किए जाते हैं।

डब्ल्यू.डी.सी. (महिला विकास प्रकोष्ठ)

संयोजक: डॉ. मनीषा तोमर

सह संयोजक: डॉ. मीनाक्षी वर्मा

कालिंदी महाविद्यालय का महिला विकास प्रकोष्ठ (डब्ल्यू.डी.सी) संस्थान के प्राथमिक लैंगिक मंच के रूप में कार्य करता है, जो रोजमर्रा की जिंदगी में प्रचलित महत्वपूर्ण लैंगिक मुद्दों को संबोधित करने और विश्लेषण करने के लिए समर्पित है। हमारा मिशन लैंगिक गतिशीलता की व्यापक और सूक्ष्म समझ को बढ़ावा देना और शिक्षा और संवाद के माध्यम से स्थापित लैंगिक रूढ़िवादिता को चुनौती देना है।

हमारी गतिविधियों के मूल में छात्राओं और शिक्षकों के बीच बौद्धिक जिज्ञासा और आलोचनात्मक सोच को जगाने के लिए डिज़ाइन किए गए नवीन शैक्षणिक उपकरणों का उपयोग है। इन वार्तालापों को बढ़ावा देकर, हमारा लक्ष्य एक ऐसा वातावरण तैयार करना है जो न केवल लैंगिक समानता का समर्थन करता है बल्कि कैंपस जीवन के सभी पहलुओं में लैंगिक समानता पर भी जोर देता है।

वर्षों से, WDC एक निष्पक्ष और समावेशी शैक्षणिक और सामाजिक वातावरण को बढ़ावा देने वाले प्रणालीगत परिवर्तनों की वकालत करने में सबसे आगे रहा है। हमारे प्रयासों में खुली कार्यशालाओं जैसी कई पहल शामिल हैं, जो लैंगिक मुद्दों पर चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करती हैं और प्रतिभागियों को उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए व्यावहारिक उपकरण और रणनीतियाँ प्रदान करती हैं।

हम सेमिनार भी आयोजित करते हैं जिसमें प्रमुख विद्वान और कार्यकर्ता शामिल होते हैं जो लैंगिक अध्ययन पर अपनी अंतर्दृष्टि और शोध साझा करते हैं, और गहराई से प्रोत्साहित करते हैं

लैंगिक मुद्दों की समझ हमारे अभियान जागरूकता अभियान और वकालत प्रयासों पर केंद्रित हैं जिनका उद्देश्य लैंगिक असमानताओं को उजागर करना और महाविद्यालय समुदाय को सामूहिक कार्रवाई के लिए प्रेरित करना है। इसके अतिरिक्त, हम ऐसे सम्मेलनों की मेजबानी करते हैं जो लिंग समानता और सशक्तिकरण पर विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने के लिए विशेषज्ञों, छात्राओं और चिकित्सकों को एक साथ लाते हैं। हमारे फिल्म महोत्सव में लैंगिक और कामुकता के विभिन्न पहलुओं का पता लगाने वाली फिल्मों की स्क्रीनिंग आयोजित की जाती है, जिसके बाद चर्चा होती है जो फिल्मों के विषयों और संदेशों को उजागर करने में मदद करती है।

डब्ल्यू.डी.सी नस्ल, वर्ग और कामुकता जैसे सामाजिक वर्गीकरणों की जटिल और परस्पर जुड़ी प्रकृति को पहचानते हुए अंतरविरोधी नारीवाद पर भी जोर देता है, जो भेदभाव के अनुभव को बढ़ा सकता है। हमारी पहल सभी महिलाओं के विविध अनुभवों को समावेशी और प्रतिबिंबित करने के लिए

डिज़ाइन की गई है।छात्राओं को भेदभाव को कायम रखने वाली लैंगिक अस्तित्व पर सवाल उठाने और आलोचनात्मक विश्लेषण करने के लिए प्रोत्साहित करके, डब्ल्यूडीसी का लक्ष्य महिलाओं के बीच सौहार्द और एकजुटता का एक सहायक नेटवर्क बनाना है। इन सिद्धांतों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता एक कैंपस संस्कृति बनाने के हमारे चल रहे प्रयासों में स्पष्ट है जो न्यायसंगत, समावेशी और इसके सभी सदस्यों का समर्थन करने वाली है।इन व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोणों के माध्यम से, कालिंदी महाविद्यालय का महिला विकास सेल परिसर के भीतर और बाहर, अधिक न्यायपूर्ण और न्यायसंगत समाज के अपने दृष्टिकोण की दिशा में प्रयास करना जारी रखता है।

ट्रांसजेंडर सेल

संयोजिका : डॉ. सोनिया कम्बोज

सह संयोजक : डॉ. कुमारी शोभा

कालिंदी महाविद्यालय का ट्रांसजेंडर सेल दिल्ली विश्वविद्यालय में अपनी तरह का पहला सेल है जो लैंगिक विविधता और समावेशिता के लिए प्रतिबद्ध है । सेल गंभीर रूप से ट्रांसजेंडर लिंग के लिए बहस, चर्चा और सक्रियता में लगी हुई है। यह लैंगिक न्याय के मुद्दों को समझने के लिए विभिन्न विकास संगठनों के साथ साझेदारी कर रहा है।

समान अवसर प्रकोष्ठ

संयोजक: डॉ. नितिन मल्होत्रा

सह संयोजक: डॉ.पी.पी. सैनी

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग मानदंडों के सार्थक अनुपालन के आलोक में, कालिंदी महाविद्यालय समान अवसर सेल (ई.ओ.सी) नामक सक्षम इकाई के प्रभावी कामकाज के माध्यम से विकलांग छात्राओं को सर्वोत्तम संभव तरीके से लाभान्वित करने के लिए ठोस प्रयास करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध और समर्पित है। कालिंदी महाविद्यालय का ई.ओ.सी यह सुनिश्चित करने के लिए एक मंच

है कि सभी विशेष रूप से सक्षम छात्राओं को समान शैक्षिक अवसर प्रदान किए जाते हैं, विशेष रूप से दृष्टिबाधित, सुनने/बोलने में अक्षम, चलने-फिरने में अक्षमता वाले छात्र आदि। हालांकि कुल मिलाकर 7 अलग-अलग तरह से सक्षम छात्र नामांकित हैं, लेकिन उनके बावजूद कम ताकत वाले, कालिंदी महाविद्यालय का यह सेल विभिन्न क्षमताओं वाले व्यक्तियों (दिव्यांगजनों) के लिए एक सुलभ, अनुकूल और सहायक वातावरण प्रदान करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है।

इकाई के कार्य

महाविद्यालय की संबंधित दिव्यांगता इकाई खुले कोटा के माध्यम से और उनके आरक्षण के माध्यम से विभिन्न पाठ्यक्रमों में यथासंभव अधिक से अधिक दिव्यांग छात्राओं को प्रवेश की सुविधा प्रदान करती है। सेल दिव्यांग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है यानी सेमिनार, वार्ता, दिव्यांगता-उन्मुख दिवस मनाता है; विश्व दिव्यांग दिवस और व्हाइट-केन दिवस, और समय-समय पर अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियाँ छात्राओं के बीच दिव्यांगों की चुनौतियों और उनके लिए संभावनाओं के बारे में ज्ञान का प्रसार करती हैं। यह उन्हें सरकारी शैक्षणिक और वित्तीय योजनाओं, छात्रवृत्ति योजनाओं, नौकरी के अवसरों और महाविद्यालय द्वारा दी जाने वाली अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताता है.

विश्वविद्यालय द्वारा जारी नए दिशानिर्देशों के अनुसार, ऐसे छात्राओं के लिए फीस में पूर्ण छूट लागू की गई है। संक्षेप में, यह समिति विकलांग छात्राओं के समग्र व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करने का प्रयास करती है, जिससे उनका शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक सशक्तिकरण होता है।

सामाजिक उत्तरदायित्व, विस्तृत गतिविधियाँ और सामुदायिक कार्यक्रम

संयोजक: डॉ. रेनू बाला

सह संयोजक: गणेश यादव

सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम के सह-संयोजक: डॉ. मंजू लता

सामाजिक उत्तरदायित्व के सह-संयोजक: डॉ. ओम प्रकाश

सामाजिक उत्तरदायित्व के सह-संयोजक: श्री अवनीश

कालिंदी महाविद्यालय के सामाजिक उत्तरदायित्व सेल का गठन हुआ जो 2015 से सक्रिय है। इस प्रकोष्ठ का निर्माण सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिक बनाने की चुनौती को पूरा करने के लिए किया गया था। सेल विभिन्न पहलों का संचालन करके समाज में उल्लेखनीय प्रभाव पैदा कर रहा है: रक्त और अंग दान अभियान, नो-प्लास्टिक अभियान, युवा संवेदीकरण कार्यशालाएं, कौशल विकास प्रशिक्षण और कई परियोजनाओं के माध्यम से वृद्धाश्रम का दौरा।

प्रकोष्ठ में दो कार्यक्षेत्र शामिल हैं: एक्टस कालिंदी और कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन (सीडीएफ) कालिंदी। वे छात्राओं को अपने जुनून का पता लगाने और आगे बढ़ाने के लिए अभिनव, उत्तरदायी और प्रभावी मंच प्रदान करते हैं। ये गतिविधियाँ सामाजिक और नैतिक रूप से जिम्मेदार नेताओं और नागरिकों को आकार देने में मदद करती हैं।

कालिंदी तीन परियोजनाओं - प्रोजेक्ट रहमत, प्रोजेक्ट वेरन और प्रोजेक्ट राही पर काम कर रही है, जो जीवन को बदलने के लिए उद्यमशीलता कार्यों की शक्ति का उपयोग करती हैं। यह नवीन समाधानों को बढ़ावा देता है और इस प्रकार सतत विकास के लिए स्वच्छता, कृषि, पर्यावरण, असमानता को कम करने और महिला सशक्तिकरण जैसे पहलुओं पर प्रभाव पैदा करता है।

कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन (सीडीएफ), कालिंदी महाविद्यालय चैप्टर, अपने प्रोजेक्ट किलकारी, प्रोजेक्ट उन्नति और प्रोजेक्ट युक्ता के माध्यम से, जो संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से जुड़ा हुआ है, का उद्देश्य उद्यमशीलता उद्यमों और कार्यों के माध्यम से समाज के वंचित वर्ग का उत्थान करना है। , गरीब और आर्थिक रूप से हाशिए पर रहने वाले लोगों के जीवन में आशा की किरण लाना।

सामाजिक उत्तरदायित्व सेल की गतिविधियों में भागीदारी से छात्राओं को समुदाय में सार्थक बदलाव लाने के अवसर मिलते हैं और साथ ही एक सफल करियर बनाने के लिए आवश्यक अनुभव, कौशल और संपर्क भी विकसित होते हैं। अपनी स्थापना के बाद से, सेल विभिन्न सहकारी और सामाजिक कार्यों के माध्यम से अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। अब तक की गई उल्लेखनीय प्रगति हमारे संकाय, संसाधन और पूर्व छात्राओं की वंशावली का प्रमाण है। सामाजिक उत्तरदायित्व सेल के सदस्य के रूप में, छात्र उन हजारों अन्य छात्राओं और व्यापारिक नेताओं के साथ एक विश्वव्यापी नेटवर्क बनाने में सक्षम हैं जिन्होंने एक बेहतर दुनिया बनाने के मिशन को साझा किया है।.

डॉ. भीमराव अंबेडकर अध्ययन केंद्र

संयोजक: प्रो. सुनीता मंगला

सह-संयोजक: डॉ. पल्लवी

डॉ. बी.आर. कालिंदी महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) का अंबेडकर अध्ययन केंद्र वर्ष 2017 में डॉ. बी. आर. अंबेडकर के दर्शन और दृष्टिकोण के बारे में छात्राओं और शिक्षकों के बीच जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। डॉ. अम्बेडकर एक भारतीय न्यायविद्, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक थे। वे घटक मसौदा समिति के अध्यक्ष, स्वतंत्र भारत के पहले कानून और न्याय मंत्री भी थे और उन्हें भारत के संविधान का मुख्य वास्तुकार माना जाता है। अम्बेडकर के सिद्धांतों को आत्मसात करने के लिए, केंद्र ने राष्ट्रीय सेमिनार, छात्राओं के लिए पेपर प्रस्तुतिकरण और नई दिल्ली में डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र का दौरा आयोजित करने की योजना बनाई है। छात्राओं की दृष्टि और ज्ञान को विकसित करने के अपने मिशन के एक हिस्से के रूप में, केंद्र ने विभिन्न कार्यक्रम और कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

गांधी अध्ययन केंद्र

संयोजक: डॉ. हेमन्त रमण रवि

सह संयोजक: डॉ. राम सरिक गुप्ता

आज की दुनिया में महात्मा गांधी का एक उपयुक्त कथन, जिन्होंने ठीक ही कहा था, "सौम्य तरीके से, आप दुनिया को हिला सकते हैं"। इस आदर्श वाक्य के लिए प्रतिबद्ध, कालिंदी महाविद्यालय का गांधी स्टडी सर्कल एक सक्रिय सह-पाठ्यचर्या समाज है जो अपने छात्राओं के बीच गांधीवादी आदर्शों के आधार पर वैकल्पिक विचार और कार्रवाई को प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच के रूप में विकसित हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में, गांधी स्टडी सर्कल (जीएससी) ने महाविद्यालय के लिए काफी ख्याति अर्जित की है। कालिंदी महाविद्यालय का जीएससी अपने सभी छात्राओं के लिए खुला है और छात्राओं और शिक्षकों के लिए एक आकर्षक मंच प्रदान करता है। यह सदस्यों को अद्वितीय मूल्यों और नैतिकता के साथ एक आधुनिक भारत बनाने के लिए गांधी के विचारों के महत्व और प्रासंगिकता और हमारे जीवन और मिशन को आकार देने में उनके योगदान पर विचार-विमर्श करने में मदद करता है।

कालिंदी महाविद्यालय के जीएससी ने बापू की विरासत को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली है। जीएससी गांधीवादी शिक्षाओं के सार के निरंतर प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए पूरे वर्ष कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करने के लिए जाना जाता है। उनके सिद्धांतों और दर्शन को जी.एस.सी. द्वारा आयोजित सेमिनारों, वेबिनार, पेपर प्रस्तुतियों, पोस्टर मेकिंग और विभिन्न अन्य गतिविधियों के माध्यम से जीवित रखा जाता है। यह युवा दिमागों को शैक्षणिक डिग्री हासिल करने के साथ-साथ गांधीवादी मूल्यों को अपनाकर परिवर्तन लाने वाले बनने के लिए प्रेरित और सशक्त बनाता है

रोजगार एवं आजीविका परामर्श प्रकोष्ठ

संयोजक: डॉ. सौरभ कुमार झा

सह संयोजक: डॉ. रेखा मीणा

प्लेसमेंट सेल 'क्रिप्टस' का मुख्य फोकस महाविद्यालय के स्नातक छात्राओं को बहुराष्ट्रीय कंपनियों और गैर सरकारी संगठनों सहित निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठित संगठनों में नौकरी पाने के अवसर प्रदान करना और उन्हें आगे के कैरियर के अवसरों के लिए परामर्श और मार्गदर्शन देना है। अपनी स्थापना के बाद से, इसने टीसीएस, विप्रो, एक्सेंचर, ज़ोमैटो, बजाज कैपिटल, शेयरखान, रिलायंस जियो और कई अन्य प्रतिष्ठित कंपनियों का स्वागत करके अपार सफलता हासिल की है।

इसके अलावा, संभावित नियोक्ताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली स्क्रीनिंग और चयन प्रक्रिया का सामना करने के लिए छात्राओं को कौशल से लैस करने के लिए, प्लेसमेंट सेल विभिन्न सत्र, सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित करता है जो बायोडाटा निर्माण, समूह चर्चा, व्यक्तिगत साक्षात्कार और नौकरी आवेदन और चयन प्रक्रिया से संबंधित अन्य पहलुओं के बारे में ज्ञान प्रदान करता है।

अनुसूचित जाति/जनजाति /अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ

संयोजक: डॉ. दीपक यादव

सह-संयोजक: डॉ. मंजूलता

अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ कालिन्दी महाविद्यालय का अभिन्न अंग है| इसकी स्थापना सितम्बर 2015 में की गई थी | कालिंदी महाविद्यालय अनुसूचित जाति/जनजाति /अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ शुरू करने वाला दिल्ली विश्वविद्यालय का पहला महाविद्यालय है, जिसका उद्घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रोफेसर दिनेश सिंह और साउथ कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. उमेश राय ने किया था।

प्रकोष्ट का उद्देश्य समानता, समावेशिता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। कालिंदी महाविद्यालय में, हम दृढ़ता से सामाजिक न्याय के सिद्धांतों में विश्वास करते हैं और एक ऐसा पोषणकारी वातावरण बनाने का प्रयास करते हैं जहां प्रत्येक छात्र को सफल होने और आगे बढ़ने के समान अवसर हों। अनुसूचित जाति/जनजाति /अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ हमारे अनुसूचित जाति/जनजाति छात्राओं के

कल्याण और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, उन्हें शैक्षणिक, सामाजिक और व्यक्तिगत रूप से उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक सहायता और संसाधन प्रदान करता है।

कालिंदी महाविद्यालय में अनुसूचित जाति/जनजाति /अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ अनुसूचित जाति/जनजाति /अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्राओं को उनकी शैक्षणिक यात्रा के दौरान आने वाली किसी भी बाधा या चुनौती को खत्म करने की दिशा में काम करता है। हम समझते हैं कि हाशिए की पृष्ठभूमि के छात्राओं को अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है, और हमारा सेल हर कदम पर मार्गदर्शन, सहायता और प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए यहां है।

अनुसूचित जाति/जनजाति /अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ में अध्यापकों और विद्यार्थियों की हमारी समाज के प्रति समर्पित टीम है | प्रकोष्ठ में छात्र स्वतंत्र रूप से खुद को व्यक्त कर सकते हैं, अपनी चिंताओं पर चर्चा कर सकते हैं और सहायता प्राप्त कर सकते हैं। हम अनुसूचित जाति/जनजाति /अन्य पिछड़ा वर्ग की छात्राओं के सामने आने वाले मुद्दों और चुनौतियों के बारे में महाविद्यालय समुदाय को संवेदनशील बनाने के लिए विभिन्न कार्यशालाएं, सेमिनार और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित करते हैं। एक समावेशी और सम्मानजनक वातावरण को बढ़ावा देकर, हमारा लक्ष्य हमारे महाविद्यालय के भीतर सद्भाव, समझ और विविधता के प्रति सम्मान को बढ़ावा देना है।

पूर्वोत्तर छात्र प्रकोष्ठ

संयोजक: डॉ. ग्यामर नेमी

सह संयोजक: डॉ. एम. रोजिना देवी

भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में सांस्कृतिक और भाषाई रूप से विविध जातीय समूह शामिल हैं। दूसरों के बीच इसकी स्थानिक और भौगोलिक स्थिति ने इस क्षेत्र को देश के बाकी हिस्सों से अपेक्षाकृत अस्पष्ट और अलग-थलग बना दिया है। प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंच और शैक्षिक अनुभव की तलाश में, दिल्ली आने वाले छात्राओं की संख्या में पिछले कुछ वर्षों में तेजी से वृद्धि हुई है। इन महत्वाकांक्षी छात्राओं का सबसे बड़ा हिस्सा दिल्ली विश्वविद्यालय को मिलता है। प्रासंगिक रूप से,

विश्वविद्यालय और कॉलेजों ने पूर्वोत्तर क्षेत्र से आने वाले छात्राओं की पहुंच और सुचारु परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए कई अनुकूल कदम उठाए हैं।

उद्देश्य:

कालिंदी महाविद्यालय का नॉर्थईस्ट सेल दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे पुराने में से एक है। भारत सरकार के निर्देश अधिसूचित होने से पहले ही इसका गठन 2012 में किया गया था, सरकार द्वारा समर्थित शैक्षणिक संस्थानों में ऐसे सेल रखने के लिए । सेल का उद्देश्य क्षेत्र के छात्राओं के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों का समाधान करना है: प्रवेश प्रक्रिया और उससे संबंधित मामलों से शुरुआत करके पाठ्यक्रम विषयों और पाठ्यक्रम से परिचित होना; सेल नए वातावरण में समायोजन करने में छात्राओं के लिए एक सहायता प्रणाली के रूप में काम करता है; यह पूर्वोत्तर क्षेत्र के छात्राओं और मुख्य भूमि के छात्राओं के बीच अनुकूल बातचीत और समझ के लिए एक पुल के रूप में भी काम करता है। यह सेल पूर्वोत्तर छात्राओं और विश्वविद्यालय के बाहर के छात्राओं के बीच विविधता में एकता को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। कालिंदी महाविद्यालय के परिसर में ही एक बहुप्रतीक्षित छात्रावास सुविधा परियोजना भी प्रगति पर है। नॉर्थईस्टर्न गर्ल्स हॉस्टल नामक छात्रावास आवास की आधारशिला 2014 में तत्कालीन गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष प्रोफेसर दीनबंधु साहू द्वारा रखी गई थी।

प्रकोष्ठ की गतिविधियाँ:

अपनी स्थापना के बाद से, कालिंदी महाविद्यालय के पूर्वोत्तर छात्र प्रकोष्ठ ने विभिन्न जागरूकता और शैक्षिक वार्ता का आयोजन किया है। प्रथम वर्ष के छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में नियमित रूप से आयोजित किया जाता है। वार्षिक अंतर-महाविद्यालय सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा शैक्षिक और सूचनात्मक सेमिनार, कार्यशाला और प्रतियोगिता लगातार आयोजित की जाती हैं। आठ उत्तर-पूर्वी राज्यों (असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड,

त्रिपुरा और सिक्किम) से आने वाले छात्र उपर्युक्त कार्यक्रमों की प्रभावी ढंग से मेजबानी और आयोजन करते हैं।

वर्तमान में, पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों से दूसरे और तीसरे वर्ष में लगभग 50 छात्र विभिन्न विभागों में नामांकित हैं।

प्रकोष्ठ कैसे काम करता है ?

सेल अकादमिक परिषद समितियों के आवंटन के दौरान चुने गए संयोजक की अध्यक्षता में काम करता है। अन्य समिति सदस्यों में एक सह-संयोजक और संकाय के सदस्य शामिल हैं। सुचारू कामकाज के लिए, संकाय सदस्य हर साल नामांकन और साक्षात्कार के माध्यम से विभिन्न बैचों से 10 से 12 छात्राओं को पदाधिकारी (ओबी) के रूप में चुनते हैं। सौहार्दपूर्ण और अनुकूल माहौल सुनिश्चित करने के लिए चयनित प्रतिनिधि प्रभारी संकाय के परामर्श से सेल चलाते हैं। वे सेल के उद्देश्य और दृष्टिकोण को क्रियान्वित और तेज करते हैं। कालिंदी महाविद्यालय का पूर्वोत्तर छात्र प्रकोष्ठ मजबूत सांस्कृतिक संपर्क, समग्र शिक्षा, समानता, छात्राओं के बीच भाईचारे की भावना और महाविद्यालय में बहुलता के भीतर समग्र सद्भाव को बढ़ावा देने की दिशा में काम करता है।

दिल्ली से बाहरी और विदेशी छात्र प्रकोष्ठ

संयोजक - डॉ. विनीता मीणा

सह-संयोजक - डॉ. प्रेरणा सिवाच

बाहरी और विदेशी छात्र प्रकोष्ठ महाविद्यालय द्वारा गठित एक औपचारिक समिति है जो महाविद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने के दौरान बाहरी और विदेशी छात्राओं को परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान करता है। प्रकोष्ठ यह सुनिश्चित करता है कि बाहरी छात्र निडर होकर शिक्षकों के साथ अपनी समस्याओं पर चर्चा करें और संस्थान के नए शैक्षणिक और सामाजिक वातावरण मे बिना किसी व्यवधान के

समायोजित हो सकें। प्रकोष्ठ इस उद्देश्य के लिए भी प्रतिबद्ध रहने का प्रयास करता है कि किराए के आवास में रहने वाली छात्राओं को समय पर मार्गदर्शन करने के साथ ही मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान की जाए। जब वे किसी भी सहयोग के लिए महाविद्यालय प्राधिकरण से संपर्क करने का प्रयास करते हैं। इसके अतिरिक्त प्रकोष्ठ के सदस्य बाहरी छात्राओं की चिंताओं और प्रश्नों को धैर्यपूर्वक सुनने में गहरी दिलचस्पी लेते हैं ताकि विद्यार्थी महाविद्यालय के भीतर अधिक जुड़ाव और सुरक्षित महसूस कर सकें। बाहरी और विदेशी छात्र प्रकोष्ठ का उद्देश्य बाहरी और विदेशी छात्राओं के कल्याण और भलाई को सुनिश्चित करना भी है। ताकि उन्हें शैक्षणिक स्तर के साथ-साथ व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर भी उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान की जा सके। सेल बाहरी छात्राओं और महाविद्यालय प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण पुल के रूप में काम करने का प्रयास करता है। जिससे विभिन्न शहरों और देशों से आने वाले छात्र महाविद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ सहज संवाद स्थापित कर सकें और वे संस्थान से संबंधित प्रासंगिक जानकारियों से वंचित न रहें । हमारा लक्ष्य उन्हें महाविद्यालय में होने वाले शैक्षणिक कार्यक्रमों के बारे में जागरूक करना भी है ताकि वे सभी उपलब्ध अवसरों का उचित लाभ उठा सकें। सेल के सदस्य बाहरी छात्राओं को अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ अपनी शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक क्षमताओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करके उनके समग्र संवर्धन और विकास में भी योगदान देते हैं।

अभिभावक-शिक्षक-विद्यार्थी संवाद मंच

संयोजक- डॉ. अवध नारायण चौबे

सह-संयोजक- डॉ. शालिनी शर्मा

अभिभावक-शिक्षक-छात्र इंटरफेस (अभिभावक, शिक्षक, छात्र मिलन) एक आधिकारिक संगठन है जिसमें माता-पिता, शिक्षक और छात्र शामिल होते हैं जो महाविद्यालय समुदाय में माता-पिता की

भागीदारी को सुविधाजनक बनाता है।अभिभावक, शिक्षक, छात्र मिलन के प्राथमिक उद्देश्य इस प्रकार हैं।

1- सहयोगी संबंधों को बढ़ावा देना- **अभिभावक, शिक्षक, छात्र मिलन** छात्राओं के समर्थन को बढ़ाने के लिए माता-पिता और शिक्षकों के बीच मजबूत साझेदारी विकसित करने का प्रयास करता है।

2- सूचना विनिमय और वकालत- यह माता-पिता और छात्रों की अंतर्दृष्टि प्राप्त करने और राय व्यक्त करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

3 - व्यापक छात्र समझ- अभिभावक, शिक्षक, छात्र मिलन माता-पिता और शैक्षिक दोनों ही दृष्टिकोणों से छात्राओं के व्यापक समझ को बढ़ावा देता है।

4. शैक्षणिक अनुभव को बढ़ाना - संगठन यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि महाविद्यालय छात्राओं के व्यक्तिगत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक उत्कृष्ट शिक्षण वातावरण प्रदान करे।

महाविद्यालय अभिभावक, शिक्षक, छात्र मिलन बैठकों का आयोजन करता है ताकि अभिभावकों को सूचित किया जा सके की सभी छात्राओं के शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास को सुविधाजनक बनाने में शिक्षकों का समर्थन करने के लिए रणनीति विकसित की जा सके। इन बातचीत के माध्यम से शिक्षकों को छात्राओं की सामाजिक पृष्ठभूमि, रुचियों और महाविद्यालय के मामलों पर दृष्टिकोण के बारे में सूचना प्राप्त होती है।जिसमें संकाय और प्रशासनिक मुद्दे भी शामिल हैं। सूचनाओं का यह आदान-प्रदान छात्राओं के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने में मदद करता है और समग्र छात्र जीवन और महाविद्यालय के परिवेश को बेहतर बनाने में योगदान देता है। छात्राओं के बाह्य रुपरेखा से सूक्ष्म दृष्टि प्राप्त करके शिक्षक उनकी शैक्षिक आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूर्ण करने के लिए अपेक्षाकृत अधिक सुसज्जित होते है

तंबाकू निषेध समिति

संयोजक- प्रो. पुष्पा बिंदल

सह-संयोजक- प्रो. मोनिका बस्सी

महाविद्यालय में तंबाकू विरोधी समिति छात्राओं और कर्मचारियों के बीच तंबाकू सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सराहनीय प्रयास कर रही है। समिति लोगों को धूम्रपान और तंबाकू चबाने से रोकने के लिए विभिन्न कार्यक्रम और अभियान चला रही है। इन मामलों में कार्यशालाओं, सेमिनारों और विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य पर तंबाकू के दुष्प्रभावों पर चर्चा करना शामिल है। समिति लोगों को तंबाकू सेवन के खतरों के बारे में जागरूक करने के लिए महाविद्यालय परिसर में बैनर और पोस्टर भी प्रदर्शित करता है। इसके अलावा समिति यह सुनिश्चित करने के लिए महाविद्यालय परिसर की पर्यवेक्षण करने की जिम्मेदारी ली है कि कोई भी व्यक्ति परिसर में धूम्रपान या तंबाकू उत्पादों का उपयोग न करे। कालिंदी महाविद्यालय को इस बात पर गर्व है कि हमारा महाविद्यालय परिसर धूम्रपान मुक्त परिसर है। सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का निषेध तथा व्यापार और वाणिज्य, उत्पादन, आपूर्ति और वितरण का विनियमन) अधिनियम, 2003 के अनुसार महाविद्यालय के लिए यह अनिवार्य है कि महाविद्यालय परिसर के बाहर प्रमुख स्थानों पर बोर्ड लगाया गया है जिसमें कहा गया है कि शैक्षणिक संस्थान के 100 गज के दायरे में सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादों की बिक्री सख्त वर्जित है और यह अधिनियम की धारा 24 के तहत दंडनीय अपराध है। साथ ही महाविद्यालय के लिए यह अनिवार्य है कि वह महाविद्यालय परिसर के अंदर प्रमुख स्थानों पर बोर्ड लगाए जिसमें प्रमुखता से लिखा हो कि कालिंदी महाविद्यालय छात्राओं और कर्मचारियों के लिए "तम्बाकू निषेध क्षेत्र" है और जो भी व्यक्ति "तम्बाकू निषेध क्षेत्र" के उल्लंघन से संबंधित गतिविधियों में लिप्त पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। महाविद्यालय उपरोक्त आदेशों का सख्ती से पालन कर रहा है। वैसे तो कालिंदी महाविद्यालय के छात्र तम्बाकू के सेवन से परहेज करते हैं, लेकिन तम्बाकू विरोधी समिति हमारे छात्राओं को तम्बाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने में कोई कसर नहीं छोड़ती क्योंकि तम्बाकू में मौजूद जहरीले रसायन हमारे शरीर के लगभग हर हिस्से को नुकसान पहुँचाते हैं और इससे कई बीमारियों का

खतरा बढ़ जाता है। तम्बाकू के सेवन से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में छात्राओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं और इन कार्यक्रमों के माध्यम से निकोटीन के उपयोग से नकारात्मक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया जाता है,जो किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य और उसके समग्र कल्याण के हर पहलू को दूषित करता है

आई.बी.एस.डी.(जैव संपदा एवं सतत विकास संस्थान)

संयोजक- डॉ.अरविन्द कुमार

सह-संयोजक - प्रो. अंजू गुप्ता

सह-संयोजक- डॉ. शिव कुमार (रसायन विज्ञान)

पूर्वोतर में महिला उद्यमिता के लिए आईबीएसडी कालिंदी महाविद्यालय सेंटर की स्थापना 25 जनवरी 2017 को की गई थी। उत्तर पूर्व में महिला उद्यमिता के लिए आईबीएसडी कालिंदी सेंटर एक अनूठा केंद्र है, जो अपनी तरह का पहला केंद्र है जो सतत विकास, छोटे से लेकर बड़े पैमाने पर उद्यमिता के लिए जैव-संसाधनों की खोज और उत्तर पूर्वी राज्यों की जैव विविधता को समझने के अवसर प्रदान करता है। केंद्र का उद्देश्य और लक्ष्य जीवविज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी के आधुनिक उपकरणों के अनुप्रयोग के माध्यम से पूर्वोत्तर के जैव संसाधनों का विकास और उपयोग करना है। केंद्र निम्नलिखित पहलों पर ध्यान केंद्रित करेगा जैसे कि उत्तर पूर्वी राज्य की जैव विविधता का पता लगाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए छात्राओं का आदान-प्रदान, उद्यमिता और जैव संसाधनों का मूल्य वर्धित उत्पादन, नृवंशविज्ञान संबंधी अध्ययनों के बारे में जागरूकता और पशु/पौधे दोनों जैव संसाधनों पर शोध।

उद्यमिता,कौशल विकास और नवाचार प्रकोष्ठ

संयोजक: डॉ. शनुजा बेरी

सह संयोजक: डॉ. सौरभ कुमार झा

इस सेल का गठन छात्राओं में उद्यमिता की भावना/जागरूकता विकसित करने, रचनात्मकता कौशल और नवीन सोच को विकसित करने और आगे बढ़ाने के लिए किया गया है। इसका उद्देश्य छात्राओं को पहल करने और जिम्मेदारियों को स्वीकार करने के लिए सशक्त बनाना और प्रेरित करना है ताकि वे चुनौतीपूर्ण दुनिया में रोजगार तलाशने वालों के बजाय सृजनकर्ता बनकर आगे बढ़ सकें। यह छात्राओं को एक साथ आने, चर्चा करने और अपने रचनात्मक विचारों को हवा देने का एक अवसरवादी मंच प्रदान करता है। यह छात्राओं को समूह चर्चा, औद्योगिक विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन और टीम निर्माण के माध्यम से अपने विचारों को व्यावसायिक योजनाओं में अवधारणा बनाने, तर्कसंगत बनाने और चैनलाइज़ करने में मदद करता है।

यह छात्राओं को समूह चर्चा, औद्योगिक विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन और टीम निर्माण के माध्यम से अपने विचारों को व्यावसायिक योजनाओं में अवधारणा बनाने, तर्कसंगत बनाने और चैनलाइज़ करने में मदद करता है।

महाविद्यालय का ईएसडीआई सेल विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है जैसे: सेमिनार, कार्यशालाएं, वार्ता, औद्योगिक दौरे, खाद्य उत्सव और युवा उद्यमियों के साथ बातचीत आदि। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्र समुदाय को उद्यमशीलता गतिविधि के प्रति अधिक उत्साही बनाना है।

वार्षिक शैक्षिक पत्रिका

संपादक-डॉ. शालिनी शिखा (अंग्रेजी अनुभाग) और डॉ. तरुणा (हिंदी अनुभाग)

सह-संपादक- तनु शर्मा (अंग्रेजी अनुभाग) और डॉ. विभा ठाकुर (हिंदी अनुभाग)

कालिंदी महाविद्यालय की वार्षिक शैक्षणिक पत्रिका एक समकक्ष-समीक्षित, बहु-विषयक, त्रिभाषी पत्रिका है। अप्रैल 2024 में इसका 23वाँ अंक जारी किया गया। अच्छे शैक्षणिक अभ्यासों को बढ़ावा देने के चल रहे प्रयास के परिणामस्वरूप विभिन्न विषयों के शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों द्वारा किये

गए योगदान तथा शोध पत्रों का एक और समृद्ध संग्रह तैयार हुआ, जिसमें विविध विषयों को शामिल किया गया। प्रस्तुतियों के कुछ विषय थे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति का दोहन, स्कूलों में रसायन विज्ञान प्रयोगशाला सुरक्षा नियमों और चेतावनी, प्रतीकों का महत्व, भारतीय रुपया अंतर्राष्ट्रीय हो गया, अंग्रेजी साहित्य कक्षा में एक शैक्षणिक उपकरण के रूप में मीडिया का उपयोग। पत्रिका में सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र विशेष रूप से दलित अध्ययन, नारीवादी विमर्श और अंग्रेजी साहित्य से उन विद्वानों के योगदान शामिल हैं, जो दलित साहित्य, द आउटकास्ट और मुर्दहिया में जातिगत भेदभाव का आत्मनिरीक्षण, दलित महिलाओं पर अत्याचार, भारत में उपचार और संस्थागत प्रतिक्रिया, तस्लीमा सरिता नसरीन की पुस्तक "स्प्लिटःए लाइफ" में महिलाओं की मातहत आवाज का प्रतिनिधित्व पितृसत्ता के खिलाफ विद्रोह के रूप में परिलक्षित होते हैं। देवनागरी हिंदी लिपि में तीन विद्वानों का योगदान दिया गया, जिसमें भारत दुर्दशा, कस्बाई साइमन और नीति दशक जैसे साहित्यिक उपन्यासों पर आधारित शोध प्रस्तुत किए गए, जिनमें क्रमशः समाज, महिलाओं और छात्राओं के व्यक्तित्व विकास पर इसकी व्यावहारिक प्रासंगिकता का विश्लेषण किया गया। इसलिए, इस अंक में कई विषयों को शामिल किया गया।

प्रवाह महाविद्यालय पत्रिका

संयोजकः डॉ. रक्षा गीता

सह-संयोजकः सुश्री मोनिका जुत्शी

त्रिभाषी छात्र पत्रिका, प्रवाह महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित होती है जिसका लोकार्पण वार्षिक दिवस पर किया जाता है। प्रवाह छात्राओं के रचनात्मकता और अभिव्यक्ति का एक जीवंत प्रदर्शन है। अंग्रेजी, हिंदी और संस्कृत में प्रस्तुत सामग्री के साथ ही , प्रवाह छात्रों के लिए साहित्यिक और कलात्मक माध्यमों से उनकी रचनात्मकता, भावनाओं को प्रतिबिंबित और चित्रित करने के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करता है। पत्रिका न केवल छात्रों की कल्पना को बल्कि पूरे वर्ष कॉलेज द्वारा

आयोजित कार्यक्रमों और गतिविधियों की तस्वीरों को शामिल करके उनके अनुभवों को भी शामिल करती है।

मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम

संयोजक - डॉ. राजेश कुमार मीना

सह-संयोजक - डॉ. आरती पाठक

मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम विभिन्न संगठनों के साथ संयुक्त उद्यम छात्राओं के साथ-साथ संकाय को उनके चुने हुए अध्ययन के क्षेत्र से संबंधित नवीनतम तकनीकी के साथ तालमेल स्थापित करने में सुविधा प्रदान करता है। उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे पाठ्यक्रम को पूरक बनाएँ ताकि छात्राओं के उद्योग की माँगों को पूरा करने के लिए उत्तम ढंग से तैयार किया जा सके और साथ ही उनकी अपनी रुचियों और योग्यताओं को विकसित किया जा सकें। हमारा महाविद्यालय कई तरह के लघु अवधि और दीर्घ अवधि प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान करता है जिसकी कक्षा सेमेस्टर ब्रेक के दौरान आयोजित किए जाते हैं। ये कोर्स पेशेवरों और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा संचालित किए जाते हैं तथा छात्राओं को उनके आजीविका के लिए प्रतिस्पर्धा के दौर मे जीवनयापन के संदर्भ से जोड़कर रोजगार के लिए बाकी लोगों से अलग खड़ा करने में मदद करता है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के दिशा में कार्य करते हुए, हमारा महाविद्यालय समय-समय पर छात्राओं के कल्याण के लिए प्रशिक्षण, व्याख्यान और विभिन्न अन्य कार्यक्रम आयोजित कराता है। मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम के माध्यम से हमने इस तरह के कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं जहाँ छात्राओं को अच्छी तरह से प्रशिक्षित किया जा रहा है। हमारे छात्र मूल्य संवर्धित कार्यक्रम के माध्यम से विशेषज्ञता से ज्ञान प्राप्त करते हैं, जो उन्हें भविष्य की कठिन चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाती है । हर साल कई छात्र इससे लाभान्वित हुए हैं। मूल्य संवर्धित पाठ्यक्रम छात्राओं को आजीविका से सम्बंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण के साथ-साथ मार्गदर्शन का अवसर प्रदान करता है। और उन्हें नए अवसरों की

खोज करने में सहायता करते है। VAC छात्राओं के बीच जिज्ञासा पैदा करता है और उन्हें नवीनतम रुझानों पर तेजतर्रार पेशेवर बनने और उन्नत तरीके से अपने तकनीकी कौशल को बढ़ाने के लिए तैयार करता है। ये पाठ्यक्रम हमारे छात्राओं को दूसरों पर बढ़त प्रदान करवाता है जिसके निम्नलिखित लाभ हैं -

- योग्यता कौशल, तकनीकी ज्ञान, सोचने और नवाचार करने की क्षमता से संबृद्ध करता है।
- मुख्य क्षेत्र में वर्तमान के रुझानों से परिचित होने के साथ स्नातकों की रोजगार क्षमता को बढ़ाना है
- छात्राओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें आधुनिक शोध उपकरणों के उपयोग को समझने के लिए मौलिक समस्या समाधान कौशल विकसित करने का प्रयास करता है।
- अपने प्रश्न 09vackalindi@gmail.com पर मेल करें

लघु अवधि अतिरिक्त पाठ्यक्रम

संयोजक - डॉ. निधि गांधी बहल

कालिंदी महाविद्यालय शासी निकाय द्वारा अनुमोदित लघु अवधि अतिरिक्त पाठ्यक्रम प्रदान करता है। जिसका उद्देश्य छात्राओं को ऐसे कौशल से युक्त करना है जो उन्हें वर्तमान समय मे अत्यधिक प्रतिस्पर्धी नौकरी बाजार में अतिरिक्त लाभ और बढ़त प्रदान करता है। ऐसे लघु अवधि अतिरिक्त पाठ्यक्रमो और प्रवेश प्रक्रिया का विवरण महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध होगा।

ऐड-ऑन कोर्स का नाम	समन्वयक	अवधि	फीस

विदेशी भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स- फ्रेंच (विभाग के सहयोग से)जर्मन और रोमन अध्ययन, दिल्ली विश्वविद्यालय)	सुश्री श्वेता राज	एक वर्ष	रु. 8000/
फैशन, विज्ञापन और ई-कॉमर्स के लिए फोटोग्राफी	डॉ. मनीषा डॉ. अहाना चोपड़ा	3 महीने (कुल 22 घंटे)	कालिंदी कॉलेज के छात्रों (नियमित) के लिए रु. 8000/ दूसरों के लिए रु. 20,000/
ग्राफिक डिजाइनिंग, एनीमेशन और वीडियो संपादन	डॉ. भारती	6 महीने (कुल 40 घंटे)	कालिंदी कॉलेज के छात्रों (नियमित) के लिए रु. 10,000/ दूसरों के लिए रु. 20,000/
चीनी विदेशी भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स	श्रीमती चारु	एक वर्ष	रु. 8000/
यात्रा और पर्यटन में सर्टिफिकेट कोर्स	प्रो.सीमा सहदेव	चार महीने	रु. 8000/

नोट: कृपया पाठ्यक्रम और फीस के सम्बंधित जानकारी के लिए महाविद्यालय की वेबसाइट देखें।

पुस्तकालय

पुस्तकालय अध्यक्ष - सुश्री कर्णिका गौर

महाविद्यालय के पास एक संबृद्ध एवं सुसज्जित पुस्तकालय है। जहाँ विभिन्न विषयों पर 89,338 से अधिक पुस्तकों का संग्रह है, जिन्हें छात्र अपने अध्ययन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए उपयोग में ले सकते हैं। हमारे पास पुस्तकों की विस्तृत श्रृंखला के साथ ही पुस्तकालय संग्रह को तीन खंडों में विभाजित किया गया है। जिसमें सामान्य,पाठ्यपुस्तक और संदर्भ। हमारे छात्र बड़ी संख्या में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं का भी संदर्भ ले सकते हैं। वर्तमान में पुस्तकालय अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में 83 पत्र/पत्रिकाएँ और 13 समाचार पत्रों की सदस्यता लेता है। पुस्तकालय में खुली रैक प्रणाली, विशाल वाचनालय और संदर्भ अनुभाग के साथ अध्ययन के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। सक्षम और मैत्रीपूर्ण पुस्तकालय कर्मचारी छात्राओं को पुस्तकों और पुस्तकालय सुविधाओं के बारे में मार्गदर्शन और परामर्श देता है। छात्राओं को पुस्तकालय के नियमित और जिम्मेदारी से उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। पुस्तकालय में फोटोस्टेट की सुविधा भी उपलब्ध है जो शिक्षकों और छात्राओं दोनों के लिए समान रूप से सुलभ है। पुस्तकालय की पहली मंजिल पर छात्राओं और संकाय सदस्यों के लिए एन-सूची और डेलनेट (डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क), डीयू ई-लाइब्रेरी के माध्यम से उपलब्ध ई-संसाधनों तक पहुँच प्रदान करने के लिए वेब सेंटर है। छात्र रिमोट लॉगिन एक्सेस के माध्यम से भी एन-सूची , डीयू ई लाइब्रेरी और डेलनेट तक पहुँच सकते हैं। उपयोगकर्ता को आईडी और पासवर्ड पुस्तकालय द्वारा दिया जाता है।

हरित पहल के अंतर्गत पुस्तकालय बेकार कागज के बदले में पुनर्नवीनीकरण सामग्री खरीदता है और डीयू ब्रेल पुस्तकालय के माध्यम से दिव्यांग छात्राओं को ई-पुस्तक और ई -पत्रिकाओं की सुविधा प्रदान करता है इसके साथ ही पुस्तकालय में स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर यानी एनवीडीए उपलब्ध है।

पुस्तकालय सदस्यता-

पुस्तकालय का सदस्य बनने के लिए, छात्राओं को पुस्तकालय में उपलब्ध सदस्यता फॉर्म भरना होगा और तीन नवीनतम फोटो (02 पासपोर्ट आकार और 01 स्टेम्प आकार) संलग्न करना होगा।

फॉर्म भरने के बाद, वे पुस्तकालय द्वारा दी गई तारीख पर अपना पुस्तकालय सदस्यता कार्ड प्राप्त कर सकते हैं।

साइबर सेंटर

संयोजक- डॉ. वंदना गुप्ता

सह-संयोजक - डॉ. विकास यादव, डॉ. कौशलेंद्र कुमार

कालिंदी महाविद्यालय का साइबर केंद्र बेहतरीन सुविधाओं से युक्त है। यहाँ छात्राओं,शिक्षकों और कर्मचारियों को विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों के लिए कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा प्रदान की जाती है । यह शिक्षकों और छात्राओं के शोध कार्य को सुविधाजनक बनाने में भी मदद करता है। दिल्ली विश्वविद्यालय ने 63 उच्च गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस को कैंपस नेटवर्क के माध्यम से शिक्षकों और छात्राओं को उच्च गुणवत्ता युक्त इंटरनेट उपलब्ध करता है। इसके अलावा डिजिटल लाइब्रेरी कंसोर्टियम के माध्यम से 21 और डेटाबेस भी सुलभ हैं। इस कैंपस वाइड नेटवर्क के माध्यम से ओपन एक्सेस ई-संसाधन भी उपलब्ध हैं।

छात्र साइबर सेंटर- साइबर सेंटर जिसका उद्घाटन 2012 में दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो. दिनेश सिंह ने किया था, 250 एमबीपीएस की गति के साथ ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय नेटवर्क से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। इसमें 2 सर्वर और 90 कंप्यूटर हैं। इसमें एक यूजीसी संसाधन नेटवर्क केंद्र है जिसमें 8 कंप्यूटर हैं।

शिक्षक साइबर सेंटर- शैक्षणिक और शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए, महाविद्यालय ने छात्राओं के साइबर सेंटर से सटे शिक्षकों के लिए एक विशेष साइबर सेंटर स्थापित किया है, जिसमें 35 कंप्यूटर हैं, जो सभी इंटरनेट के माध्यम से जुड़े हुए हैं।

आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ

संयोजक- प्रो. सीमा सहदेव

सह-संयोजक -डॉ. जितेंद्र ऋषिदेव

आपदा प्रबंधन अधिनियम (डीएम अधिनियम), 2005 धारा (30) (1) के तहत महाविद्यालय के लिए आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण और निकासी योजना शुरू करना अनिवार्य है। कालिंदी महाविद्यालय में आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ की शुरुआत शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में की गई थी। यह प्रकोष्ठ महाविद्यालय के छात्राओं को किसी भी समय होने वाली आपदा की स्थिति में आपदा की तैयारी के बारे में जागरूक करने या परिचित कराने का काम करता है। आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ विभिन्न प्रकार की आपदाओं और उनके लिए संभावित प्रतिक्रियाओं के बारे में जागरूकता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है। आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ का मूल उद्देश्य छात्राओं को संवेदनशील क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर शिक्षा के साथ प्रशिक्षण प्रदान करना और उन्हें किसी भी आपदा की स्थिति में प्रतिक्रिया करने के लिए प्रशिक्षित करना है।

जागृत चक्रस्य (जागृत चक्र)- सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी महाविद्यालय के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित "जागृत चक्रस्य (जागृत चक्र)" सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम गुरुवार, 15 फरवरी 2024 को हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सड़क सुरक्षा मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और महाविद्यालय समुदाय के बीच जिम्मेदारी के साथ ड्राइविंग नियमों को बढ़ावा देना था।

जागृत चक्रस्य ने सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए महाविद्यालय की प्रतिबद्धता का प्रमाण प्रस्तुत किया। लघु फिल्म "रोड टू रिडेम्पशन" की स्क्रीनिंग ने लापरवाह ड्राइविंग के दुष्परिणामों को उजागर करने और यातायात नियमों का पालन करने के महत्व को रेखांकित करने के लिए एक शक्तिशाली साधन के रूप में कार्य किया।

आपदा जोखिम प्रबंधन में भू-स्थानिक सूचना और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर कार्यशाला

दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी महाविद्यालय के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ ने आपदा प्रतिरोधी एवं अनुसंधान फाउंडेशन (डीआरआरएफ) के सहयोग से 17 फरवरी 2024 को "आपदा जोखिम प्रबंधन में भू-स्थानिक सूचना और प्रौद्योगिकी का उपयोग " शीर्षक से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य आपदाओं के प्रभाव को कम करने और लचीले समुदायों के निर्माण में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी की क्षमता के बारे में जागरूकता बढ़ाना था।कार्यशाला ने आपदा की तैयारी तथा प्रतिक्रिया प्रयासों में सुधार के लिए बहुमूल्य जानकारी और सिफारिशें प्रदान की। इसने लचीले समुदायों के निर्माण और आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के महत्व पर जोर दिया।

संरक्षा (वार्षिक उत्सव)

दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी महाविद्यालय के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ ने दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (DDMA) के सहयोग से तथा शंकर आई ए एस (IAS) द्वारा प्रायोजित, 27 अप्रैल, 2024 को सुरक्षा-स्वराजलि विषय पर वार्षिक उत्सव 'संरक्षा' का आयोजन किया।

डीडीएमए (DDMA) के श्री निशांत ने मूल अवधारणाओं-आपदा जोखिम प्रबंधन तथा आपदा प्रबंधन में युवाओं की भूमिका पर अपना भाषण प्रस्तुत किया। जहाँ उन्होंने मूल शब्दावली पर ध्यान केंद्रित किया, वहीं उन्होंने भारत के जोखिम भरे रुपरेखा पर भी प्रकाश डाला, क्योंकि भारत 7वाँ सबसे बड़ा देश है। यहाँ की जनसंख्या बहुत अधिक है तथा आपदा प्रबंधन से संबंधित मूल अवधारणाओं के बारे में जानना भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे हमें युवा होने के नाते सहायता करने में मदद मिलेगी जो हम कर सकते हैं तथा युवा संगठन की भूमिका डीडीएमए के श्री सरबजीत ने आपदा प्रबंधन और विभिन्न प्रकार की आपदाओं का एक छोटा सा परिचय दिया और फिर उन्होंने दर्शकों में से छात्राओं को स्वयंसेवक के रूप में लेकर यह दिखाने के लिए प्रायोगिक एवं अभ्यास सम्बंधित प्रक्रिया शुरू किया कि कैसे आपदाओं के समय हमें क्या-क्या कदम उठाने चाहिए और हम दूसरों की जान कैसे बचा सकते हैं।उप-चिकित्सा अधीक्षक और आपातकालीन चिकित्सा विभाग की

प्रमुख डॉ. रितु सेक्सेना द्वारा रोगियों को प्राथमिक उपचार, स्थिरीकरण और उचित चिकित्सा सुविधाओं तक पहुँचाने के महत्व पर प्रकाश डालने वाला एक बहुत ही संवेदनशील संवादात्मक और रोचक सत्र प्रस्तुत किया गया। उन्होंने इस बात परविशेष बल दिया कि प्रभावित लोगों के लिए सर्वोत्तम संभव परिणाम सुनिश्चित करना आपदा प्रतिक्रिया का एक महत्वपूर्ण स्वरुप है।

सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम

दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी महाविद्यालय में आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ ने दिल्ली के विभिन्न झुग्गी-झोपड़ियों के निवासियों के बीच आपदा और आग के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक "सामुदायिक आउटरीच"कार्यक्रम शुरू किया है। यह कार्यक्रम 3 फरवरी 2024 को शुरू किया गया था और अब इसे हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को आयोजित किया जाता है। इसमें संवादात्मक सत्र के साथ अग्नि सुरक्षा उपायों, निकासी योजनाओं और भूकंप की तैयारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों को सम्मलित करने वाले सूचनात्मक पुस्तिका का वितरण शामिल है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिल्ली के निवासियों को अग्नि सुरक्षा और आपदा प्रतिक्रिया संबंधित रणनीतियों पर महत्वपूर्ण ज्ञान प्रदान करना है और बदले में एक अधिक सुरक्षित, एकजुट और लचीला समुदाय बनाने में योगदान देना है।

संकाय विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम, आपदा जोखिम प्रबंधन

संकाय विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आपदा जोखिम प्रबंधन पर आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, कालिंदी महाविद्यालय , दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 20-24 मई, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी महाविद्यालय में आयोजित किया गया था।

इस संकाय विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफडीपी) ने विभिन्न संस्थानों/विश्वविद्यालयों/स्कूलों के संकायों को एक साथ काम करने और विभिन्न शैक्षिक केंद्रों/संस्थानों/स्कूलों के बीच सहयोग और

समन्वय के लाभों पर चर्चा करने और आपदा प्रबंधन योजनाओं के विकास के माध्यम से स्थानीय स्तर पर आपदाओं के प्रभावी प्रबंधन के लिए शिक्षण संकायों/पेशेवरों और शिक्षाविदों की क्षमता, ज्ञान और कौशल के विकास में योगदान करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

यू.जी.सी.एफ./एन.ई .पी. 2020 - चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

संयोजिका: डॉ.पूनम सचदेवा

यू.जी.सी.एफ.-2024

शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 में प्रवेश लेने वाले छात्राओं द्वारा अपनाई जाने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आधारित स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा - 2024 के अनुसार है, कृपया दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखें।

https://centenary.du.ac.in/?Documents-Documentaries/UGCF-2022-NEP-2020

कुछ मुख्य अंश

यूजीसीएफ विभिन्न विषयों में कई निकास विकल्पों के साथ चार साल के स्नातक कार्यक्रमों की एक संरचना है।

- सेमेस्टर II के सफल समापन के बाद अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में स्नातक प्रमाणपत्र। इसके लिए 44 क्रेडिट पढ़ना अनिवार्य है।
- सेमेस्टर IV के सफल समापन के बाद अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में स्नातक डिप्लोमा। इसके लिए 88 क्रेडिट पढ़ना अनिवार्य है।
- बैचलर ऑफ (अध्ययन का क्षेत्र) (ऑनर्स) अनुशासन (अध्ययन के एकल मुख्य अनुशासन पाठ्यक्रम के लिए) सेमेस्टर VI के सफल समापन के बाद 132 क्रेडिट पढ़ना अनिवार्य है ।
- बैचलर ऑफ (अध्ययन के बहु-विषयक पाठ्यक्रमों का क्षेत्र) (अध्ययन के विषयों के कई प्रमुख पाठ्यक्रमों को पूरा करने के लिए)। सेमेस्टर VI के सफल समापन के बाद 132 क्रेडिट पढ़ना अनिवार्य है ।

- बैचलर ऑफ (अध्ययन क्षेत्र/अनुशासन) (अनुसंधान/परियोजनाओं/उद्यमिता के अकादमिक समापन के साथ ऑनर्स) अनुशासन (अध्ययन के एकल मुख्य अनुशासन पाठ्यक्रम के लिए) सेमेस्टर VIII के सफल समापन के बाद 176 क्रेडिट पढ़ना अनिवार्य है ।
- बैचलर ऑफ (अध्ययन के बहुविषयक पाठ्यक्रमों का क्षेत्र) (ऑनर्स)। सेमेस्टर VIII के सफल समापन के बाद 176 क्रेडिट पढ़ना अनिवार्य है ।

एन.ई.पी दिशानिर्देशों के अनुसार, छात्र कोर और वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के अलावा क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम, कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम और मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम का अध्ययन करेंगे। इन पाठ्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है।

योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी)

नोडल अधिकारी: डॉ. निशा गोयल

सह-संयोजिका: डॉ. अंजू रतन

एन.ई.पी में, शैक्षणिक वर्ष 2024-25 , दो पाठ्यक्रम पर्यावरण विज्ञान (ईवीएस) और क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी) हैं, जिनका अध्ययन प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्राओं के लिए अनिवार्य है।

पर्यावरण विज्ञान (ईवीएस) सिद्धांत से व्यावहारिक (पाठ्यक्रम 1) और एईसी सूची से किसी भी चुनी गई भारतीय भाषा (पाठ्यक्रम 1) का अध्ययन सेमेस्टर 1 और सेमेस्टर 2 में फ्लिप मोड में किया जाएगा। इसी तरह, पर्यावरण विज्ञान (ईवीएस) सिद्धांत से व्यावहारिक (पाठ्यक्रम 2) का अध्ययन फ्लिप मोड में किया जाएगा।) और प्रथम वर्ष में चुनी गई उसी भाषा के पाठ्यक्रम 2 का अध्ययन सेमेस्टर 3 और सेमेस्टर 4 में फ्लिप मोड में किया जाएगा।

प्रथम वर्ष में यूजीसीएफ 2024 के तहत पेश किए जाने वाले योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी) के सूची में निम्नलिखित भाषाएं हैं:-

असमिया, बंगाली, बोडो, डोगरी, गुजराती, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, मैथिली, नेपाली, उड़िया, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगु, पंजाबी, हिंदी और संस्कृत।

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (ए.ई.सी)

नोडल अधिकारी: डॉ. मंजू शर्मा

सह संयोजिका: डॉ. कंचन बत्रा

सदस्य: डॉ. पंकज, डॉ. मंजू लता, डॉ. वंदना रानी, डॉ. गरिमा प्रकाश

एसईसी सभी विषयों में कौशल आधारित पाठ्यक्रम हैं और इसका उद्देश्य छात्राओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण, योग्यता, दक्षता और कौशल प्रदान करना है। एसईसी पाठ्यक्रम महाविद्यालय के सभी विभागों द्वारा विषम और सम सेमेस्टर के समूहों में पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की एक सूची है। एक छात्र जो एक अकादमिक परियोजना का चयन करना चाहता है, उसे जीई, एसईसी, वीएसी पाठ्यक्रमों का उचित संयोजन चुनना होगा; और इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/समुदाय (आईएपीसी) जो अध्ययन की योजना में निर्दिष्ट विभिन्न मॉड्यूल के रूप में पेश किया जाएगा।

एसईसी पाठ्यक्रमों के लिए लिंक

https://www.du.ac.in/uploads/new-web/21092022_SEC.pdf

मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वी.ए.सी)

नोडल अधिकारी: डॉ. शिल्पिका बाली मेहता

सदस्य: डॉ. उत्पल कुमार, डॉ. ईशा वर्मा और डॉ. मीनाक्षी वर्मा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के घोषित उद्देश्यों के अनुसार, मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (VAC) छात्राओं को समग्र शिक्षा प्रदान करने के जनादेश को पूरा करना चाहते हैं। मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य करुणा, सहानुभूति, साहस, लचीलापन, वैज्ञानिक स्वभाव, रचनात्मक कल्पना, तर्कसंगत विचार, कार्य,

सेवा और जिम्मेदारी के मूल्यों को प्रदान करके एक व्यापक शिक्षा प्रदान करना है। वी.ए.सी पेपर के लिए कुछ विवरण इस प्रकार हैं:

- वी.ए.सी पेपर का अध्ययन अनिवार्य है: सेमेस्टर 1, 2, 3 और 4
- चार सेमेस्टर (1-4) में से प्रत्येक में वी.ए.सी पेपर अलग होना चाहिए
- वी.ए.सी पेपर अनुशासन विशिष्ट नहीं हैं; सभी पेपरों की पात्रता किसी भी स्ट्रीम में 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण होना है
- प्रत्येक वी.ए.सी पेपर का क्रेडिट स्कोर: 2 क्रेडिट (1 थ्योरी +1 प्रैक्टिकल या 2 प्रैक्टिकल)
- प्रति सप्ताह कक्षाएँ: 3 या 4 (क्रेडिट के अनुसार)
- प्रत्येक सेमेस्टर के शुरू होने से पहले, छात्र मेल द्वारा साझा किए गए Google फॉर्म के माध्यम से अपनी पसंद का वीएसी पेपर चुनते हैं।

2024-25 में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित वी.ए.सी पेपरों की सूची निम्नलिखित लिंक का उपयोग करके देखी जा सकती है:

https://www.du.ac.in/uploads/new-web/26102022_VAC.pdf

विश्वविद्यालय द्वारा सूचित किए जाने पर सूची को अद्यतन किया जाएगा और छात्राओं के साथ साझा किया जाएगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रमों की सूची

क्रमांक	अवधि
1	बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र
2	बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी
3	बीए (ऑनर्स) भूगोल
4	बीए (ऑनर्स) हिंदी
5	बीए (ऑनर्स) इतिहास
6	बीए (ऑनर्स) पत्रकारिता

7	बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान
8	बीए (ऑनर्स) संस्कृत
9	बी.कॉम.
10	बी.कॉम. (ऑनर्स)
11	बी.एस.सी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान
12	बी.एस.सी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान
13	बी.एस.सी (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस
14	बी.एस.सी (ऑनर्स) गणित
15	बी.एस.सी (ऑनर्स) भौतिकी
16	बी.एस.सी (ऑनर्स) जूलॉजी
17	बी.एस.सी. (जीवन विज्ञान)
18	बी.एस.सी कंप्यूटर के साथ भौतिक विज्ञान
19	बी.ए. प्रोग्राम (बौद्ध अध्ययन + इतिहास)
20	बी.ए. प्रोग्राम (बौद्ध अध्ययन + संगीत)
21	बी.ए. प्रोग्राम (बौद्ध अध्ययन + राजनीति विज्ञान)
22	बी.ए. प्रोग्राम (कंप्यूटर साइंस + अर्थशास्त्र)
23	बी.ए. प्रोग्राम (कंप्यूटर साइंस + उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी))
24	बी.ए. प्रोग्राम (कंप्यूटर साइंस + भूगोल)
25	बी.ए. प्रोग्राम (कंप्यूटर साइंस + गणित)
26	बी.ए. प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी))
27	बी.ए. प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + भूगोल)
28	बी.ए. प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + इतिहास)
29	बी.ए. प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + गणित)
30	बी.ए. प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + राजनीति विज्ञान)
31	बी.ए. प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + भूगोल)
32	बी.ए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + इतिहास)
33	बी.ए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + गणित)

34	बी.ए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + राजनीति विज्ञान)
35	बी.ए प्रोग्राम (भूगोल + इतिहास)
36	बी.ए प्रोग्राम (भूगोल + गणित)
37	बी.ए प्रोग्राम (भूगोल + राजनीति विज्ञान)
38	बी.ए कार्यक्रम (इतिहास + संगीत)
39	बी.ए प्रोग्राम (इतिहास + राजनीति विज्ञान)
40	बी.ए प्रोग्राम (संगीत + राजनीति विज्ञान)
41	बी.ए प्रोग्राम (संस्कृत + बौद्ध अध्ययन)
42	बी.ए प्रोग्राम (संस्कृत + इतिहास)
43	बी.ए प्रोग्राम (संस्कृत + संगीत)
44	बी.ए प्रोग्राम (संस्कृत + राजनीति विज्ञान)

विभाग

भूगोल विभाग

1.विभाग का परिचय:

भूगोल विभाग की स्थापना 1995 में बीए (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम के तहत की गई थी। भौगोलिक अध्ययन के बारे में समझ के क्षितिज को व्यापक बनाने के लिए, महाविद्यालय ने बी.ए. शुरू किया। सीबीसीएस मोड के तहत 2017 में भूगोल में (ऑनर्स) पाठ्यक्रम। भूगोल विभाग सदैव उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्ध रहा है। सैद्धांतिक ढांचे के साथ, विभाग ने कार्टोग्राफी, रिमोट सेंसिंग, जीआईएस और जीपीएस के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुप्रयोगों के माध्यम से छात्राओं को सीखने और अपने कौशल को बढ़ाने के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित कार्टोग्राफी प्रयोगशाला और जीआईएस लैब की स्थापना की है। भूगोल विभाग ने महाविद्यालय के 3-डी और 2-डी मानचित्र तैयार किए हैं जो छात्राओं और यात्रियों को महाविद्यालय परिसर के भीतर शिक्षण और गैर-शिक्षण स्थानों का स्थान प्राप्त करने में मदद करते हैं।

विभाग वार्षिक जियो फेस्ट- रिसर्जेंस आयोजित करता है जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के छात्र और विशेषज्ञ अकादमिक बातचीत को बढ़ाने के लिए अकादमिक विचार-विमर्श में भाग लेते हैं। सोसायटी की अपनी ई-पत्रिका "जियोसोफी" है जिसका संपादन और रखरखाव इसके कार्यकारी सदस्यों द्वारा किया जाता है।

भूगोल विभाग यात्रा और पर्यटन उद्योग में शामिल होने वाले छात्राओं को प्रशिक्षित करने, प्रशिक्षित करने और आवश्यक कौशल विकसित करने के उद्देश्य से यात्रा और पर्यटन पर एक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम चलाता है, और उन्हें वैकल्पिक कैरियर के अवसर प्रदान करने में मूल्यवान है।

भूगोल विभाग हमारे महाविद्यालय परिसर में स्थापित पेपर रीसायकल यूनिट के कामकाज की देखभाल कर रहा है। दरअसल, यह इकाई विभिन्न विभागों से जमा हुए बेकार कागज को कच्चे माल

के रूप में उपयोग करती है और पुनर्चक्रित कागज तैयार करती है जिसका उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।

छात्राओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, भूगोल विभाग के पास व्यावहारिक कक्षाएं संचालित करने के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशाला है, जिसका प्रबंधन अनुभवी और सक्षम कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। प्रयोगशाला के अलावा विभाग के पास विभागीय पुस्तकालय में पुस्तकों का अच्छा संग्रह है।

I. कार्टोग्राफी लैब: इसमें एक ट्रेसिंग टेबल, एलसीडी प्रोजेक्टर, मानचित्र, मॉडल और चार्ट हैं।

II. जीआईएस लैब: कंप्यूटर, जीपीएस, स्टीरियोस्कोप, रोटामीटर और प्लैनीमीटर और एलसीडी प्रोजेक्टर से सुसज्जित। प्रयोगशाला उपग्रह इमेजरी, हवाई तस्वीरों के साथ-साथ विभिन्न व्यावहारिक से संबंधित विभिन्न सिमुलेशन कार्यक्रमों से अच्छी तरह से सक्षम है।

III. विभागीय पुस्तकालय: विभाग के पास अपना स्वयं का पुस्तकालय है जिसमें भूगोल, व्यावहारिक नोट्स और परियोजनाओं पर पुस्तकों का अच्छा संग्रह है। पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकें भी छात्राओं को जारी की जाती हैं।

IV. स्टोर रूम: विभाग के पास एक अलग स्टोर रूम भी है जो मानचित्रों, चार्टों के साथ-साथ उपकरणों और उपकरणों के भंडारण के लिए जारी किया जाता है।

2.विषय का दायरा

पाठ्यक्रम का दायरा भू-आकृति विज्ञान, कार्टोग्राफिक तकनीक, मानव भूगोल, विषयगत कार्टोग्राफी, जलवायु विज्ञान, भूगोल में सांख्यिकीय तरीके, भारत का भूगोल, आर्थिक भूगोल, पर्यावरण भूगोल, क्षेत्र कार्य और अनुसंधान पद्धति, क्षेत्रीय योजना और विकास, रिमोट जैसे क्षेत्रों को कवर करता है। सेंसिंग और जीआईएस, भौगोलिक विचार का विकास और आपदा प्रबंधन आधारित परियोजना कार्य। इस पाठ्यक्रम की कैरियर संभावनाएं भारतीय सर्वेक्षण, अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, शहरी और ग्रामीण विकास विभाग, महानगर विकास निगम और सामाजिक और पर्यावरण अनुसंधान संगठनों में निहित हैं। यह

पाठ्यक्रम इस विषय में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक छात्राओं के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है। भूगोल, भूविज्ञान, मेट्रोलॉजी और शहरी और क्षेत्रीय योजना।

भूगोल में स्नातक कार्यक्रमों के पूरा होने के बाद, छात्र इसमें सक्षम होंगे:

- विभिन्न स्थानिक और लौकिक पैमानों पर बदलती अंतःक्रियाओं की जांच करके एक एकीकृत मानव-पर्यावरण प्रणाली के रूप में पृथ्वी का विश्लेषण करें।
- भौतिक एवं मानव भूगोल की विभिन्न शाखाओं की विषय वस्तु को समझें।
- भौगोलिक डेटा का विश्लेषण करें और मानव-पर्यावरण संबंधों के संदर्भ में इसके महत्व की व्याख्या करें।
- मौखिक, लिखित और दृश्य रूपों का उपयोग करके भौगोलिक अवधारणाओं और डेटा को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करें।
- मानव-पर्यावरण समस्याओं के नवीन समाधानों को आगे बढ़ाने में प्रभावी ढंग से योगदान करें।
- एक या अधिक भौगोलिक उप-विषयों से उपयुक्त अवधारणाओं, विधियों और उपकरणों का उपयोग करके जटिल वास्तविक दुनिया की चुनौतियों की जांच करें।
- भौगोलिक ज्ञान की सामाजिक प्रासंगिकता की व्याख्या करें और इसे वास्तविक विश्व मानव-पर्यावरण के मुद्दों पर लागू करें।

3. संकाय सदस्यों का विवरण

क्र.सं.	**नाम**	**पद का नाम**	**योग्यता**	**विशेषज्ञता का क्षेत्र**	**शिक्षण/ अनुसंधान अनुभव**	**नियुक्ति की प्रकृति**
1	प्रो. सीमा सहदेव	प्रोफ़ेसर	पीएच.डी. (जेएमआई)	राजनीतिक भूगोल/चुनावी भूगोल/पर्यावरण भूगोल	28 साल	स्थायी

2	डॉ.ऊषा कुमारी पाठक विभाग प्रभारी	सहायक आचार्य	पीएच.डी. (रांची विश्वविद्यालय)	भू-आकृति विज्ञान, शहरी आकृति विज्ञान और क्षेत्रीय योजना	11 वर्ष	स्थायी
3	डॉ. गीता कुमारी	सहायक आचार्य	पीएचडी (जेएमआई)	जलवायु परिवर्तन, आजीविका, कृषि, प्राकृतिक संसाधन और ग्रामीण विकास	7 साल	स्थायी
4	डॉ. प्रदीप कुमार उपाध्याय	सहायक आचार्य	पीएच.डी. (इलाहाबाद विश्वविद्यालय)	मानव भूगोल, सामाजिक-सांस्कृतिक भूगोल, जनसंख्या भूगोल, पर्यावरण भूगोल	5 साल	स्थायी
5	डॉ. जीतेन्द्र ऋषिदेव	सहायक आचार्य	पीएच.डी. (आप)	भू-आकृति विज्ञान	5.5 वर्ष	स्थायी
6	डॉ.अखिलेश मिश्र	सहायक आचार्य	पीएचडी (डीयू)	भू-आकृति विज्ञान, जल विज्ञान, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस।	5 वर्ष	स्थायी
7	डॉ.शालिनी शिखा	सहायक आचार्य	पीएच.डी. (जेएनयू)	राजनीतिक भूगोल	5 साल	स्थायी
8	डॉ.निधि गाँधी बहल	सहायक आचार्य	पीएचडी (डीयू)	पर्यावरणीय मुद्दे और जैव विविधता संरक्षण, जनसंख्या भूगोल, शहरी भूगोल	पन्द्रह साल	स्थायी
9	डॉ.गणेश यादव	सहायक आचार्य	पीएचडी (डीयू)	सांख्यिकी, स्वास्थ्य का भूगोल, भू-आकृति विज्ञान	चार वर्ष	स्थायी
10	डॉ. प्रेरणा सिवाच	सहायक आचार्य	पीएचडी (डीयू)	भौगोलिक विचार, अनुसंधान पद्धति, लिंग भूगोल, सामाजिक भूगोल	5 साल	स्थायी

11	डॉ. अवध नारायण चौबे	सहायक आचार्य	पीएच.डी. (जेएमआई)	शहरी भूगोल, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस, क्षेत्रीय विकास	7 साल	स्थायी

प्रयोगशाला कर्मचारी का विवरण :

नाम	**पदनाम**
1. श्री सोनू कुमार	प्रयोगशाला परिचारक
2. श्री राकेश यादव	प्रयोगशाला परिचारक

4. निर्देश का माध्यम: अंग्रेजी और हिंदी

5. पाठ्यक्रम विवरण:

i) ऑनर्स कोर्स के लिए

बी. ए. ऑनर्स भूगोल एन.ई.पी			
सेमेस्टर प्रथम	डीएससी (अनुशासन विशिष्ट कोर) क्रेडिट - 4	डीएसई (अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक) क्रेडिट – 4	जीई (जेनेरिक इलेक्टिव) क्रेडिट - 4
	भौतिक भूगोल		भारत का भूगोल
	मानव भूगोल		विकास के स्थानिक आयाम
	डिजिटल कार्टोग्राफी (व्यावहारिक)		स्वास्थ्य और कल्याण का भूगोल
सेमेस्टर द्वितीय	भू-आकृति विज्ञान		वैश्वीकरण और गतिशीलता
	जनसंख्या भूगोल		आपदा प्रबंधन
	भूगोल में सांख्यिकीय विधियाँ (व्यावहारिक)		पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान और प्रथाएँ
सेमेस्टर तृतीय	जलवायुविज्ञानशास्त्र		समसामयिक पर्यावरणीय मुद्दे

	शहरी भूगोल	शुष्क और अर्ध-शुष्क का भूगोल क्षेत्र	पर्यटन का भूगोल
	रिमोट सेंसिंग के मूल सिद्धांत (व्यावहारिक)		स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी
सेमेस्टर चतुर्थ	औशेयनोग्रफ़ी	हिमालय का भूगोल	सतत विकास: विज्ञान और नीति इंटरफ़ेस
	आर्थिक भूगोल	ग्रामीण विकास	संघर्ष का भूगोल और शांति अध्ययन
	जीआईएस के बुनियादी सिद्धांत (व्यावहारिक)		क्षेत्रीय विकास
सेमेस्टर पंचम	पर्यावरण और पारिस्थितिकी	राजनीतिक भूगोल	शब्द क्षेत्रीय भूगोल
	कृषि एवं खाद्य सुरक्षा	सामाजिक भूगोल	व्यापार और वाणिज्य का भूगोल
	अनुसंधान पद्धति और क्षेत्र कार्य (व्यावहारिक)		जलवायु परिवर्तन और अनुकूलन
सेमेस्टर छठ	भारत का क्षेत्रीय भूगोल	अंतरिक्ष और अपराध	भू-विरासत और भू-पर्यटन
	भौगोलिक विचार	जेंडर भूगोल	मीडिया भूगोल और वर्चुअल स्पेस
	आपदा प्रबंधन आधारित परियोजना रिपोर्ट (व्यावहारिक)		सतत विकास के लिए शिक्षा
सेमेस्टर सप्तम	भूमि उपयोग योजना और नीति	औद्योगिक भूगोल	भू-राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंध
		जल संसाधन प्रबंधन	बस्ती का भूगोल
		चुनावी भूगोल	व्यवहार और भावनाओं का भूगोल
		गतिशीलता और प्रवासन का भूगोल	
सेमेस्टर अष्टम	उन्नत स्थानिक विश्लेषण (व्यावहारिक)	अंतरिक्ष, संस्कृति और समाज	खाद्य सुरक्षा

		शहरी प्रणालियों की गतिशीलता	पर्यावरणीय नैतिकता और कानून
		क्षेत्रीय योजना एवं विकास	सामुदायिक स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण
		परिवहन का भूगोल	

ii) कार्यक्रम पाठ्यक्रमों के लिए

प्रथम वर्ष (एन.ई.पी.)

छमाही	**मुख्य विषय**	**गौण विषय**	**एईसीसी**
प्रथम	मानव भूगोल	भौतिक भूगोल	पर्यावरण विज्ञान/ (अंग्रेजी/एमआईएल/संचार)
द्वितीय	भू-आकृति विज्ञान	जनसंख्या भूगोल	(अंग्रेजी/एमआईएल/संचार)/पर्यावरण विज्ञान

द्वितीय वर्ष (एन.ई.पी.)

छमाही	**मुख्य विषय**	**गौण विषय**
तृतीय (एन.ई.पी)	शहरी भूगोल	जलवायुविज्ञानशास्त्र
चतुर्थ (एन.ई.पी)	औशेयनोग्रफ़ी	आर्थिक भूगोल

तृतीय वर्ष *(एन.ई.पी)*

छमाही	**मुख्य विषय**	**गौण विषय**
पांच	कृषि एवं खाद्य सुरक्षा	पर्यावरण और पारिस्थितिकी
छह (एन.ई.पी)		

6.प्रमुख अभिविन्यास पाठ्यक्रम, सेमिनार, कार्यशालाएँ, सम्मेलन:

सेमिनार का शीर्षक, अभिविन्यास पाठ्यक्रम, सेमिनार, कार्यशालाएँ, सम्मेलन	**आयोजन विभाग एवं दिनांक**	**प्रायोजन**	**स्तरों (राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय/** राज्य/विश्वविद्यालय/महाविद्यालय
जी-20 पर संगोष्ठी का आयोजन: युवा भारत को समावेशी और कार्य उन्मुख लक्ष्यों से जोड़ना	भूगोल 4 सितंबर 2023	अप्रासंगिक	महाविद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय इंटरैक्टिव सत्र ओरेडिया विश्वविद्यालय, रोमानिया के सहायक प्रोफेसर डॉ. यूलियन डिनका के साथ	भूगोल 8वां फरवरी 2024	अप्रासंगिक	महाविद्यालय
कॅरियर काउंसलिंग पर सेमिनार का आयोजन	भूगोल 18वां मार्च 2024	हाँ	महाविद्यालय
भूगोल विभाग ने अपना वार्षिक उत्सव 'रिसर्जेंस 24' थीम पर आयोजित किया।**Viksit Bharat@2047: Navigating Towards Sustainable Development**"	भूगोल 20वां और 21मार्च 2024	अप्रासंगिक	महाविद्यालय

7.शैक्षणिक सत्र 2023-24 में आमंत्रित विशिष्ट वक्ताओं/अतिथियों की सूची:

एस.एन.	**नाम**	**पद का नाम**	**संस्थान**
1	प्रो प्रवीण कुमार पाठक	प्रोफेसर,	जेएनयू
2	डॉ अंकुर यादव	सहायक प्रोफेसर	जेएनयू
3	डॉ. यूलियन डिन्का	सहायक प्रोफेसर, भूगोल विभाग	ओरेडिया विश्वविद्यालय, रोमानिया
4	डॉ करुणा मिश्रा	भूगोल संकाय	केजीएस आईएएस
5	प्रो. वी.एस नेगी	प्रोफेसर, भूगोल विभाग	शहीद भगत सिंह महाविद्यालय शाम

6	प्रोफेसर जगबीर सिंह	प्रोफेसर, भूगोल विभाग	स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय
7	प्रो. विन्ध्यवासिनी पाँडे	प्रोफेसर, भूगोल विभाग,	दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स

हिन्दी विभाग

1. विभाग का संक्षिप्त परिचय:

कालिन्दी महाविद्यालय में हिन्दी विभाग की स्थापना सन् 1967 में महाविद्यालय की स्थापना के साथ हुई।शुरूआत बी.ए. पास के हिन्दी पाठ्यक्रमों के शिक्षण से हुई। सन् 1971 में बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पाठ्यक्रम की और सन् 1991 में एम.ए.हिन्दी पाठ्यक्रम की शुरूआत हुई।हिन्दी विभाग, वाणिज्य-स्नातक व अन्य कला और विज्ञान-स्नातक पाठ्यक्रमों की छात्राओं को विविध अन्तर-अनुशासनिक पाठ्यक्रम भी पढ़ाता है।विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित हिन्दी विभाग की 'हिन्दी साहित्य परिषद्' समय-समय पर विभिन्न शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करती रहती है।

2. पाठ्यक्रमकाकार्यक्षेत्र

- संघलोकसेवाआयोग, विभिन्न राज्य लोक सेवा आयोग व कर्मचारी चयन आयोग की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन व रोजगार के लिए आवेदन परक सहभागिता।
- हिंदी में उच्च शिक्षा, जैसे-एम.ए.,एम.फिल.पीएच.डी.।
- हिंदी- अंग्रेजी अनुवाद पाठ्यक्रमों में उच्च शिक्षा व रोजगार।
- विभिन्न प्रिण्ट व इलैक्ट्रोनिक मीडिया- माध्यमों में रोजगार।
- बैंकिंग, फिल्म, अनुवाद, पटकथा-लेखन, ब्लॉग–लेखन सृजनात्मक लेखन आदि में रोजगार की अपार संभावनाएँ।

3. संकाय सदस्यों का विवरण

क्र. सं.	नाम	पद	योग्यता	अध्ययन का क्षेत्र
1	डॉ. मंजू शर्मा	सह आचार्या	विद्या वाचस्पति	हिंदी नाटक और रंगमंच
2	लेफ्टिनेंट डॉ. आरती सिंह	सह आचार्या	विद्या वाचस्पति	रीतिकाल और आधुनिक काव्य
3	डॉ. रेखा मीणा	सहायक आचार्या	विद्या वाचस्पति	प्रवासी साहित्य
4	सुश्री बलजीत कौर	सहायक आचार्या	दर्शन निष्णात	हिंदी नाटक और रंगमंच
5	डॉ. संजय कुमार सिंह	सहायक आचार्य	विद्या वाचस्पति	कथा साहित्य और दलित चेतना
6	डॉ.आरती पाठक	सहायक आचार्या	विद्या वाचस्पति	समाज भाषाविज्ञान और भाषा प्रौद्योगिकी
7	डॉ.कुमारी शोभा	सहायक आचार्या	विद्या वाचस्पति	कथा साहित्य
8	डॉ.लव कुश कुमार	सहायक आचार्य	विद्या वाचस्पति	रंगमंच और सिनेमा
9	डॉ. विभा ठाकुर	सहायक आचार्या	विद्या वाचस्पति	हिंदी कथा साहित्य
10	डॉ.तरुणा	सहायक आचार्या	विद्या वाचस्पति	हिंदी कथा साहित्य और पत्रकारिता
11	डॉ.पल्लवी	सहायक आचार्या	विद्या वाचस्पति	हिंदी सिनेमा,हिंदी पत्रकारिता ,न्यू मीडिया ,अनुवाद
12	श्री त्रिपुरारी कुमार	सहायक आचार्य	स्नातकोत्तर	हिंदी कथा साहित्य

13	डॉ.हेमंत रमण रवि	सहायक आचार्या	विद्या वाचस्पति	हिंदी नाटक और रंगमंच
14	डॉ.ऋतू	सहायक आचार्या	विद्या वाचस्पति	हिंदी नाटक और रंगमंच
15	डॉ. रक्षा गीता	सहायक आचार्या	विद्या वाचस्पति	कथा साहित्य,सिनेमा,समाजशात्र ,भाषा विज्ञान ,आलोचना

4. माध्यम - हिन्दी

5. पाठयक्रम विवरण

सेमेस्टर	**कोर DEC**	**DSE**	**जेनेरिक इलेक्टिव (कोई एक)**	**ए.ई.सी.सी.**	**SEC**	**VAC**
I	1:हिंदी कविता आदिकाल एवं निर्गुण भक्ति काव्य 2:हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवंमध्यकाल) 3:हिंदी कहानी	-----	हिन्दीसिनेमा औरउसकाअ ध्ययन अथवा हिंदी का वैश्विक परिदृश्य अथवा हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद	(क)हिन्दीभा षाऔरसम्प्रेष ण (ख)हिंदी औपचारिक लेखन (ग)सोशल मिडिया और ब्लॉग लेखन	पटकथा लेखन अथवा रचनात्मक लेखन, अथवा सृजनात्मक लेखन अथवा अनुवाद कला	भारतीय भक्ति परम्परा और मानव मूल्य अथवा साहित्य संस्कृति और सिनेमा अथवा सृजनात्मक लेखन के विविध आयाम
II	4 :	-----	पटकथाऔर		पटकथा	

	हिन्दीसाहित्यकाइतिहासआधुनिक काल 5: हिन्दीकविता सगुण भक्तिकाव्य और रीतिकाव्य 6 : हिंदी निबन्ध एवं गद्य विधाएँ		संवादलेखन अथवा भाषा और समाज अथवा हिंदी भाषा और लिपि का इतिहास		लेखन अथवा रचनात्मक लेखन, अथवा सृजनात्मक लेखन अथवा अनुवाद कला पटकथा लेखन अथवा रचनात्मक लेखन अथवा सृजनात्मक लेखन अथवा अनुवाद कला	
III	7: भारतीय साहित्य 8: हिन्दीनाटक और एकांकी 9: सामान्य भाषा विज्ञान	हिंदी कीमौखिक औरलोक साहित्य परम्परा राष्ट्रीय-सांस्कृतिक		(क) व्यवहारिक हिंदी (ख)जनसंचार और रचनात्मक लेखन (ग) हिंदी	पटकथा लेखन अथवा रचनात्मक लेखन, अथवा सृजनात्मक	

		काव्यधारा रचनात्मक लेखन अथवा GE 5-6 सेमेस्टर 1 के सभी		भाषा और तकनीक	लेखन अथवा अनुवाद कला	
IV	10: भारतीयकाव्यशास्त्र 11: आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद केतक) 12: हिन्दीउपन्यास	DSE 4 हिंदी लोकनाट्य DSE 5 पर्यावरण और हिंदी साहित्य DSE 6 जनसंचार और तकनीक अथवा GE 7 ब्लॉग लेखन GE 8 हिंदी भाषा और विज्ञान				
V	13 : पाश्चात्य	DSE भारतीय और	कम्प्यूटर और हिंदी अथवारंगमंच			

	काव्यशास्त्र 14 : आधुनिक कविता(छाया वादोत्तर) 15: हिंदी आलोचना	पाश्चात्यरंगमंच अथवा हिंदी सिनेमा व्यावसायिक सन्दर्भ अथवा हिंदी यात्रा साहित्य	और लोक साहित्य			
VI	16. हिंदीभाषा: स्वरूप संरचना एवं इतिहास 17: अस्मितामूलक हिंदी साहित्य 18: कथेतर गद्य साहित्य	हिंदी भाषा का व्यवहारिक व्याकरण अथवा भाषा दक्षता और तकनीक अथवा गाँधी दर्शन और हिंदी साहित्य अथवा शोध प्रविधि	भारतीय ज्ञान परम्परा अथवा न्यू मीडिया			

बी.ए. बी.कॉम. प्रोग्रामकापाठ्यक्रम

1st ईयर बी. ए. प्रोग्राम/बी.कॉम. प्रोग्राम हिंदी "क" (जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है)

1st ईयर बी. ए. प्रोग्राम/बी.कॉम. प्रोग्राम हिंदी "ख"(जिन्होंने कक्षा 10 तक हिंदी पढ़ी है)

1st ईयर बी. ए. प्रोग्राम/बीकॉम प्रोग्राम हिंदी "ग"(जिन्होंने आठवीं तक हिंदी पढ़ी है)

वर्ष	**सेमेस्टर**	**बी. ए. प्रो.कोर**	**ए.ई.सी.सी.**
I	II	हिंदी भाषा और साहित्य क हिंदी भाषा और साहित्य ख हिंदी भाषा और साहित्य ग	हिन्दीभाषाऔरसम्प्रेषण , औपचारिक लेखन सोशल मिडिया और ब्लॉग लेखन
I	II	हिंदी भाषा और साहित्य क हिंदी भाषा और साहित्य ख हिंदी भाषा और साहित्य ग	हिन्दीभाषाऔरसम्प्रेषण औपचारिक लेखन सोशल मिडिया और ब्लॉग लेखन
वर्ष	**सेमेस्टर**	**बी.कॉम कोर**	**सेक**
I	I	हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास क हिंदी भाषा और साहित्य उद्भव और विकास ख हिंदी भाषा और साहित्य उद्भव और विकास ग	पटकथा लेखन अथवा रचनात्मक लेखन, अथवा सृजनात्मक लेखन अथवा अनुवाद कला
II	II	हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास क हिंदी भाषा और साहित्य उद्भव और विकास ख हिंदी भाषा और साहित्य उद्भव और विकास	पटकथा लेखन अथवा रचनात्मक लेखन, अथवा

		ग	सृजनात्मक लेखन अथवा अनुवाद कला

6. वक्ताओं और अतिथियों के नाम की सूची अकादमिक वर्ष (2023-24)

क्र. सं.	अतिथि वक्ता का नाम	पद/ संबंधित संस्था का नाम	तिथि
1	डॉ. मालती	पूर्व प्राचार्या, कालिंदी महाविद्यालय ,दिल्ली विश्वविद्यालय	14 सितम्बर
2	श्री आनन्द कुमार सोनी	उपकुलसचिव इग्नू	18 सितम्बर
3	प्रो. कुमुद शर्मा	हिंदी विभागाध्यक्ष ,दिल्ली विश्वविद्यालय	26 सितम्बर
4	डॉ. सारिका कालरा	लेडी श्री राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय	9 सितम्बर
5	श्री विप्लव कुमार	विप्लव कोचिंग सेंटर	11 मार्च
6	प्रो. मंजू मुकुल	हिंदी विभाग ,दिल्ली विश्वविद्यालय	10 मई

इतिहास विभाग

1.विभाग का संक्षिप्त परिचय:

'इतिहास वर्तमान विकास और भविष्य की आशाओं के संबंधो के साथ अतीत समाज में जीवन के सभी पहलुओं का अध्ययन है। यह मनुष्य की कहानी है, जो साक्ष्य के आधार पर अतीत की जांच करता है। वास्तव में, साक्ष्य इतिहास शिक्षण और सीखने का कच्चा खजाना है।'

इस इरादे को ध्यान में रखते हुए, कालिंदी महाविद्यालय की स्थापना के तीन साल (1970-71) के भीतर बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास की शुरुआत की गई। ऑनर्स स्तर पर इतिहास का अध्ययन केवल कक्षा शिक्षण तक ही

सीमित नहीं है। मनुष्य के जीवन में समय द्वारा निभाई गई भूमिका को समझने के लिए विभिन्न ऐतिहासिक स्मारकों, संग्रहालयों और अभिलेखागारों आदि की यात्राओं की भी आवश्यकता होती है। इस महत्वपूर्ण भूमिका को पूरा करने के लिए, धरोहर, एक ऐतिहासिक समाज का गठन किया गया है। धरोहर निर्माण के पीछे मुख्य उद्देश्य छात्राओं में ऐतिहासिक घटनाओं के बारे में जागरूकता को प्रोत्साहित करना और इस तरह उन्हें विभिन्न अंतर-विभागीय गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है।

2.विषय का क्षेत्र:

इतिहास स्नातक कला के रूप में व्यक्ति में विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक तर्क, मौखिक लिखित संचार और अनुसंधान कौशल जैसे नियोक्ताओं द्वारा अत्यधिक मूल्यवान कौशल प्राप्त कर बेहतर भविष्य तैयार होगा होगा। इतिहास की डिग्री जीवन के लिए एक विस्तृत श्रृंखला के रूप में अच्छा उधबोधक है:

- एम.ए.(इतिहास)
- पुरातत्त्व
- कला का इतिहास
- विरासत अध्ययन
- पुरालेखपाल/अभिलेख प्रबंधक
- संग्रहाध्यक्ष
- वंशावली अध्ययन

3.संकाय सदस्यों का विवरण:

क्र. सं.	**नाम**	**पद**	**योग्यता**	**अध्ययन का क्षेत्र**	**शिक्षण अनुभव**
1	प्रो रिनी पुंडीर	प्रोफ़ेसर	एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	मध्यकालीन भारतीय इतिहास	18 वर्ष

2	डॉ गरिमा प्रकाश (विभाग प्रभारी)	सह - प्राध्यापक	एम.ए., पीएच.डी.	आधुनिक भारतीय इतिहास	18 वर्ष
3	डॉ. कृष्णा कुमारी	सहायक प्रोफेसर	एम.ए पीएच.डी	मध्यकालीन भारतीय इतिहास	11वर्ष
4	डॉ ओम प्रकाश	सहायक प्रोफेसर	एम.फिल पीएच.डी	प्राचीन भारतीय इतिहास	7 वर्ष 2 माह
5	डॉ. त्सेरिंग फुंचोक	सहायक प्रोफेसर	एम.ए., एम.फिल, पी.एच.डी	प्राचीन भारतीय इतिहास	8 वर्ष 5 महीने
6	डॉ. ए.एस. नूतन पांडे	सहायक प्रोफेसर	एम.ए., पी.एच.डी	आधुनिक भारतीय इतिहास	6 वर्ष 11 महीना
7	डॉ सत्य प्रकाश	सहायक प्रोफेसर	एम.ए., पी.एच.डी	प्राचीन भारतीय इतिहास	5 महीने
8	डॉ. राम सारिक गुप्ता	सहायक प्रोफेसर	एम.ए., एमफिल पीएचडी	आधुनिक भारतीय इतिहास	4 वर्ष 10 महीना
9	डॉ कौशलेंद्र कुमार	सहायक प्रोफेसर	एम.ए., एमफिल पीएचडी	आधुनिक भारतीय इतिहास	5 महीने
10	श्री शैलेश रंजन	सहायक प्रोफेसर	एम.ए.,नेट	आधुनिक भारतीय इतिहास	5 महीने

4. पाठ्यक्रम एवं माध्यम: अंग्रेजी/हिंदी

5. पाठ्यक्रम विवरण:

बीए (ऑनर्स) कोर्स के लिए

सेमेस्टर- I						
अनुशासन विशिष्ट कोर (डीएससी)	**निर्वाचित (डीएसई)**	**जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)**	**क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी)**	**कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)**	**इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (2)**	**मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)**
सी-1 भारत का इतिहास-I (आरंभ से चौथी शताब्दी ईसा पूर्व तक)- डीएससी 01 सी-2 प्राचीन विश्व की सामाजिक संरचनाएँ और सांस्कृतिक प्रतिरूप-I- डीएससी 02 सी-3 अमेरिका का इतिहास: स्वतंत्रता से लेकर गृह युद्ध तक डीएससी 03		जी.ई.-I: युगों के माध्यम से दिल्ली: इसके प्रारंभिक आधुनिक इतिहास का निर्माण जी.ई.-II: विज्ञान, प्रौद्योगिकी और मानव: विवादित इतिहास जीई III भारत में संस्कृति और दैनिक जीवन जीई IV इतिहास को समझना	अंग्रेजी / हिंदी / एमआईएल संचार या पर्यावरण विज्ञान	वार्ता और नेतृत्व छवि स्टाइलिंग		प्राचीन भारतीय परंपराओं में नैतिकता और मूल्य भारतीय भक्ति परम्परा और मानव मूल्य

सेमेस्टर- II						
अनुशासन विशिष्ट कोर (डीएससी)	**निर्वाचित (डीएसई)**	**जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)**	**क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी)**	**कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)**	**इंटर्नशिप/अ प्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/सामु दायिक आउटरीच (2)**	**मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)**
सी-1 भारत का इतिहास-II 300ई. - 750ई. डीएससी 01 सी-2 मध्यकालीन विश्व की सामाजिक संरचनाएँ और सांस्कृतिक प्रतिरूप-II- डीएससी 02 सी-3 संयुक्त राज्य अमेरिका का इतिहास: पुनर्निर्माण से लेकर नए युग की राजनीति तक		जी.ई.-I: युगों के माध्यम से दिल्ली: औपनिवेशिक काल से समकालीन काल तक जीई-II इतिहास और संस्कृति: पाठ, वस्तुओं और प्रदर्शन इतिहास में प्रतिनिधित्व जीई III भारतीय समाज: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य जीई IV भारतीय	अंग्रेजी / हिंदी / एमआईएल संचार या पर्यावरण विज्ञान	अभिलेखों को पढ़ना छवि स्टाइलिंग		प्राचीन भारतीय परंपराओं में नैतिकता और मूल्य भारतीय भक्ति परम्परा और मानव मूल्य

डीएससी 03		विरासत को समझना				

बी.ए. (प्रोग.) पाठ्यक्रमों के लिए

पहला वर्ष

सेमेस्टर- I						
अनुशासन विशिष्ट कोर (डीएससी)	**निर्वाचित (डीएसई)**	**जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)**	**क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी)**	**कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)**	**इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (2)**	**मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)**
श्रेणी II मेजर के रूप में डीएससी I : भारत का इतिहास प्रारंभिक काल से लेकर लगभग 300 ई. तक डीएससी द्वितीय प्राचीन समाज श्रेणी III नाबालिग के रूप में डीएसई-1 भारत का		जी.ई.-I: युगों के माध्यम से दिल्ली: इसके प्रारंभिक आधुनिक इतिहास का निर्माण जी.ई.-II: विज्ञान, प्रौद्योगिकी और मानव: विवादित इतिहास जीई III भारत में संस्कृति और दैनिक जीवन जीई IV इतिहास को	अंग्रेजी / हिंदी / एमआईएल संचार या पर्यावरण विज्ञान	वार्ता और नेतृत्व छवि स्टाइलिंग		प्राचीन भारतीय परंपराओं में नैतिकता और मूल्य भारतीय भक्ति परम्परा और मानव मूल्य

इतिहास प्रारंभिक काल से लेकर लगभग 300 ई. तक		समझना				

सेमेस्टर- II						
अनुशासन विशिष्ट कोर (डीएससी)	निर्वाचित (डीएसई)	जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)	क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी)	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)	इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (2)	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)
मेजर के रूप में सी-1 भारत का इतिहास, 300ई. से 1200ई. तक डीएससी 01 सी-2 मध्यकालीन समाज: वैश्विक परिप्रेक्ष्य डीएससी 02 नाबालिग के रूप में भारत का इतिहास,		जी.ई.-I: युगों के माध्यम से दिल्ली: औपनिवेशिक काल से समकालीन काल तक जीई-II इतिहास और संस्कृति: पाठ, वस्तुओं और प्रदर्शन इतिहास में प्रतिनिधित्व जीई III	अंग्रेजी / हिंदी / एमआईएल संचार या पर्यावरण विज्ञान	वार्ता और नेतृत्व छवि स्टाइलिंग		प्राचीन भारतीय परंपराओं में नैतिकता और मूल्य भारतीय भक्ति परम्परा और मानव मूल्य

300 ई. से 1200 ई. तक		भारतीय समाज: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य जीई IV भारतीय विरासत को समझना				

बीए (ऑनर्स) कोर्स के लिए
दूसरा वर्ष

सेमेस्टर- III ऑनर्स						
अनुशासन विशिष्ट कोर (डीएससी)	**निर्वाचित (डीएसई)**	**जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)**	**क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी)**	**कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)**	**इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (2)**	**मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)**
भारत का इतिहास – III: 750 – 1200 डीएससी 1 आधुनिक पश्चिम का उदय – I डीएससी 2	वैश्विक पर्यावरण इतिहास या दक्षिण पूर्व एशिया का इतिहास - I	उत्तर औपनिवेशिक भारत का निर्माण (लगभग 1950-1990) या इतिहास में मीडिया		ई - पर्यटन या छवि स्टाइलिंग		संवैधानिक मूल्य और मौलिक कर्तव्य या स्वच्छ भारत

आधुनिक चीन का इतिहास (1840 – 1950 के दशक)						

सेमेस्टर- IV						
अनुशासन विशिष्ट कोर (डीएससी)	**निर्वाचित (डीएसई)**	**जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)**	**क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी)**	**कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)**	**इंटर्नशिप/अ प्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/सामु दायिक आउटरीच (2)**	**मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)**
भारत का इतिहास – IV: लगभग 1200 – 1500 डीएससी 1 आधुनिक पश्चिम का उदय – II	भारतीय उपमहाद्वीप का पर्यावरणीय इतिहास या दक्षिण पूर्व एशिया का इतिहास - II	आधुनिक भारत में शैक्षिक व्यवस्था और ज्ञान या जलवायु परिवर्तन और मानव इतिहास		पुरालेख पढ़ना या वार्ता और नेतृत्व		स्वच्छ भारत या भारतीय भक्ति परम्पराऔर मानवमूल्य

डीएससी 2 आधुनिक जापान का इतिहास (लगभग 1868 – 1950 के दशक) डीएससी 3						

बी.ए.(प्रोग.) पाठ्यक्रम के लिए

दूसरा वर्ष

सेमेस्टर- III						
अनुशासन विशिष्ट कोर (डीएससी)	**निर्वाचित (डीएसई)**	**जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)**	**क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी)**	**कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)**	**इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (2)**	**मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)**
भारत का इतिहास 1200 – 1550 कोर के रूप में	भारतीय उपमहाद्वीप में संस्कृतियाँ – I या	उत्तर औपनिवेशिक भारत का निर्माण (लगभग 1950-1990)		ई - पर्यटन या छवि स्टाइलिंग		संवैधानिक मूल्य और मौलिक कर्तव्य या

प्रारंभिक आधुनिक यूरोप में सांस्कृतिक परिवर्तन – I डीएससी 2	भारतीय इतिहास में पर्यावरण	या इतिहास में मीडिया				स्वच्छ भारत

सेमेस्टर- IV						
अनुशासन विशिष्ट कोर (डीएससी)	**निर्वाचित (डीएसई)**	**जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)**	**क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी)**	**कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)**	**इंटर्नशिप/अ प्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/सामु दायिक आउटरीच (2)**	**मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)**
भारत का इतिहास लगभग 1550 – 1700 मेजर के रूप में प्रारंभिक आधुनिक यूरोप में सांस्कृतिक परिवर्तन – II डीएससी 2	भारतीय उपमहाद्वीप में संस्कृतियाँ – II या लोकप्रिय संस्कृति	आधुनिक भारत में शैक्षिक व्यवस्था और ज्ञान या जलवायु परिवर्तन और मानव इतिहास		पुरालेख पढ़ना या वार्ता और नेतृत्व		स्वच्छ भारत या भारतीय भक्ति परम्पराऔर मानवमूल्य

भारत का इतिहास लगभग 1550 – 1700 नाबालिग के रूप में						

बीए (ऑनर्स) कोर्स के लिए
तीसरा वर्ष

सेमेस्टर- V						
अनुशासन विशिष्ट कोर (डीएससी)	**निर्वाचित (डीएसई)**	**जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)**	**क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी)**	**कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)**	**इंटर्नशिप/अ प्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/सामु दायिक आउटरीच (2)**	**मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)**
भारत का इतिहास – V: लगभग 1500 – 1600 डीएससी 1 भारत का इतिहास – VI: लगभग 1750 – 1857	सोवियत संघ का इतिहास: क्रांति से विघटन तक (लगभग 1917 – 1991) या अफ्रीका का इतिहास	बीसवीं सदी का विश्व इतिहास: 1900 – 1945 या भारतीय इतिहास में महिलाएँ		राजनीतिक नेतृत्व और संचार या पुरालेख पढ़ना		ना

डीएससी 2 आधुनिक यूरोप का इतिहास – I डीएससी 3	लगभग 1500 – 1960 के दशक					

सेमेस्टर- VI						
अनुशासन विशिष्ट कोर (डीएससी)	**निर्वाचित (डीएसई)**	**जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)**	**क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी)**	**कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)**	**इंटर्नशिप/अ प्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/सामु दायिक आउटरीच (2)**	**मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)**
भारत का इतिहास – VII: 1600 – 1750s डीएससी 1 भारत का इतिहास – VIII: लगभग 1857 – 1950 डीएससी 2 आधुनिक यूरोप का इतिहास – II	लैटिन अमेरिका का इतिहास लगभग 1500 – 1960 या भारतीय इतिहास में लिंग, लगभग 1500-1950	आधुनिक विश्व में लिंग या मीडिया और सिनेमा		ई – पर्यटन या संग्रहालय और संग्रहालय विज्ञान		ना

डीएससी 3						

बी.ए.(प्रोग.) पाठ्यक्रम के लिए (तृतीय वर्ष)

सेमेस्टर- V						
अनुशासन विशिष्ट कोर (डीएससी)	**निर्वाचित (डीएसई)**	**जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)**	**क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी)**	**कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)**	**इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (2)**	**मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)**
भारत का इतिहास 1700 – 1857 मेजर के रूप में यूरोप का इतिहास: 1789-1870 मुख्य भारत का इतिहास 1700 – 1857 गैर प्रमुख के रूप में	भारतीय इतिहास में शहरीकरण और नगरवाद या भारत का प्रागैतिहासिक और आद्यइतिहास	बीसवीं सदी का विश्व इतिहास: 1900 – 1945 या भारतीय इतिहास में महिलाएँ		राजनीतिक नेतृत्व और संचार या पुरालेख पढ़ना		ना

सेमेस्टर- VI						
अनुशासन विशिष्ट कोर (डीएससी)	**निर्वाचित (डीएसई)**	**जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)**	**क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम**	**कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम**	**इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच**	**मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम**

			(एईसी)	(एसईसी)	(2)	(वीएसी)
भारत का इतिहास 1858 - 1947 मेजर के रूप में यूरोप का इतिहास: 1870 – 1945 डीएससी भारत का इतिहास 1858 – 1947 गैर प्रमुख के रूप में	भारत में कला, समाज और संस्कृति लगभग 300 ईसा पूर्व से 1000 ईसवी तक या इतिहास में यात्रा: व्यापार, राजनीति और समाज	आधुनिक विश्व में लिंग या मीडिया और सिनेमा		ई – पर्यटन या संग्रहालय और संग्रहालय विज्ञान		ना

6. विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार, कार्यशालाएं, सम्मेलन

सेमिनार का शीर्षक, अभिविन्यास पाठ्यक्रम, सेमिनार, कार्यशालाएं, सम्मेलन	**आयोजन विभाग एवं तिथि**	**प्रायोजित कार्यक्रम**	**स्तरों (राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय/ राज्य/विश्वविद्यालय/कॉलेज**
स्वतंत्रता दिवस समारोह	इतिहास विभाग, कालिंदी कॉलेज,दिल्ली विश्वविद्यालय 14-अगस्त-23	नहीं	राष्ट्रीय
सेमिनार: प्रारंभिक आधुनिक यूरोप में महिलाएँ	इतिहास विभाग, कालिंदी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय 09 अक्टूबर 2023	नहीं	राष्ट्रीय
हेरिटेज वॉक और राष्ट्रीय संग्रहालय का भ्रमण	इतिहास विभाग, कालिंदी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय 7-11-2023	नहीं	राष्ट्रीय
एक दिन बात करें	इतिहास विभाग, कालिंदी	नहीं	राष्ट्रीय

जापान की समकालीन भू-राजनीति में शोगुनेट और मीजी पुनर्स्थापना के निहितार्थ।	कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय 26-2-2024		
टेरा टेम्पोरा (टेराकोटा मोल्डिंग प्रतियोगिता)	इतिहास विभाग, कालिंदी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय 28-2- 2024	नहीं	राष्ट्रीय
विषयःभारतीयज्ञानपरंपराअवलोकन:जीवनके प्रतिसमग्रदृष्टिकोण	इतिहास विभाग, कालिंदी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय 5-3-2024	नहीं	राष्ट्रीय
सिर्फ़ गृहिणी नहीं: उन्नीसवीं सदी के संयुक्त राज्य अमेरिका में घरेलू जीवन और श्रम	इतिहास विभाग, कालिंदी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय 14-3-2024	नहीं	राष्ट्रीय
एक दिवसीय इतिहास उत्सव	इतिहास विभाग, कालिंदी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय 1-5-2024	नहीं	राष्ट्रीय
दृष्टि आईएएस के सहयोग से सेमिनार और प्रश्नोत्तर सत्र	इतिहास विभाग, कालिंदी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय 1-5-2024	नहीं	राष्ट्रीय

7. शैक्षणिक सत्र 2 में आमंत्रित विशिष्ट वक्ताओं/अतिथियों की सूची

क्र. सं.	नाम	पद का नाम
1.	प्रो.युथिका मिश्रा	दिल्ली विश्वविद्यालय के विवेकानंद कॉलेज में इतिहास विभाग में प्रोफेसर
2.	डॉ. देवेश विजय	दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन कॉलेज के इतिहास विभाग में प्रोफेसर
3.	डॉ. मधु	दिल्ली विश्वविद्यालय, मिरांडा हाउस, इतिहास विभाग में

		एसोसिएट प्रोफेसर
4.	श्री. अनुराग देशपांडे	परियोजना समन्वयक, जगतगुरु श्री देवनाथ वैदिक विज्ञान एवं शोध संस्थान, नागपुर

राजनीति विज्ञान विभाग

1.विभाग के बारे में संक्षिप्त परिचयः

राजनीति विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 1967 में हुई थी, जिसमें डॉ. सरोज पाठक पहले प्रभारी शिक्षक थे और लगभग 80 छात्र बी.ए. (पास) पाठ्यक्रम कर रहे थे। राजनीति विज्ञान में ऑनर्स कोर्स पहली बार वर्ष 1973-74 में पेश किया गया था और वर्ष 1987-88 से मास्टर्स की पेशकश की जाती है। तब से, इस विषय में छात्राओं की संख्या 500 से अधिक हो गई है। बी.ए. (विशेष) राजनीति विज्ञान महाविद्यालय में सबसे अधिक मांग वाला कोर्स है। अंतःविषय लोकाचार के तहत, राजनीति विज्ञान विभाग एक बहुत ही सक्रिय भागीदार बना हुआ है और महाविद्यालय के अन्य विभागों के साथ समन्वय करता रहा है। संकाय वैश्विक राजनीति, भारतीय सरकार और राजनीति, और संवैधानिक मूल्यों और मौलिक अधिकारों जैसे शैक्षणिक धाराओं में छात्राओं को कई पेपर पढ़ाते रहे हैं। विभाग के संकाय अपने-अपने विशेषज्ञता में अत्यधिक अनुभवी और अच्छी तरह से पढ़े-लिखे विद्वान हैं।

2.पाठ्यक्रम का दायराः

सिविल सेवा में करियर के लिए पसंदीदा विषयों में से एक, राजनीति विज्ञान एक विषय के रूप में महाविद्यालय और विश्वविद्यालय शिक्षण, अनुसंधान, अंतर्राष्ट्रीय शासन, मास-मीडिया, लोक कल्याण, प्रबंधन क्षेत्र, कॉर्पोरेट क्षेत्र में कैरियर प्रदान करता है और कानून में करियर के लिए एक मांग वाला प्रारंभिक स्नातक पाठ्यक्रम बना हुआ है। लिंग अध्ययन और अन्य अंतःविषय दृष्टिकोण छात्राओं के लिए आगे के कैरियर के अवसर खोलते हैं।

चूंकि पाठ्यक्रम बहुत व्यापक और विविधतापूर्ण है, इसलिए यह भविष्य में विद्यार्थियों के लिए अनेक अवसर खोलता है। भारतीय राजनीति और शासन के मुद्दों या लोक प्रशासन, अंतर्राष्ट्रीय शासन या संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठनों या विश्व की सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक प्रणालियों के क्षेत्रों में रुचि रखने वाले छात्राओं के लिए राजनीति विज्ञान में ऑनर्स के साथ स्नातक पाठ्यक्रम चुनना अच्छा रहेगा।

3. **संकाय सदस्यों का विवरणः**

क्रमांक संख्या	**नाम**	**पदनाम**	**योग्यता**	**शिक्षण अनुभव**	**विशेषज्ञता का क्षेत्र**
1.	प्रो. रुचि त्यागी	प्रोफेसर	एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	39 वर्ष	भारतीय राजनीतिक विचार और भारतीय राजनीति
2.	प्रो. सुनीता मंगला	प्रोफेसर	पीएच.डी.	18 वर्ष	भारतीय राजनीतिक विचार और भारतीय राजनीति
3.	प्रो. संगीता ढल	प्रोफेसर	पीएच.डी., पोस्ट डॉक्टरल	22 वर्ष	लोक प्रशासन और सार्वजनिक नीति
4.	डॉ. अनीता टैगोर	सह - प्रोफेसर	एम.फिल., पीएच.डी., एल.एल.बी	17 वर्ष 5 महीने	भारतीय राजनीति, राजनीतिक सिद्धांत, मीडिया राजनीति और महिला अध्ययन
5.	प्रो. मीना चरान्दा (महाविद्यालय प्राचार्या)	प्रोफेसर	पीएच.डी.	16 वर्ष	भारतीय सरकार और राजनीति और गांधी को पढ़ना
6.	डॉ. नितिन मल्होत्रा	सहायक प्रोफेसर	एम.फिल., पीएच.डी.	12 वर्ष	तुलनात्मक सरकार और राजनीति
7.	डॉ.राखी चौहान	सह - प्रोफेसर	पीएच.डी.	17 वर्ष 8 महीने	अंतर्राष्ट्रीय संबंध और लैंगिक अध्ययन

8.	डॉ. मनीला नार्ज़री	सह - प्रोफेसर	एम.फिल., नेट, पीएच.डी.	16 वर्ष	अंतर्राष्ट्रीय संबंध, अफ्रीकी राजनीति
9.	डॉ. वंदना रानी	सह - प्रोफेसर	एम.फिल., नेट, पीएच.डी.	14 वर्ष	लोक प्रशासन और सार्वजनिक नीति
10.	डॉ. अंजनी कुमार	सह - प्रोफेसर	पीएच.डी.	11 वर्ष	अंतर्राष्ट्रीय संबंध
11.	डॉ. निशा बख्शी	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	9 वर्ष 6 महीने	अंतर्राष्ट्रीय संबंध
12.	डॉ. निवेदिता गिरी	एसोसिएट प्रोफेसर	एम.फिल., पीएच.डी.	14 वर्ष	अंतर्राष्ट्रीय संबंध और वैश्विक राजनीति
13.	डॉ. उत्पल कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	10 वर्ष	राजनीतिक सिद्धांत और विचार
14.	डॉ. विनीता मीना	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	8 वर्ष	लोक प्रशासन और अंतर्राष्ट्रीय संबंध
15.	डॉ. दीपक यादव	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	8 वर्ष	अंतर्राष्ट्रीय संबंध
16.	डॉ. प्रियबाला सिंह	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.	11 वर्ष	अंतर्राष्ट्रीय संबंध
17.	डॉ. रितु शर्मा	सहायक प्रोफेसर	नेट, पीएच.डी.	8 वर्ष	अंतर्राष्ट्रीय संबंध
18.	डॉ. संदीप कुमार	सहायक प्रोफेसर	एम.फिल, नेट, पी.एच.डी.	7 वर्ष	अंतर्राष्ट्रीय संबंध और वैश्विक राजनीति
19.	डॉ. सीमा माथुर	सहायक प्रोफेसर	नेट, पी.एच.डी.	12 वर्ष	राजनीतिक सिद्धांत और विचार
20.	डॉ. सुनीता मीना	सहायक प्रोफेसर	एम.फिल, पी.एच.डी.	3 वर्ष	लोक प्रशासन और अंतर्राष्ट्रीय संबंध

4. प्रस्तावित पाठ्यक्रम और माध्यम: अंग्रेजी और हिंदी

5. पाठ्यक्रम विवरण:

बी.ए. के लिए पाठ्यक्रम की संरचना राजनीति विज्ञान(विशेष)

सेमेस्टर	**डी.एस.सी. 4 क्रेडिट प्रत्येक**	**डी.एस.सी. 4 क्रेडिट प्रत्येक**	**जी.ई. 4 क्रेडिट प्रत्येक**	**ए.ई.सी. 2क्रेडिट प्रत्येक**	**ए.स.सी. 2क्रेडिट प्रत्येक**	**आई.ए.पी.सी. 2क्रेडिट प्रत्येक**	**वी.ए.सी. 2क्रेडिट प्रत्येक**	**कुल क्रेडिट**
1	डी.एस.सी. -1		जी.ई. -1	ए.ई.सी. -1			वी.ए.सी. -1	22 क्रेडिट
	डी.एस.सी. -2							
	डी.एस.सी. -3							
2	डी.एस.सी. -4		जी.ई.-2	ए.ई.सी. -2			वी.ए.सी. -2	22 क्रेडिट
	डी.एस.सी. -5							
	डी.एस.सी. -6							
बाहर निकलने वाले छात्राओं को स्नातक डिप्लोमा (राजनीति विज्ञान में) प्रदान किया जाएगा								44 क्रेडिट

3	डी.एस.सी.-7	डी.एस.सी.-1/ जी.ई.-3		ए.ई.सी.-3	आई.ए.पी.सी.-1	वी.ए.सी.-3		22 क्रेडिट
	डी.एस.सी.-8							
	डी.एस.सी.-9							
4	डी.एस.सी.-10	डी.एस.सी.-2/ जी.ई.-4		ए.ई.सी.-4	आई.ए.पी.सी.-2	वी.ए.सी.-4		22 क्रेडिट
	डी.एस.सी.-11							
	डी.एस.सी.-12							
बाहर निकलने वाले छात्राओं को स्नातक डिप्लोमा (राजनीति विज्ञान में) प्रदान किया जाएगा								88 क्रेडिट
5	डी.एस.सी.-13	डी.एस.सी.-3	जी.ई.-5	एस.ई.सी.-5/ आई.ए.पी.सी.-3				22 क्रेडिट
	डी.एस.सी.-14							
	डी.एस.सी.-15							

6	डी.एस.सी.-16	डी.एस.सी.-4	जी.ई.-6	एस.ई.सी.-6/ आई.ए.पी.सी.-4				22 क्रेडिट
	डी.एस.सी.-17							
	डी.एस.सी.-18							
बाहर निकलने वाले छात्राओं को स्नातक डिप्लोमा (राजनीति विज्ञान में) प्रदान किया जाएगा								132क्रेडिट
7 डी.एस.सी.-19		डी.एस.सी.-5+ डी.एस.सी.-6+ डी.एस.सी.-7/ डी.एस.सी.-6+ जी.ई.-7/ डी.एस.सी.-5+ जीई-7+ जी.ई.-8#		शोध प्रबंध प्रमुख (6) या शोध प्रबंध लघु (6) या शैक्षणिक परियोजना / उद्यमिता				22 क्रेडिट
8 डी.एस.सी.-20		डी.एस.सी.-8+ डी.एस.सी.-9+ डी.एस.सी.-10/ डी.एस.सी.-8+ डी.एस.सी.-9 जी.ई.-9/ डीएससी-5+ जी.ई.-9+ जी.ई.-10#		शोध प्रबंध प्रमुख (6) या शोध प्रबंध लघु (6) या शैक्षणिक परियोजना / उद्यमिता				22 क्रेडिट

हर निकलने वाले छात्राओं को राजनीति विज्ञान में स्नातक (शोध/शैक्षणिक परियोजनाओं/ उद्यमिता के साथ ऑनर्स) या (अनुसंधान /शैक्षणिक परियोजनाओं/ उद्यमिता के साथ ऑनर्स) की उपाधि प्रदान की जाएगी। **अनुशासन-1 (प्रमुख) में अनुशासन-2 (लघु) के साथ अनुसंधान**					176 क्रेडिट

तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में प्रत्येक सेमेस्टर में दो क्रेडिट के लिए या तो एक 'एसईसी' या वैकल्पिक 'इंटर्नशिप / अप्रेंटिसशिप प्रोजेक्ट / कम्युनिटी आउटरीच' चुनने का विकल्प होगा।

सेमेस्टर III और IV में डी.एस.ई. या जीई चुनने का विकल्प होगा।

*** V और VI सेमेस्टर में चयन करने का विकल्प होगा।

या तो एक "एस.ई.सी. " या में विकल्प के रूप में 'इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/रिसर्च/कम्युनिटी आउटरीच' चुनने का विकल्प होगा।

VII और VIII सेमेस्टर में चार विकल्प होंगे –

(i) 4 क्रेडिट के तीन डीएसई चुनना या

(ii) 4 क्रेडिट के दो डी.एस.ई. और एक जी.ई. चुनना या

(iii) 4 क्रेडिट के एक डी.एस.ई. और दो जी.ई. चुनना।

'शोध पद्धति' को VI और VII सेमेस्टर में **डी.एस.ई.** पाठ्यक्रमों में से एक के रूप में पेश किया जाएगा। छात्र इसे VI सेमेस्टर या VII सेमेस्टर में से किसी एक में चुन सकते हैं। हालाँकि, तीन मुख्य विषयों में बहु-विषयक अध्ययन करने वाले छात्र को VI सेमेस्टर में शोध पद्धति चुननी होगी, यदि वह चौथे वर्ष में तीन विषयों में से किसी एक में प्रमुख बनना चाहता है।

मान लीजिए कि कोई छात्र किसी अन्य विषय द्वारा पेश किए गए शोध पद्धति पाठ्यक्रम (इसके **डीएसई** में से एक के रूप में) का अध्ययन करना चाहता है। उस स्थिति में, वह इसे चुन सकता है, बशर्ते कि ऐसा विषय उसका छोटा विषय हो। इस प्रकार चुने गए किसी अन्य विषय की शोध पद्धति को उसके लिए **जी.ई.** माना जाएगा।

संक्षिप्त रूप:

1. ''ए.ई.सी.'' का अर्थ है 'क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम'
2. 'बी.ए.' का अर्थ है 'कला स्नातक'
3. 'डी.एस.सी.' का अर्थ है 'अनुशासन विशिष्ट कोर'
4. 'डी.एस.ई.' का अर्थ है 'अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक'

5. 'जी.ई.' का अर्थ है 'सामान्य ऐच्छिक'

6. 'एन.एच.ई.क्यू.एफ.' का अर्थ है 'राष्ट्रीय उच्च शिक्षा योग्यता रूपरेखा'

7. 'एस.ई.सी.' का अर्थ है 'कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम'

8. 'वी.ए.सी.' का अर्थ है 'मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम'

9. 'आई.ए.पी.सी.' का अर्थ है 'इंटर्नशिप/प्रशिक्षुता/परियोजना/सामुदायिक आउटरीच'

6.विभागीय गतिविधियाँ

1.) 6 अक्टूबर, 2023 को एक यू.पी.एस.सी. सेमिनार का आयोजन किया गया और आमंत्रित अतिथि वक्ता सुश्री अरीबा नोमान, आई.पी.एस., 2021 बैच थीं, जिन्होंने 109 की प्रभावशाली अखिल भारतीय रैंक हासिल की।

2.) 25 जनवरी, 2024 को विभाग ने 75वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुश्री मीनाक्षी लेखी, विशिष्ट अतिथि श्री मनीष सिंह सहित सम्मानित अतिथियों ने भाग लिया।

3.) 1 दिसंबर, 2023 को हमारे महाविद्यालय के जीवंत युवाओं को एक साथ लाने के लिए एक युवा संसद का आयोजन किया गया।

4.) युवा संपर्क- 4 मई, 2024 को, POLITEIA ने सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस (CPP&G), इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (ISS), नई दिल्ली के सहयोग से प्रमुख नीतियों: खाद्य सुरक्षा, MGNREGA, शिक्षा का अधिकार और स्वास्थ्य पर छात्राओं का एक कार्यक्रम आयोजित किया।

5.) योग पर राष्ट्रीय सम्मेलन- 22 और 23 जून 2023 को, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और गांधी भवन में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के सहयोग से वसुधैव कुटुम्बकम के लिए योग: सार्वजनिक स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए योग पर दो दिवसीय

राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जिसके बाद सम्मेलन के माननीय निदेशक प्रो. के.पी. सिंह ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कालिंदी महाविद्यालय के छात्राओं को वहां बहुत ही आकर्षक अनुभव हुआ और उन्हें योग, आयुर्वेद और छात्र जीवन में मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों के महत्व पर अविश्वसनीय जानकारी मिली।

6.) समकालीन समय में बहुलवाद और संबंधवाद- दसवें रचनात्मक सिद्धांत संगोष्ठी ने समकालीन समय में बहुलवाद और संबंधवाद पर एक सम्मेलन की मेजबानी की। 5 और 6 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में सिद्धांतों और प्रार्थनाओं पर बहस। कई विश्वविद्यालयों के कई व्याख्याता थे, जिनमें कालिंदी महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग से एक व्याख्याता भी शामिल था।

7.) प्रोफेसर सुरेश कुमार ने सामाजिक न्याय और समानता में डॉ. अंबेडकर के योगदान पर प्रकाश डालते हुए एक व्यावहारिक भाषण दिया, डॉ. बीआर अंबेडकर व्याख्यान- महापरिनिर्वाण दिवस पर,

---

संस्कृत विभाग

1.**विभाग के बारे में संक्षिप्त परिचय:**

संस्कृत विभाग वर्ष 1967 में महाविद्यालय में शुरू किया गया था, जो बी.ए. पास कोर्स और वर्ष 1973 में बी.ए. (विशेष) और एम.ए. संस्कृत प्रदान करता है। वर्ष 2016 में, बौद्ध अध्ययन के पेपर को संस्कृत विभाग में बी.ए. प्रोग्राम कोर्स के रूप में पेश किया गया, जिसका उद्देश्य छात्राओं में गहरी रुचि विकसित करना और संस्कृत भाषा की विविधता के बारे में जागरूक करना है। संकाय न केवल संस्कृत भाषा के अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करता है, बल्कि भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और वैदिक गणित की समृद्धि का भी प्रतिनिधित्व करता है। छात्राओं के लिए बेहतर करियर के अवसरों के लिए विभिन्न पेपर पेश किए गए हैं जैसे: भारतीय

ऑन्टोलॉजी और एपिस्टेमोलॉजी, सौंदर्यशास्त्र और भारतीय रंगमंच, संस्कृत मीडिया, कंप्यूटर जागरूकता, आयुर्वेद के मूल तत्व, अभिनय और स्क्रिप्ट लेखन आदि। शिक्षक छात्राओं के समग्र विकास पर जोर देते हैं और भाषा बोलने में प्रवाह पर जोर देते हैं। इस दृष्टि से संस्कृत साहित्य परिषद संचार कौशल विकसित करने के लिए विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, वार्ताओं एवं संस्कृत सम्भाषण शिविरों का सक्रिय रूप से आयोजन करती है। हमारी संस्कृत साहित्य परिषद विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए साझा मंच प्रदान करने के लिए नियमित रूप से अनेक गतिविधियाँ आयोजित करती है, जिससे उनमें आत्मविश्वास पैदा हो और उन्हें ऐसा अवसर मिले जिससे वे ज्ञान की सभी धाराओं में सकारात्मक वातावरण का नेतृत्व कर सकें। हमारा विभाग हमेशा संस्कृत विद्वानों से सम्मानित रहा है और आज हम उनके बताए मार्ग पर चल रहे हैं।

2.पाठ्यक्रम का दायरा:

संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है। विश्व की लगभग 97% भाषाएँ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस भाषा से प्रभावित हैं। संस्कृत के शब्दकोष में सबसे अधिक शब्द (102 अरब, 78 करोड़ और 50 लाख शब्द) हैं, जो विश्व की अन्य भाषाओं की तुलना में बहुत अधिक है। निकट भविष्य में संस्कृत का दायरा कंप्यूटर और प्रौद्योगिकी में और अधिक होगा। संस्कृत का विकल्प चुनने वाले छात्राओं को विभिन्न शोध-उन्मुख क्षेत्रों में विभिन्न कैरियर के अवसर मिलते हैं और वे एलआईसी और अन्य वित्तीय संस्थानों, वैचारिक/संस्कृत/प्राच्य अनुसंधान संस्थानों में शैक्षणिक और अन्य प्रशासनिक पदों पर काम करना भी चुन सकते हैं। संस्कृत में प्रोफेसर, व्याख्याता और स्कूल शिक्षक जैसे शिक्षण के विकल्प छात्राओं के लिए सबसे संभावित कैरियर के अवसर हैं। यह पाठ्यक्रम संस्कृत-आधारित साहित्य की विभिन्न ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से संबंधित है। संस्कृत में स्नातक करने के बाद, छात्र बैंक की नौकरियों का विकल्प भी चुन सकते हैं, अनुवादक बन सकते हैं, संग्रहालयों, पुस्तकालयों में काम कर सकते हैं, समाचार वाचक बन सकते हैं और

यहां तक कि सिविल सेवाओं के लिए भी जा सकते हैं। पुस्तकालय विज्ञान, जल संरक्षण, पुरातत्व, पर्यावरण विज्ञान और मीडिया आजकल संस्कृत छात्राओं की पसंदीदा पसंद बन रहे हैं।

3.संकाय सदस्यों का विवरण:

क्रमांक सं.	नाम	पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	डॉ. हरविंदर कौर	सह -प्रोफेसर	बी.ए., एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	काव्यशास्त्र
2.	डॉ. निशा गोयल	सह -प्रोफेसर	बी.ए., एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	व्याकरण
3.	डॉ. मंजू लता	सह -प्रोफेसर	बी.ए. एम.ए. एम.फिल., पीएच.डी., बी.एड.	काव्यशास्त्र
4.	डॉ. देशराज	सहायक प्राध्यापक	बी.ए., एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	काव्यशास्त्र
5.	डॉ. शशि बाला	सहायक प्राध्यापक	बी.ए., एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	व्याकरण
6.	डॉ. दिव्या मिश्रा	सहायक प्राध्यापक	बी.ए., एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	काव्यशास्त्र
7.	डॉ. ऋचा शर्मा	सहायक प्राध्यापक	बी.ए., एम.ए., पीएच.डी.	भारतीय दर्शन

8.	डॉ. शिव कुमार	सहायक प्राध्यापक	बी.ए., एम.ए., पीएच.डी.	वैदिक अध्ययन
9.	हरप्रिया	सहायक प्राध्यापक	शास्त्री, बी.एड. एम.ए., जेआरएफ	काव्यशास्त्र
10.	डॉ. विमलेश ठाकुर	सहायक प्राध्यापक	बी.ए., एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	दर्शन
11.	डॉ. कल्पना कुमारी	सहायक प्राध्यापक	बी.ए., एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	बौद्ध दर्शन
12	डॉ. जयंत	सहायक प्राध्यापक	बी.ए., एम.ए., पीएच.डी.	बौद्ध दर्शन

4.प्रस्तावित पाठ्यक्रम:

बी.ए (विशेष) संस्कृत, बी.ए. (प्रोग्राम) संस्कृत, बी.ए. (प्रोग्राम) बौद्ध और एम.ए. संस्कृत

माध्यम: हिंदी

5.पाठ्यक्रम विवरण:

बी.ए. (विशेष)

वर्ष	**सेमेस्टर**	**कोर**	**जेनेरिक इलेक्टिव**	**एईसीसी**
पहला वर्ष	डी.एस.सी.-1(4) अनुप्रयुक्त संस्कृत	डी.एस.सी.-1(4) अनुप्रयुक्त संस्कृत	आयुर्वेद के मूल सिद्धांत	बी) उपनिषद और गीता

		डी.एस.सी.-2(4) शास्त्रीय संस्कृत कविता		
		डी.एस.सी.-(3) भारतीय सामाजिक संस्था और राजनीति		
	2	2 डी.एस.सी.-4(4) शास्त्रीय	मूल संस्कृत	
		संस्कृत साहित्य (गद्य) 2 वर्ष 3 डी.एस.सी.-7(4) शास्त्रीय संस्कृत साहित्य		
		) डी.एस.सी.-5(4) संस्कृत महाकाव्य		
		डी.एस.सी.-6(4) शास्त्रीय साहित्य		
2 वर्ष	3	डी.एस.सी.-7(4) शास्त्रीय संस्कृत साहित्य: नाटक	भारतीय पुरालेख और पुरालेखविज्ञान	आवश्यक सिद्धांत 5(C) कौटिल्य के अर्थशास्त्र में प्रशासनिक संरचना 3(C) संस्कृति और समाज
		डी.एस.सी.-8(4) संस्कृत भाषाविज्ञान		
		डी.एस.सी.-9(4) भारतीय पुरालेख 1		
		डी.एस.सी.-10(4) आधुनिक संस्कृत साहित्य	भारतीय कानूनी प्रणाली	
		डी.एस.सी.-11(4) संस्कृत और विश्व साहित्य		
		डी.एस.सी.-12(4) भारतीय पुरालेख 11		

तीसरा वर्ष	5	डी.एस.सी.-13(4) वेद और उपनिषद	संस्कृत परंपरा में ध्वन्यात्मकता	
		डी.एस.सी.-14(4) संस्कृत व्याकरण और लघुसिद्धांत उमुदी		
		डी.एस.सी.-15(4) न्याय-वैशेषिक दर्शन का परिचय		
		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें डी.एस.सी.-3(4)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें जी.ई. -5(4)	एक एस.ई.सी. चुनें या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट सामुदायिक आउटरीच (आई.ए.पी.सी.)

बी.ए. (प्रोग्राम)

वर्ष	**सेमेस्टर**	**कोर**	**जेनेरिक इलेक्टिव**	**एईसीसी**
पहला वर्ष	1	डी.एस.सी.1(4) माइनर- संस्कृत व्याकरण	भारतीय सौंदर्यशास्त्र	
		डी.एस.सी.-2(4) मेजर- संस्कृत काव्य		

	2	डी.एस.सी.-3 (4) माइनर संस्कृत गद्य	संस्कृत नैरेटोलॉजी	
		डी.एस.सी.-4 (4) मेजर- संस्कृत नाटक		
	3	डी.एस.सी.-5 (4) माइनर- संस्कृत रंगमंच	भारतीय दर्शन के मूल सिद्धांत	
		डी.एस.सी.-6(4) मेजर- गीता एवं उपनिषद		
	4	डी.एस.सी.-7(4) माइनर- धर्मशास्त्र	मौलिक बौद्ध दर्शन	
		डी.एस.सी.-8(4) मेजर- वेदों		
	5	डी.एस.सी.-9(4) माइनर- भारतीय पुरालेख का और पुरालेखविज्ञान	योग दर्शन	
	6	डी.एस.सी.-12(4) प्रमुख-भारतीय सौंदर्यशास्त्र		
		डी.एस.सी.-11(4) लघु-संस्कृत साहित्यः कथा-काव्या		

6.विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार, कार्यशालाएं, सम्मेलन

सेमिनार का शीर्षक, अभिविन्यास पाठ्यक्रम, सेमिनार, कार्यशालाएं, सम्मेलन	**द्वारा आयोजित और आयोजन की तिथि**	**प्रायोजन**	**स्तर (राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय/ राज्य/विश्वविद्यालय/महाविद्यालय**
10 दिन संस्कृत भाषण कार्यशाला	संस्कृत भारती, दिल्ली	ना	महाविद्यालय

7.**शोध परियोजनाएं:**

क्रमांक सं.	**प्रधान अन्वेषक का नाम**	**परियोजना का शीर्षक**	**वित्तपोषण**	**राशि (भारतीय रुपये में)**	**परियोजना स्थिति (प्रस्तुत/चल रही है**	**टिप्पणी यदि कोई हो (प्रकाशन/पुरस्कार/पेटेंट)**
1.	डॉ. मंजूलता	संगीत के आदिग्रंथ के रूप सामवेद (एक समीक्षात्मक अध्ययन)	ना	ना	चल रही है	ना

8.शैक्षणिक सत्र में आमंत्रित विशिष्ट वक्ताओं/अतिथियों की सूची

(i) श्री पंकज, संभाषण शिक्षक एवं स्वयंसेवक, संस्कृत भारती, दिल्ली
(ii) डॉ. धनंजय, प्रांत प्रचार प्रमुख एवं सहयोगी
(iii) डॉ. आशुतोष दयाल माथुर, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, सेंट स्टीफंस महाविद्यालय

बी.ए प्रोग्राम विभाग

1.विभाग के बारे में संक्षिप्त परिचय:

संयोजक: डॉ. अनीता टैगोर, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग

सह संयोजक: सुश्री अनुराधा कोटियाल, सहायक प्रोफेसर, संगीत विभाग

2.पाठ्यक्रम का दायरा:

बी.ए प्रोग्राम पाठ्यक्रम प्रकृति में अंतःविषयक है और छात्राओं को दो अनुशासन पाठ्यक्रमों का चयन करने की आवश्यकता होती है। बी.ए प्रोग्राम के लिए पाठ्यक्रम हर विषय के अनुसार अलग-अलग होता है। लेकिन कुछ विषय हैं जैसे एम.आई.एल हिंदी, अंग्रेजी और पर्यावरण विज्ञान जो सभी विषयों के लिए समान हैं।

बी.ए प्रोग्राम की डिग्री प्राप्त करने के बाद छात्र विभिन्न क्षेत्रों में अपना करियर बना सकते हैं। आगे की पढ़ाई कर सकते हैं यानी अपनी पसंद के किसी भी विषय में मास्टर पाठ्यक्रम कर सकते हैं या स्नातक के दौरान उसी विषय में पढ़ाई कर सकते हैं। इसके अलावा, छात्र कानून, प्रबंधन पाठ्यक्रम या किसी अन्य विशेष पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सकते हैं और सभी सरकारी क्षेत्र की प्रवेश-आधारित सेवाओं के लिए पात्र बन सकते हैं।

3.शिक्षण का माध्यम: अंग्रेजी/हिंदी

4.पाठ्यक्रम विवरण: स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा (यूजीसीएफ)

छात्राओं को निम्नलिखित अनुशासन संयोजन प्रदान किये जाते हैं:

क्र. सं.	**बी.ए. (प्रोग्राम) के लिए अनुशासन संयोजन**
1	बी.ए. प्रोग्राम (बौद्ध अध्ययन + इतिहास)
2	बी.ए. प्रोग्राम (बौद्ध अध्ययन + संगीत)
3	बी.ए. प्रोग्राम (बौद्ध अध्ययन + राजनीति विज्ञान)
4	बी.ए. प्रोग्राम (कम्प्यूटर साइंस + अर्थशास्त्र)
5	बीए प्रोग्राम (कंप्यूटर साइंस + उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी))
6	बी.ए. प्रोग्राम (कम्प्यूटर साइंस + भूगोल)

7	बी.ए. प्रोग्राम (कम्प्यूटर साइंस + गणित)
8	बीए कार्यक्रम (अर्थशास्त्र + उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी))
9	बी.ए. कार्यक्रम (अर्थशास्त्र + भूगोल)
10	बी.ए. प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + इतिहास)
11	बी.ए. प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + गणित)
12	बी.ए. प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + राजनीति विज्ञान)
१३	बी.ए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + भूगोल)
14	बी.ए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + इतिहास)
15	बी.ए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + गणित)
16	बी.ए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + राजनीति विज्ञान)
17	बी.ए. प्रोग्राम (भूगोल + इतिहास)
18	बी.ए. प्रोग्राम (भूगोल + गणित)
19	बी.ए. प्रोग्राम (भूगोल + राजनीति विज्ञान)
20	बी.ए. प्रोग्राम (इतिहास + संगीत)
21	बी.ए. प्रोग्राम (इतिहास + राजनीति विज्ञान)
22	बी.ए. प्रोग्राम (संगीत + राजनीति विज्ञान)
23	बी.ए. प्रोग्राम (संस्कृत + बौद्ध अध्ययन)
24	बी.ए. प्रोग्राम (संस्कृत + इतिहास)
25	बी.ए. प्रोग्राम (संस्कृत + संगीत)
26	बी.ए. प्रोग्राम (संस्कृत + राजनीति विज्ञान)

सीट आवंटन

क्रमांक	विषय	प्रस्तावित सीटों की संख्या						
		कुल सीटें	सामान्य श्रेणी	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	ईडब्ल्यूएस	अल्पसंख्यक
1	बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	78	31	12	6	21	8	NA
2	बी.ए (ऑनर्स) अंग्रेजी	78	31	12	6	21	8	NA
3	बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल	58	24	9	4	16	5	NA
4	बी.ए (ऑनर्स) हिंदी	78	31	12	6	21	8	NA
5	बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास	78	31	12	6	21	8	NA
6	बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता	58	24	9	4	16	5	NA
7	बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	154	62	23	12	42	15	NA
8	बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत	78	31	12	6	21	8	NA
9	बी ० ए प्रोग्राम	289	117	43	22	78	29	NA
10	बी.कॉम	115	46	17	9	31	12	NA
11	बी.कॉम (ऑनर्स)	58	24	9	4	16	5	NA
12	बी.एस.सी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान	40	16	6	3	11	4	NA
13	बी.एस.सी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान	40	16	6	3	11	4	NA
14	बी.एस.सी (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस	58	24	9	4	16	5	NA
15	बी.एस.सी (ऑनर्स) गणित	39	16	6	3	11	3	NA
16	बी.एस.सी (ऑनर्स) भौतिकी	39	16	6	3	11	3	NA
17	बी.एस.सी (ऑनर्स) जूलॉजी	40	16	6	3	11	4	NA

18	बी.एस.सी (जीवन विज्ञान)	78	31	12	6	21	8	NA
19	बी.एस.सी भौतिक विज्ञान	58	24	9	4	16	5	NA
पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री								
20	एम.ए.हिन्दी	19	8	3	1	5	2	NA
21	एम.ए. राजनीति विज्ञान	19	8	3	1	5	2	NA
22	एम.ए संस्कृत	19	8	3	1	5	2	NA

बी.ए. प्रोग्राम में कॉलेज द्वारा पेश किए जाने वाले अनुशासन पत्रों का संयोजन और सीटें

प्रस्तावित सीटों की संख्या								
बीए (प्रोग) के लिए अनुशासन संयोजन	कुल सीटें	सामान्य श्रेणी	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	ईडब्ल्यूएस	अल्पसंख्यक	महिला उम्मीदवार को प्रदान की जाने वाली 1% रियायत (Y/N)
बी.ए प्रोग्राम (बौद्ध अध्ययन + इतिहास)	5	2	1	0	1	1	NA	N
बी.ए प्रोग्राम (बौद्ध अध्ययन + संगीत)	4	2	1	0	1	0	NA	N
बी.ए प्रोग्राम (बौद्ध अध्ययन + राजनीति विज्ञान)	8	2	1	1	3	1	NA	N
बी.ए प्रोग्राम (कंप्यूटर अप्लाई + अर्थशास्त्र)	13	5	2	1	4	1	NA	N
बी.ए. कार्यक्रम (कंप्यूटर अनुप्रयोग + उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी))	8	3	1	1	2	1	NA	N
बी.ए प्रोग्राम (कंप्यूटर उपकरण.. + भूगोल)	7	2	1	1	2	1	NA	N
बी.ए प्रोग्राम (कंप्यूटर अप्लायंट + गणित)	12	4	2	1	3	2	NA	N
बी.ए प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी))	13	5	2	1	4	1	NA	N
बी.ए कार्यक्रम (अर्थशास्त्र + भूगोल)	18	7	3	1	5	2	NA	N
बी.ए प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + इतिहास)	18	7	3	1	5	2	NA	N
बी.ए प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + गणित)	10	4	1	1	3	1	NA	N
बी.ए प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + राजनीति विज्ञान)	33	17	4	1	8	3	NA	N

बी.ए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + भूगोल)	5	2	1	0	1	1	NA	N
बी.ए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + इतिहास)	4	2	1	0	1	0	NA	N
बी.ए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + गणित)	9	4	1	1	2	1	NA	N
बी.ए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + राजनीति विज्ञान)	8	3	1	1	2	1	NA	N
बी.ए कार्यक्रम (भूगोल + इतिहास)	7	2	1	1	2	1	NA	N
बी.ए कार्यक्रम (भूगोल + गणित)	8	3	1	1	2	1	NA	N
बी.ए प्रोग्राम (भूगोल + राजनीति विज्ञान)	20	8	3	2	5	2	NA	N
बी.ए कार्यक्रम (इतिहास + संगीत)	4	2	1	0	1	0	NA	N
बी.ए कार्यक्रम (इतिहास + राजनीति विज्ञान)	15	6	2	1	4	2	NA	N
बी.ए कार्यक्रम (संगीत + राजनीति विज्ञान)	10	3	2	1	3	1	NA	N
बी.ए प्रोग्राम (संस्कृत + बौद्ध अध्ययन)	8	4	1	1	2	0	NA	N
बी.ए कार्यक्रम (संस्कृत + इतिहास)	17	8	2	1	5	1	NA	N
बी.ए प्रोग्राम (संस्कृत + संगीत)	8	4	1	1	2	0	NA	N
बी.ए कार्यक्रम (संस्कृत + राजनीति विज्ञान)	17	6	3	1	5	2	NA	N

शुल्क संरचना

स्नातक प्रथम वर्ष शुल्क संरचना 2024-25

DU Notification No. Acad.1/UG & PG Fee/2024-25/228 date: 21.06.2024

क्रमांक संख्या	शीर्षक	बी.ए. / बी.कॉम / बी.ए. (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र, हिंदी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी और संस्कृत)	बी.ए. संगीत संयोजन	बी.कॉम (ऑनर्स)	भूगोल (ऑनर्स)	पत्रकारिता (ऑनर्स)	बी.एससी (ऑनर्स) - गणित / वनस्पति विज्ञान / जन्तुविज्ञान / रसायन विज्ञान / भौतिकी / जीवन विज्ञान	बी.एससी (भौतिकी) / बी.ए. (प्रोग) कम. एप्ल.	बी.एससी (ऑनर्स) कम्प्यूटर विज्ञान
1	विश्वविद्यालय छात्र कल्याण कोष	250	250	250	250	250	250	250	250
2	विश्वविद्यालय विकास निधि	1200	1200	1200	1200	1200	1200	1200	1200
3	विश्वविद्यालय सुविधाएं और सेवा शुल्क	1250	1250	1250	1250	1250	1250	1250	1250
4	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए सहयोग	200	200	200	200	200	200	200	200
5	शिक्षा शुल्क	180	180	180	180	180	180	180	180
6	महाविद्यालय छात्र कल्याण कोष	3350	3350	3350	3350	3350	3350	3350	3350
7	महाविद्यालय विकास निधि	2900	3200	4900	6400	15350	6900	6600	22850
8	महाविद्यालय सुविधाएं और सेवा शुल्क	1205	1205	1255	1255	1255	1255	1255	1255
	कुल	10535	10835	12585	14085	23035	14585	14285	30535
9	सुरक्षा जमा राशि	500	500	550	550	550	550	550	550
	कुल योग	11035	11335	13135	14635	23585	15135	14835	31085
	विकलांग व्यक्ति के लिए शुल्क (PWD Fee): Rs.105/-								

स्नातक द्वितीय और तृतीय वर्ष शुल्क संरचना 2024-25

DU Notification No. Acad.1/UG & PG Fee/2024-25/228 date: 21.06.2024

क्रमांक संख्या	शीर्षक	बी.ए./ बी. कॉम./ बी.ए. (विशेष) अर्थशास्त्र, हिंदी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी और संस्कृत	बी.ए. संगीत संयोजन	बी. कॉम. (विशेष)	भूगोल (विशेष)	पत्रकारिता (विशेष)	बी.एससी. (विशेष)- गणित/ वनस्पति विज्ञान/ जंतुशास्त्र/ रसायनविज्ञान/ भौतिकी/ जीवन विज्ञान	बी.एससी. (भौतिक विज्ञान) / बी.ए. प्रोग्राम (कंप्यूटर एप्लिकेशन)	बी.एससी. (विशेष) कंप्यूटर विज्ञान	बी.वोक (वेब डिज़ाइनिंग)
1	विश्वविद्यालय छात्र कल्याण कोष	250	250	250	250	250	250	250	250	250
2	विश्वविद्यालय विकास निधि	1200	1200	1200	1200	1200	1200	1200	1200	1200
3	विश्वविद्यालय सुविधाएं और सेवा शुल्क	1250	1250	1250	1250	1250	1250	1250	1250	1250
4	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए सहयोग	200	200	200	200	200	200	200	200	200
5	शिक्षा शुल्क	180	180	180	180	180	180	180	180	180
6	महाविद्यालय छात्र कल्याण कोष	3350	3350	3350	3350	3350	3350	3350	3350	3350
7	महाविद्यालय विकास निधि	2900	3200	4900	6400	15350	6900	6600	22850	18603
8	महाविद्यालय सुविधाएं और सेवा शुल्क	1200	1200	1250	1250	1250	1250	1250	1250	1250
	कुल	10530	10830	12580	14080	23030	14580	14280	30530	26283
9	सुरक्षा जमा राशि	0	0	50	50	50	50	50	50	50
	कुल योग	10530	10830	12630	14130	23080	14630	14330	30580	26333
	विकलांग व्यक्ति के लिए शुल्क (PWD Fee): Rs.100/-									

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध वर्ष शुल्क संरचना 2024-25

DU Notification No. Acad.1/UG & PG Fee/2024-25/228 date: 21.06.2024

क्रमांक संख्या	शीर्षक	एम.ए. (पूर्वार्द्ध वर्ष)	एम.ए. (पूर्वार्द्ध वर्ष) पी.डब्लू.डी.
1	विश्वविद्यालय छात्र कल्याण कोष	250	62.5
2	विश्वविद्यालय विकास निधि	1200	300
3	विश्वविद्यालय सुविधाएं और सेवा शुल्क	1250	312.5
4	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग विश्वविद्यालय निधि का समर्थन करता है	200	50
5	शिक्षा शुल्क	216	54
6	महाविद्यालय छात्र कल्याण कोष	2120	530
7	महाविद्यालय विकास निधि	820	205
8	महाविद्यालय सुविधाएं और सेवा शुल्क	565	141.25
	कुल	**6621**	**1655.25**
	सुरक्षा जमा राशि	60	60
	कुल योग	**6681**	**1715.25**
	विकलांग व्यक्ति के लिए शुल्क (PWD Fee): 25%		**1716**

स्नात्तकोत्तर अंतिम वर्ष शुल्क संरचना 2024-25

DU Notification No. Acad.1/UG & PG Fee/2024-25/228 date: 21.06.2024

क्रमांक संख्या	शीर्षक	एम.ए. (अंतिम वर्ष)	एम.ए. (अंतिम वर्ष) पी.डब्लू.डी.
1	विश्वविद्यालय छात्र कल्याण कोष	250	62.5
2	विश्वविद्यालय विकास निधि	1200	300
3	विश्वविद्यालय सुविधाएं और सेवा शुल्क	1250	312.5
4	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग विश्वविद्यालय निधि का समर्थन करता है	200	50
5	शिक्षा शुल्क	216	54
6	महाविद्यालय छात्र कल्याण कोष	2120	530
7	महाविद्यालय विकास निधि	820	205
8	महाविद्यालय सुविधाएं और सेवा शुल्क	560	140
	कुल	**6616**	**1654**
9	सुरक्षा जमा राशि	0	0
	कुल योग	**6616**	**1654**
	विकलांग व्यक्ति के लिए शुल्क (PWD Fee): 25%		**1654**

शुल्क में छूट और छात्रवृत्ति

क्रम सं	छात्रवृत्ति का नाम	पुरस्कार
1	रजत जयंती छात्रवृत्ति	महाविद्यालय की सर्वश्रेष्ठ छात्रा
2	सुषमा गुप्ता छात्रवृत्ति	महाविद्यालय की दूसरी सर्वश्रेष्ठ छात्रा
3	औध्या गुप्ता मेमोरियल छात्रवृत्ति	द्वितीय वर्ष की सर्वश्रेष्ठ छात्रा
4	इकबाल देवी मेमोरियल छात्रवृत्ति	प्रथम वर्ष की सर्वश्रेष्ठ छात्रा
5	गणेश दास अग्निहोत्री स्मारक छात्रवृत्ति	वाणिज्य की सर्वश्रेष्ठ छात्रा
6	सरदार बख्शीश सिंह लांबा मेमोरियल छात्रवृत्ति	बी.एस.सी. (जी) की सर्वश्रेष्ठ छात्रा
7	विद्यावती अरोड़ा मेमोरियल छात्रवृत्ति	ऑनर्स कोर्स की सर्वश्रेष्ठ छात्रा
8	डॉ. एमपी गुप्ता छात्रवृत्ति	सर्वश्रेष्ठ एनसीसी कैडेट
9	श्री राज कुमार ग्रोवर छात्रवृत्ति	पत्रकारिता (ऑनर्स) की सर्वश्रेष्ठ छात्रा
10	श्रीमती आशा रानी सेठी स्मारक छात्रवृत्ति	कंप्यूटर विज्ञान की सर्वश्रेष्ठ छात्रा
11	माता अमृता नानादमयी छात्रवृत्ति	प्रथम / द्वितीय वर्ष की सर्वश्रेष्ठ एवं जरूरतमंद छात्रा ।
12	शकुंतला गुलाटी छात्रवृत्ति	प्रथम वर्ष राजनीति विज्ञान (ऑनर्स) में 55% से अधिक अंक प्राप्त करने के लिए
13	सुल्तान चंद मेमोरियल छात्रवृत्ति	बी.कॉम (ऑनर्स) प्रथम वर्ष में सर्वोच्च अंक
14	डॉ. के. इंदिरा कृष्ण स्मारक छात्रवृत्ति	उच्चतम अंक- बी.एस.सी. तृतीय वर्ष जीव विज्ञान, भाग-II (न्यूनतम 60%)
		उच्चतम अंक- बी.एस.सी. तृतीय वर्ष अनुप्रयुक्त जीव विज्ञान, भाग-II (न्यूनतम 60%)
		उच्चतम अंक- बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष जीव विज्ञान, भाग-I – जीव विज्ञान (न्यूनतम 60%)
		उच्चतम अंक- बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष अनुप्रयुक्त जीव

		विज्ञान, भाग-I – जीवविज्ञान (न्यूनतम 60%)
15	उषा अग्रवाल तेजस्वी / तेजस्विनी छात्रवृत्ति	बी.कॉम (प्रोग्राम) प्रथम वर्ष का नया पाठ्यक्रम, उच्चतम अंक प्राप्त किए। (सभी पेपरों में आंतरिक और बाह्य कुल मिलाकर 70 से अधिक) दिल्ली में।
		बी.कॉम (प्रोग्राम) द्वितीय वर्ष परीक्षा उपरोक्त के समान।
16	उषा आहूजा छात्रवृत्ति	अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर उपलब्धियों के साथ खेल श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ छात्रा
17	श्री शेर सिंह मंगला छात्रवृत्ति	कला स्ट्रीम में सर्वोच्च अंक (केवल आरक्षित श्रेणी)
18	डॉ. मिस उषा अग्रवाल ट्रस्ट छात्रवृत्ति	बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय सेमेस्टर का परिणाम (कुल का उच्चतम %) तृतीय सेमेस्टर में दिया जाएगा।
19	डॉ. मिस उषा अग्रवाल ट्रस्ट छात्रवृत्ति बंदोबस्ती।	बी.कॉम (ऑनर्स) चतुर्थ सेमेस्टर में महाविद्यालय के सभी पेपरों में अंकों का उच्चतम %।
20	डॉ. मिस उषा अग्रवाल ट्रस्ट छात्रवृत्ति बंदोबस्ती	"बी.कॉम(प्रोग्राम) तृतीय सेमेस्टर के परिणाम में सर्वोच्च अंक"
		चतुर्थ सेमेस्टर के बी.कॉम(प्रोग्राम) परिणाम में सर्वोच्च अंक
21	डॉ. निर्मल कपिल छात्रवृत्ति	छात्र संघ के सर्वश्रेष्ठ उत्कृष्ट पदाधिकारी
22	पुराने छात्र संघ छात्रवृत्ति	विज्ञान में भाग-I के सभी ऑनर्स पाठ्यक्रमों में दूसरे सबसे अधिक अंक"
		"कला में भाग-I के सभी ऑनर्स पाठ्यक्रमों में दूसरे सबसे अधिक अंक
23	छात्र संघ छात्रवृत्तियाँ	सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को दिया जाता है (परन्तु 55% से कम नहीं)
		बी.एस.सी (ऑनर्स) भौतिकी भाग-I
		बी.एस.सी (ऑनर्स) भौतिकी भाग-II

24	छात्र संघ छात्रवृत्ति	सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्राओं के लिए छात्र संघ छात्रवृत्ति
		बी.एस.सी भौतिक विज्ञान भाग-I
		बी.एस.सी भौतिक विज्ञान भाग-II
		एम.ए हिंदी(प्रथम वर्ष)
25	छात्र संघ छात्रवृत्ति	सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्राओं के लिए छात्र संघ छात्रवृत्ति
		बी.एस.सी (ऑनर्स) गणित भाग –I
		बी.एस.सी (ऑनर्स) गणित भाग-II
		एम.ए संस्कृत भाग –I
26	श्री सुल्तान चंद स्मारक छात्रवृत्ति बंदोबस्ती	बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष में सर्वोच्च अंक कुल मिलाकर 70% से अधिक प्राप्त किए
27	डीएन दीवान छात्रवृत्ति	संस्कृत ऑनर्स के किसी भी तीसरे वर्ष का गरीब छात्र
28	छात्र संघ छात्रवृत्तियाँ	सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्राओं को दिया जाता है (परन्तु 55% से कम नहीं)
		बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र भाग-I
		बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रजी भाग-I
		बी.ए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र भाग-II
		बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रजी भाग-II
29	छात्र संघ छात्रवृत्ति	बी.ए (ऑनर्स) पत्रकारिता परीक्षा भाग-I और भाग-II में प्रथम स्थान पाने वाले छात्र
30	छात्र संघ छात्रवृत्ति	एम.ए (पूर्व) राजनीति विज्ञान में सर्वोच्च अंक (परन्तु 55% से कम नहीं)
31	स्वर्ण जयंती छात्रवृत्ति	महाविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण छात्रा (तीनों स्ट्रीम में)

32	डॉ. मालती छात्रवृत्ति	ओबीसी श्रेणी में बी.ए (ऑनर्स) हिंदी में सर्वोच्च अंक (55% से अधिक अंक)
33	डॉ. अनुला मौर्य छात्रवृत्ति	दिव्यांग श्रेणी में महाविद्यालय का मेधावी छात्र
34	रोहित मल्होत्रा छात्रवृत्ति	बी.कॉम (ऑनर्स) प्रथम वर्ष की छात्रा को दिया गया (जिसे वित्तीय सहायता की सख्त जरूरत है (1)
		छात्रवृत्ति पाठ्यक्रम पूरा होने तक जारी रहेगी तथा हर वर्ष इसका नवीनीकरण किया जाएगा) (2)
		छात्रवृत्ति पाठ्यक्रम पूरा होने तक जारी रहेगी तथा हर वर्ष इसका नवीनीकरण किया जाएगा) (3)
35	रोहित मल्होत्रा छात्रवृत्ति	मेरिट छात्रवृत्ति निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में सेम I, II और III में सर्वोच्च (संचयी%) अंक प्राप्त करने वाले छात्राओं को सम्मानित किया जाता है
		बी कॉम (प्रोग्राम)
		बी कॉम (ऑनर्स)
		बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र
		बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी
		बीए (ऑनर्स) पत्रकारिता
		बी.एस.सी (एच) गणित
		बी.एस.सी (एच) भौतिकी
		बी.एस.सी (एच) कंप्यूटर विज्ञान
36	रोहित मल्होत्रा छात्रवृत्ति	विशेष आवश्यकता वाली सर्वश्रेष्ठ छात्रा को पुरस्कृत किया गया
		नोट: उपरोक्त श्रेणी के छात्र की अनुपलब्धता की स्थिति में, यह किसी भी श्रेणी/पाठ्यक्रम के मेधावी जरूरतमंद

		छात्र को प्रदान किया जाएगा।
37	स्वर्गीय प्रोफेसर बीपी मौर्य स्मारक छात्रवृत्ति	सभी तीन धाराओं (मानविकी, विज्ञान और वाणिज्य) से कमजोर वर्ग (आर्थिक रूप से कमजोर) के सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण छात्र
38	श्रीमती प्रकाशवती ननचहल छात्रवृत्ति	बी.एस.सी लाइफ साइंस भाग-II परीक्षा में वनस्पति विज्ञान के पेपर में सर्वोच्च अंक
39	श्रीमती लीला सहगल छात्रवृत्ति	बी.एस.सी लाइफ साइंस भाग-I परीक्षा में वनस्पति विज्ञान के पेपर में सर्वोच्च अंक
40	मंजू गंभीर मेमोरियल छात्रवृत्ति	तृतीय वर्ष के वाणिज्य वर्ग का आर्थिक रूप से कमजोर छात्रा, जिसका शैक्षणिक रिकॉर्ड अच्छा है
41	श्रीमती सत्यवती देवी छात्रवृत्ति	द्वितीय या तृतीय वर्ष से बीए (ऑनर्स) हिंदी में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली मेधावी छात्रा (केवल आरक्षित श्रेणी)
42	श्री सूबेदार सिंह छात्रवृत्ति	तृतीय वर्ष का मेधावी एनसीसी छात्र (नोट: छात्रा को तीनों वर्षों तक एनसीसी के प्रति समर्पित होना चाहिए)
43	स्वदेश कुमार नंदा छात्रवृत्ति	रसायन विज्ञान (ऑनर्स) में सर्वोच्च अंक – तृतीय परीक्षा
44	आरएस रॉय मेमोरियल छात्रवृत्ति	वनस्पति विज्ञान (ऑनर्स) में सर्वोच्च अंक, द्वितीय वर्ष, (तृतीय+चतुर्थ सेमेस्टर)
45	बिद्यापति मिश्रा मेमोरियल छात्रवृत्ति	वनस्पति विज्ञान (ऑनर्स) में सर्वोच्च अंक, प्रथम वर्ष (प्रथम+द्वितीय सेमेस्टर)
46	सरोज चावला छात्रवृत्ति	अर्थशास्त्र (ऑनर्स) तृतीय वर्ष का छात्र जिसने तीन वर्षों में सर्वाधिक सीजीपीए प्राप्त किया है

परिणाम एक दृष्टि में

क्र. सं.	पुरस्कार	पुरस्कार के लिए मानदंड	नाम	पाठ्यक्रम	वर्ष	अनुक्रमांक
1	नरगिस सुनील दत्त गर्ल ऑफ द ईयर	अधिकतम पुरस्कार के लिए	भूमि	बी.कॉम.	तृतीय वर्ष	22033503095
2	प्रिंसिपल शिव दुआ मेमोरियल पुरस्कार	सामाजिक विज्ञान के सर्वश्रेष्ठ छात्र के लिए	कशिश अरोड़ा	बी.ए. (प्रोग्राम)	तृतीय वर्ष	21033501162
3	आदर्श कुमारी जैन स्मृति पुरस्कार	बहस के लिए	दीक्षा काजला	बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	तृतीय वर्ष	21527015
4	आशा मेमोरियल पुरस्कार	छात्र जैसा उचित समझे	सान्या	बी.ए. (प्रोग्राम)	तृतीय वर्ष	21501315
5	श्रीमती राज कुमारी बेरी पुरस्कार	गरीब छात्राओं की मदद करें	मुस्कान	बी.एससी. (ऑनर्स) गणित	तृतीय वर्ष	21563027
6	प्रिंसिपल पुरस्कार	सर्वांगीण छात्र के लिए	निकिता भारद्वाज	बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	तृतीय वर्ष	21033510028
7	शिव पाल गोयल स्मृति पुरस्कार	शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए	सृष्टि शर्मा	बी.एस.सी. (भौतिक विज्ञान)	तृतीय वर्ष	21033582040
8	सर्वांगीण उत्कृष्टता पुरस्कार	शिक्षाविदों के लिए	अंजलि चौहान	बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी	तृतीय वर्ष	21033567002

9	प्रकाशवती कपूर मेमोरियल पुरस्कार	वर्ष की सर्वश्रेष्ठ लड़की	श्रुति श्रीवास्तव	बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान	तृतीय वर्ष	21033556023

विभिन्न पाठ्यक्रमों में "O" ग्रेड प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या

पाठ्यक्रम	**ओ ग्रेड वाले छात्राओं की संख्या**
बी. वोक	45
वनस्पति विज्ञान	18
रसायन विज्ञान	54
व्यापार	43
कंप्यूटर विज्ञान	128
अर्थशास्त्र	12
अंग्रेज़ी	1
भूगोल	49
हिंदी	2
इतिहास	1
पत्रकारिता	70
अंक शास्त्र	64
भौतिक विज्ञान	7
राजनीति विज्ञान	4
संस्कृत	32
जूलॉजी	30

प्रॉक्टोरियल बोर्ड

संयोजक: सुश्री अंशु चोटानी

सह-संयोजक: डॉ. रजनी कंवर

प्रॉक्टोरियल बोर्ड महाविद्यालय में अनुशासन बनाए रखने के लिए चिंतित है। इसके कार्य दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV-B द्वारा शासित हैं। महाविद्यालय अपने छात्राओं से अपेक्षा करता है कि वे संस्थान की गरिमा को बनाए रखें और एक अनुकरणीय तरीके से कार्य करें। प्रत्येक छात्र, उपर्युक्त अध्यादेश में निर्धारित प्रावधानों के अलावा, महाविद्यालय के नियमों का पालन करेगा और देश का कानून का पालन करने वाला नागरिक होगा।

अध्यादेश XV-बी

विश्वविद्यालय के छात्राओं में अनुशासन बनाए रखना

1.अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित सभी शक्तियां कुलपति में निहित हैं।

2. कुलपति सभी या ऐसी शक्तियां, जिन्हें वह उचित समझें, कुलानुशासक को तथा ऐसे अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें वह इस संबंध में निर्दिष्ट करें, सौंप सकेंगे।

3. अध्यादेश के तहत अनुशासन लागू करने की सामान्य शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, निम्नलिखित कार्य घोर अनुशासनहीनता के कृत्य माने जाएंगे।

- किसी भी संस्थान/विभाग के शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ के किसी भी सदस्य तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी छात्र के विरुद्ध शारीरिक हमला या शारीरिक बल प्रयोग की धमकी।
- हथियार ले जाना, प्रयोग करना या प्रयोग करने की धमकी देना।
- नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों का कोई भी उल्लंघन।

- अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्राओं की स्थिति, गरिमा एवं सम्मान का उल्लंघन:
- कोई भी व्यवहार - चाहे मौखिक हो या अन्यथा - महिलाओं के प्रति अपमानजनक हो।
- किसी भी तरह से रिश्वत देने या भ्रष्टाचार का कोई भी प्रयास।
- संस्थागत संपत्ति का जानबूझकर विनाश।
- धार्मिक या सांप्रदायिक आधार पर दुर्भावना या असहिष्णुता पैदा करना।
- विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षणिक कामकाज में किसी भी तरह से व्यवधान उत्पन्न करना।
- अध्यादेश XV-C के अनुसार रैगिंग।

4. अनुशासन बनाए रखने और अनुशासन बनाए रखने के हित में ऐसी कार्रवाई करने के संबंध में, जो उन्हें उचित लगे, कुलपति अपनी पूर्वोक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश दे सकते हैं या निर्देश दे सकते हैं कि कोई भी छात्र या छात्रा

- निष्कासित किया जाए: या
- एक निश्चित अवधि के लिए निष्कासित किया जाना: या
- किसी महाविद्यालय में अध्ययन के किसी पाठ्यक्रम या पाठ्यक्रमों में निर्दिष्ट अवधि के लिए प्रवेश नहीं दिया जाएगा,
- विश्वविद्यालय का विभाग या संस्थान: या
- निर्धारित राशि का जुर्माना लगाया जा सकता है: या

- एक या अधिक वर्षों के लिए विश्वविद्यालय या महाविद्यालय या विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं देने से वंचित किया जाना: या
- संबंधित छात्र/छात्राओं का परीक्षा या परीक्षाएं जिसमें वह उपस्थित हुए हैं, परिणाम रद्द कर दिया जाए।

कॉलेजों के प्रिंसिपल, हॉल के प्रमुख, संकायों के डीन, विश्वविद्यालय में शिक्षण विभागों के प्रमुख, पत्राचार पाठ्यक्रम और सतत शिक्षा स्कूल के प्रिंसिपल और लाइब्रेरियन को विश्वविद्यालय में अपने संबंधित कॉलेजों, संस्थानों, संकायों और शिक्षण विभागों में छात्राओं पर ऐसी सभी अनुशासनात्मक शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार होगा, जो संस्थानों, हॉल और संबंधित विभागों में शिक्षण के उचित संचालन के लिए आवश्यक हो सकती हैं। वे अपने कॉलेजों, संस्थानों या विभागों में ऐसे शिक्षकों के माध्यम से अपने अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं या उन्हें अधिकार सौंप सकते हैं जिन्हें वे इन उद्देश्यों के लिए निर्दिष्ट कर सकते हैं।

कुलपति और प्रॉक्टर की शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अनुशासन और उचित आचरण के विस्तृत नियम बनाए जाएंगे। इन नियमों को, जहाँ आवश्यक हो, इस विश्वविद्यालय में महाविद्यालयों के प्राचार्यों, हॉल के प्रमुखों, संकायों के डीन और शिक्षण विभागों के प्रमुखों द्वारा पूरक बनाया जा सकता है। प्रत्येक छात्र से अपेक्षा की जाएगी कि वह इन नियमों की एक प्रति स्वयं उपलब्ध कराए।

प्रवेश के समय, प्रत्येक छात्र को एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करना होगा कि प्रवेश के समय वह कुलपति तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न प्राधिकारियों के अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकार के अधीन है, जिन्हें अनुशासन लागू करने का प्राधिकार दिया गया है।

महिला हेल्पलाइन नं.

क्र.सं	**स्रोत का नाम**	**हेल्पलाइन नंबर**
1.	पुलिस	100

2.	महिला हेल्पलाइन	1091
3.	विशेष प्रकोष्ठ (पूर्वोत्तर राज्यों के लिए)	1093

महिला सुरक्षा आवेदन

क्र.सं	आवेदन का नाम	ऐप लिंक
1.	हिम्मत प्लस	https://play.google.com/store/apps/details?id=com.dp.himmat
2.	मेरा सेफ्टीपिन	https://play.google.com/store/apps/details?id=com.safetipin.mysafetipin
3.	लेट्सट्रैक	https://play.google.com/store/apps/details?id=com.pb.letstrakpro

महाविद्यालय के नियम और विनियम

महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों से अपेक्षा करता है कि वे महाविद्यालय में अनुशासित और सम्मानजनक तरीके से आचरण करें।

कुछ प्रावधान इस प्रकार हैं:

छात्र अपने आचरण के लिए प्राचार्य के प्रति उत्तरदायी हैं और उन्हें महाविद्यालय के अंदर या बाहर ऐसा कुछ भी करने से मना किया जाता है जो अनुशासन का उल्लंघन या महाविद्यालय में हस्तक्षेप के बराबर हो। अनुशासन के किसी भी नियम का उल्लंघन करने पर छात्र पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अनुशासनात्मक कार्रवाई में चेतावनी, और/या जुर्माना, और/या महाविद्यालय लाइब्रेरी के उपयोग से या यहां तक कि महाविद्यालय से निलंबन, या दिल्ली विश्वविद्यालय के अनुशासन नियमों के अध्यादेश XV(B) और XV(C) में दिए गए किसी भी तरह के प्रावधान शामिल हो सकते हैं।

प्राचार्य की पूर्व अनुमति के बिना महाविद्यालय में कोई सोसायटी नहीं बनाई जा सकेगी और न ही किसी व्यक्ति को बैठक को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया जा सकेगा।

छात्र अपनी साइकिल, स्कूटर या मोटरसाइकिल, कार को पार्किंग क्षेत्र में अपने जोखिम पर बंद करके छोड़ेंगे। महाविद्यालय भवन के किसी अन्य भाग में कोई साइकिल, स्कूटर या मोटरसाइकिल पार्क नहीं की जाएगी।

कोई भी छात्र प्राचार्य की पूर्व/लिखित अनुमति के बिना किसी बाहरी व्यक्ति/पुलिस या किसी अन्य अनधिकृत व्यक्ति को महाविद्यालय में आमंत्रित नहीं कर सकता।

प्रत्येक छात्र को कुलपति, विश्वविद्यालय और कालिंदी महाविद्यालय के विभिन्न प्राधिकारियों के अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकार के अधीन रहना होगा, जिन्हें विश्वविद्यालय और महाविद्यालय प्राधिकारियों द्वारा

बनाए गए अधिनियमों, परिनियमों, अध्यादेशों और नियमों के अंतर्गत अनुशासन लागू करने का अधिकार दिया जा सकता है।

महाविद्यालय परिसर या दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी अन्य भाग के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन में किसी भी रूप में रैगिंग करना सख्त वर्जित है। रैगिंग के लिए उकसाना भी रैगिंग माना जाएगा। रैगिंग का कोई भी व्यक्तिगत या सामूहिक कृत्य या अभ्यास घोर अनुशासनहीनता है और उसके खिलाफ अध्यादेश XV(C) के तहत कार्रवाई की जाएगी।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार, महाविद्यालय परिसर के अंदर धूम्रपान करना सख्त वर्जित है। दिल्ली विश्वविद्यालय तंबाकू मुक्त वातावरण को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली पुलिस और वर्ल्ड लंग फाउंडेशन-साउथ एशिया के साथ साझेदारी कर रहा है। इसी दिशा में एक कदम के रूप में, कालिंदी महाविद्यालय में धूम्रपान पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

प्रवेश के समय, महाविद्यालय में प्रत्येक छात्रा को एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करना आवश्यक होता है कि वह स्वयं को कुलपति तथा विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के कार्मिकों के अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकार के अधीन मानती है, जिन्हें विश्वविद्यालय/महाविद्यालय के अधिनियमों, परिनियमों, अध्यादेशों और नियमों के अंतर्गत अनुशासन लागू करने का प्राधिकार प्राप्त है।

पालन करने योग्य कुछ नियम: अनुशासन और विनियमन के साथ स्वतंत्रता

छात्राओं को करना चाहिए	**छात्राओं को यह नहीं करना चाहिए**
महाविद्यालय के नियम एवं विनियमों का पालन करें हर दिन पहचान पत्र साथ लाएँ लाइब्रेरी के सभी नियमों का पालन करें स्टाफ रूम में इधर-उधर घूमने या चक्कर लगाने के बजाय	व्याख्यान, असाइनमेंट, प्रोजेक्ट या प्रैक्टिकल छोड़ें अपनी-अपनी कक्षाओं में देर से पहुँचना कक्षा/किसी भी शैक्षणिक/सांस्कृतिक/विभागीय समारोह के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग न करें।

कक्षा-कक्ष में ही रहें सभी कक्षाओं में नियमित रूप से उपस्थित रहें सभी शैक्षणिक/ सांस्कृतिक/ विभागीय कार्यों में भाग लें सांस्कृतिक-क्लबों में शामिल हों और सक्रिय रूप से भाग लें खेलकूद/एनसीसी/एनएसएस में नियमित रहें नोटिस बोर्ड नियमित रूप से पढ़ें लाइब्रेरी में 'फ्री-पीरियड' का उपयोग करें अपमानजनक भाषा और शत्रुतापूर्ण बहस से बचें किसी भी अप्रिय घटना की सूचना अधिकारियों को दें महाविद्यालय के फर्नीचर और परिसर की उचित देखभाल करें कक्षा से बाहर निकलते समय सभी विद्युत स्विच बंद कर दें महाविद्यालय समय के बाद महाविद्यालय परिसर छोड़ दें	पुस्तकालय की पुस्तकों/पठन सामग्री को नुकसान पहुंचाना/फाड़ना/रेखांकित करना कक्षा में या समारोह के दौरान ध्यान भटकना गलियारों में चिल्लाना और व्याख्यान कक्षाओं में बाधा डालना आपत्तिजनक सामग्री/फोटो/एमएमएस प्रसारित करना दीवारों/महाविद्यालय भवन/परिसर को ख़राब करना कक्षाओं में फर्नीचर के संरेखण में बाधा उत्पन्न करना कुर्सियों या डेस्क पर कदम रखना/कूदना सीढ़ियों पर इकट्ठा होना/धकेलना/बैठना कूड़ा खाने-पीने की चीजें भवन/कक्षाओं के अंदर ले जाएं यदि किसी संक्रामक या संक्रमणीय बीमारी से पीड़ित हों तो महाविद्यालय आएं रैगिंग में लिप्त होना शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार करना।

अध्यादेश

महाविद्यालय के विद्यार्थियों को महाविद्यालय के अंदर और बाहर अनुशासन और अच्छा आचरण बनाए रखना आवश्यक है। अनुशासन नियमों का उल्लंघन और रैगिंग, यौन उत्पीड़न आदि के कृत्य निम्नलिखित विश्वविद्यालय अध्यादेशों के अनुसार दंडनीय हैं।

अध्यादेश VII – उपस्थिति के नियम

अध्यादेश XV- बी – अनुशासन

अध्यादेश XV- C – रैगिंग विरोधी

अध्यादेश XV-D – यौन उत्पीड़न

अध्यादेश XV- सी

रैगिंग के विरोध

कॉलेज/विभाग या संस्थान के परिसर में तथा दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भी भाग के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन में किसी भी रूप में रैगिंग सख्त वर्जित है।

रैगिंग का कोई भी व्यक्तिगत या सामूहिक कृत्य या अभ्यास घोर अनुशासनहीनता है और उससे इस अध्यादेश के तहत निपटा जाएगा।

इस अध्यादेश के प्रयोजनों के लिए रैगिंग का अर्थ सामान्यतः ऐसा कोई कार्य, आचरण या व्यवहार है जिसके द्वारा वरिष्ठ छात्राओं की प्रभुत्व शक्ति या स्थिति का प्रभाव नए नामांकित छात्राओं या उन छात्राओं पर डाला जाता है जिन्हें अन्य छात्र किसी भी तरह से कनिष्ठ या निम्नतर मानते हैं; और इसमें व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या व्यवहार शामिल हैं -

क. शारीरिक हमला या शारीरिक बल प्रयोग की धमकी

ख. महिला छात्राओं की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करना

ग. अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्राओं की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करना

घ. छात्राओं को उपहास और अवमानना का शिकार बनाना तथा उनके आत्मसम्मान को प्रभावित करना

ङ मौखिक दुर्व्यवहार और आक्रामकता, अभद्र इशारे और अश्लील व्यवहार शामिल हैं।

किसी महाविद्यालय के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष या संस्थान के अध्यक्ष, महाविद्यालय या विश्वविद्यालय के छात्रावास या आवास गृह के अधिकारी रैगिंग की घटना की किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई करेंगे।

उपरोक्त धारा (4) में किसी बात के होते हुए भी, प्रॉक्टर स्वयं भी रैगिंग की किसी घटना की जांच कर सकता है तथा रैगिंग में शामिल व्यक्तियों की पहचान तथा घटना की प्रकृति के बारे में कुलपति को रिपोर्ट दे सकता है।

प्रॉक्टर रैगिंग करने वालों की पहचान तथा घटना की प्रकृति स्थापित करने वाली एक प्रारंभिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकता है।

यदि किसी महाविद्यालय के प्राचार्य या विभागाध्यक्ष या संस्था के कुलानुशासक या कुलानुशासक को यह विश्वास हो कि किसी कारणवश, जिसे लिखित रूप में दर्ज किया जाएगा, ऐसी जांच करना व्यावहारिक रूप से उचित नहीं है, तो वह कुलपति को तदनुसार परामर्श दे सकते हैं।

जब कुलपति इस बात से संतुष्ट हो जाएं कि ऐसी जांच कराना उचित नहीं है, तो उनका निर्णय अंतिम होगा।

खण्ड (5) या (6) के अन्तर्गत रिपोर्ट प्राप्त होने पर या खण्ड (7) के अन्तर्गत सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा खण्ड 3(क), (ख) और (ग) में वर्णित रैगिंग की घटनाओं के घटित होने का खुलासा करने पर कुलपति किसी छात्र या छात्राओं को एक निश्चित संख्या में वर्षों के लिए निष्कासित करने का निर्देश या आदेश दे सकेगा।

कुलपति रैगिंग के अन्य मामलों में आदेश दे सकते हैं या निर्देश दे सकते हैं कि किसी छात्र या छात्राओं को निष्कासित किया जाए या एक निश्चित अवधि के लिए महाविद्यालय में अध्ययन के किसी पाठ्यक्रम, विभागीय परीक्षा में एक या अधिक वर्षों के लिए प्रवेश न दिया जाए या संबंधित छात्र या छात्राओं के उस परीक्षा या परीक्षाओं के परिणाम रद्द कर दिए जाएं जिनमें वे उपस्थित हुए थे।

इस अध्यादेश के तहत, यदि दिल्ली विश्वविद्यालय से डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त करने वाले कोई छात्र दोषी पाए जाते हैं, तो विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई डिग्री या डिप्लोमा को वापस लेने के लिए क़ानून 15 के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी।

इस अध्यादेश के प्रयोजन के लिए, किसी भी कृत्य, अभ्यास या रैगिंग के लिए उकसाने के माध्यम से रैगिंग को बढ़ावा देना भी रैगिंग माना जाएगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के अंतर्गत सभी संस्थानों को इस अध्यादेश के तहत जारी निर्देशों/निर्देशों का पालन करना तथा अध्यादेश के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए कुलपति को सहायता प्रदान करना अनिवार्य होगा।

नोट: अध्यादेश XV-C के अनुसरण में कुलपति का आदेश: जहाँ इस अध्यादेश के तहत किसी भी प्राधिकारी द्वारा कुलपति को रैगिंग की घटना की सूचना दी जाती है, वहाँ रैगिंग में शामिल छात्राओं को आदेश में निर्दिष्ट अवधि के लिए निष्कासित कर दिया जाएगा। रैगिंग की रिपोर्ट में शामिल गैर-छात्राओं पर भारत के आपराधिक कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी; उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी संस्थान में नामांकन लेने से पाँच साल की अवधि के लिए अयोग्य भी घोषित कर दिया जाएगा। जिन छात्राओं के खिलाफ इस नोट के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाती है, उन्हें प्राकृतिक न्याय के नियमों का सख्ती से पालन करते हुए निर्णय के बाद सुनवाई का मौका दिया जाएगा।

अध्यादेश XV-डी

यौन उत्पीड़न

संक्षिप्त शीर्षक और विस्तार वर्तमान अध्यादेश दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा यौन उत्पीड़न के विरुद्ध नीति पर आधारित है और इसका उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्राओं , शैक्षणिक और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए यौन उत्पीड़न से मुक्त शैक्षणिक और कार्य वातावरण बनाए रखना और बनाना है। यह अध्यादेश इन

नियमों और प्रक्रियाओं में निर्दिष्ट सीमा तक दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में बाहरी लोगों और निवासियों पर भी लागू होगा।

परिभाषा: i.“छात्र” में दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमित छात्राओं के साथ-साथ वर्तमान पूर्व छात्र भी शामिल हैं।

"शिक्षण स्टाफ" में दिल्ली विश्वविद्यालय या उससे संबद्ध किसी महाविद्यालय या संस्थान का कोई भी कर्मचारी शामिल है, जिसे शिक्षण और/या अनुसंधान पद पर नियुक्त किया गया है, चाहे वह पूर्णकालिक, अस्थायी, तदर्थ, अंशकालिक, विजिटिंग, मानद या विशेष ड्यूटी या प्रतिनियुक्ति पर हो और इसमें आकस्मिक या परियोजना आधार पर नियोजित कर्मचारी भी शामिल होंगे।

"गैर-शिक्षण कर्मचारी" में दिल्ली विश्वविद्यालय या उससे संबद्ध किसी भी महाविद्यालय या संस्थान का कोई भी कर्मचारी शामिल है, जो शिक्षण कर्मचारी में शामिल नहीं है। इसमें पूर्णकालिक, अस्थायी, तदर्थ, अंशकालिक, अतिथि, मानद या विशेष ड्यूटी या प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत कर्मचारी और आकस्मिक या परियोजना आधार पर नियुक्त कर्मचारी शामिल हैं।

"विश्वविद्यालय के सदस्य" में उपरोक्त श्रेणी (i)-(iii) में शामिल सभी लोग शामिल हैं।

"निवासी" में ऐसा कोई भी व्यक्ति शामिल है जो दिल्ली विश्वविद्यालय या इसके किसी संबद्ध महाविद्यालय या संस्थान द्वारा किसी कर्मचारी को आवंटित किसी आवास या परिसर का अस्थायी या स्थायी निवासी है।

"बाहरी व्यक्ति" में ऐसा कोई भी व्यक्ति शामिल है जो विश्वविद्यालय का सदस्य या निवासी नहीं है। इसमें दिल्ली विश्वविद्यालय या दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध किसी महाविद्यालय या संस्थान के छात्राओं , शिक्षण कर्मचारियों या गैर-शिक्षण कर्मचारियों को आवासीय, भोजन और अन्य सुविधाएँ प्रदान करने वाला कोई भी निजी व्यक्ति भी शामिल है, लेकिन यह केवल इन्हीं तक सीमित नहीं है।

"कैंपस" में दिल्ली विश्वविद्यालय या दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध किसी भी महाविद्यालय या संस्थान में सभी कार्यस्थल और निवास शामिल हैं। इसमें दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर या दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध किसी भी महाविद्यालय या संस्थान के परिसर में शिक्षण, अनुसंधान और प्रशासन के सभी स्थान, साथ ही छात्रावास, स्वास्थ्य केंद्र, खेल मैदान, स्टाफ क्वार्टर और सार्वजनिक स्थान (शॉपिंग सेंटर, खाने के स्थान, पार्क, सड़कें और गलियाँ शामिल हैं) शामिल हैं।

"यौन उत्पीड़न" में कोई भी अवांछित यौन व्यवहार शामिल है, चाहे वह प्रत्यक्ष रूप से हो या निहितार्थ से और इसमें शारीरिक संपर्क और आगे बढ़ना, यौन एहसान की मांग या अनुरोध, यौन-रंगीन टिप्पणियाँ, पोर्नोग्राफ़ी दिखाना या यौन प्रकृति का कोई अन्य अवांछित शारीरिक, मौखिक या गैर-मौखिक आचरण शामिल है। स्पष्टीकरण: "यौन उत्पीड़न" में निम्नलिखित शामिल होंगे, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं होंगे:

जब अवांछित यौन प्रस्तावों, यौन अनुग्रहों के लिए अनुरोध, तथा यौन प्रकृति के मौखिक या शारीरिक आचरण को, चाहे परोक्ष रूप से या स्पष्ट रूप से, दिल्ली विश्वविद्यालय में रोजगार, शैक्षणिक प्रदर्शन, पाठ्येतर गतिविधियों, या सेवाओं या अवसरों के लिए पात्रता से संबंधित किसी भी निर्णय के लिए आधार बनाया जाता है।

जब अवांछित यौन प्रस्ताव, और मौखिक, गैर-मौखिक और/या शारीरिक आचरण जैसे कि भारी टिप्पणियां, टिप्पणियां या चुटकुले, पत्र, फोन कॉल या ई-मेल, इशारे, अश्लील साहित्य का प्रदर्शन, घृणास्पद निगाहें, शारीरिक संपर्क, पीछा करना, अपमानजनक प्रकृति की आवाजें या प्रदर्शन

किसी व्यक्ति के प्रदर्शन में हस्तक्षेप करने या डराने वाला, शत्रुतापूर्ण या आक्रामक वातावरण बनाने का उद्देश्य और/या प्रभाव होना।

जब कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति के साथ संबंध बनाने के लिए, उसकी सहमति के बिना या उसकी इच्छा के विरुद्ध, यौन उद्देश्य से उसके शरीर या उसके किसी भाग या शरीर के विस्तार के रूप में किसी वस्तु का उपयोग करता है, तो ऐसा आचरण यौन हमला माना जाएगा।

जब निंदनीय टिप्पणियां, आचरण या ऐसा कोई व्यवहार व्यक्ति की लिंग पहचान/यौन अभिविन्यास पर आधारित हो और/या जब विश्वविद्यालय के कक्षा या अन्य सार्वजनिक मंच का उपयोग किसी व्यक्ति की लिंग पहचान/यौन अभिविन्यास के आधार पर उसे बदनाम करने/भेदभाव करने या शत्रुतापूर्ण वातावरण बनाने के लिए किया जाता हो।

छात्र शिकायत निवारण समिति (SGRC)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशों का अनुपालन करते हुए छात्र शिकायत निवारण समिति (SGRC) का गठन किया गया है| समिति के सदस्य इस प्रकार हैं :-

नाम	**विभाग**	**मोबाइल नंबर**	**ईमेल आईडी**
प्रो. मीना चरांदा	कार्यवाहक प्राचार्या (अध्यक्ष)	9891115656	kalindisampark@kalindi.du.ac.in
डॉ. मनीषा अरोड़ा पंडित	जीव विज्ञान	9810198909	manishaarorapandit@kalindi.du.ac.in
डॉ. राखी चौहान	राजनीति विज्ञान	9818450951	rakheechauhan@kalindi.du.ac.in
डॉ. निधि कपूर	वाणिज्य विभाग	9873679455	nidhikapoor@kalindi.du.ac.in
सुश्री कुंचल राम्या	उपाध्यक्ष छात्र संघ - विशेष निमंत्रण पर		

समाधानकर्ता का विवरण है:-

माननीय कुलपति

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली - 110007

संपर्क विवरण - 011-27667011

ईमेल आईडी - vc@du.ac.in

इसके अलावा, छात्रों द्वारा दर्ज की जाने वाली शिकायतों के निवारण के आवेदन पत्र का लिंक कॉलेज की वेबसाइट पर निम्नानुसार उपलब्ध है।

https://forms.gle/98ScUrf92HQrKTLG7

KALINDI COLLEGE
(University of Delhi)

कालिन्दीमहाविद्यालय
(दिल्लीविश्वविद्यालय)

NAAC ACCREDITED 'A+' GRADE COLLEGE

KC/

05.08.2024

NOTICE

In continuation of earlier Notice dated 07.06.2023, In compliance of the directions of University Grants Commission (Redressal of Grievance of Students) regulation 2023, Student Grievance Redressal Committee (SGRC) has been constituted with the following members and details:-

Name	Department	Mobile Number	Email Address
Prof. Meena Charanda	Offg. Principal (Chairperson)	9891115656	kalindisampark@kalindi.du.ac.in
Dr. Manisha Arora Pandit	Assistant Professor in Selection Grade	9810198909	manishaarorapandit@kalindi.du.ac.in
Dr. Rakhee Chauhan	Assistant Professor in Selection Grade	9818450951	rakheechauhan@kalindi.du.ac.in
Dr. Nidhi Kapoor	Assistant Professor in Selection Grade	9873679455	nidhikapoor@kalindi.du.ac.in
Ms. Kunchal Ramya	Vice-President Students' Union – Spl. Invitee	9014455707	

The detail of the Ombudsperson is :-
Hon'ble Vice-Chancellor
University of Delhi
Delhi – 110007
Contact Detail :- 011-27667011
Email id:- vc@du.ac.in

Further, the link of the application form of Redressal of Grievance of Students to be lodged by the students' is available on the website of the college is as under:-
https://forms.gle/98ScUrf92HQrKTLG7

Offg. Principal
Principal
Kalindi College
East Patel Nagar
New Delhi-110008

East Patel Nagar, New Delhi-110008 Website :www.kalindi.du.ac.in ☎ : 011-25787604 ; Fax No.: 011-25782505
पूर्वीपटेलनगर, नईदिल्ली-110008 E-mail : kalindisampark@kalindi.du.ac.in

महाविद्यालय प्रशासन

प्राचार्या	प्रो.मीना चरांदा
कोषाध्यक्ष	डॉ.राखी चौहान
संयोजक, एंटी रैगिंग	प्रो.रचना कुमार
अपीलीय प्राधिकारी	प्रो.मीना चरांदा
पीआईओ	सुश्री कर्णिका गौड़, लाइब्रेरियन
ए.पी.आई.ए.	सुश्री भावना मुंजाल, कार्यालय, एस.पी.ए.
एन.सी.सी अधिकारी	लेफ्टिनेंट डॉ. आरती सिंह
एन.एस.एस अधिकारी	डॉ. मनीषा अरोड़ा पंडित
एस.सी.-एस.टी संपर्क अधिकारी	डॉ. एम. अरुणजीत सिंह, सहायक प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग
ओ.बी.सी- संपर्क अधिकारी	डॉ. दीपक यादव, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग
ई.डब्ल्यू.एस.- संपर्क अधिकारी	डॉ. शानुजा बेरी, एसोसिएट प्रोफेसर
अनुभाग अधिकारी (लेखा)	श्री विकास शर्मा
वरिष्ठ सहायक (प्रशासन)	श्री संजय कुमार
शैक्षणिक ब्लॉक प्रभारी	डॉ.निशा बक्शी
अकादमिक ब्लॉक केयर-टेकर	श्री हेमन्त नंदा
साइंस ब्लॉक प्रभारी	प्रो.पुष्पा बिंदल
साइंस ब्लॉक केयर-टेकर	श्री हेमन्त नंदा

शिक्षण अनुसंधान एवं नवाचार ब्लॉक प्रभारी	डॉ. कंचन बत्रा
शिक्षण अनुसंधान एवं नवाचार ब्लॉक सहायक	श्री एन.के.भारद्वाज
स्पोर्ट्स यूटिलिटी सेंटर प्रभारी	डॉ.राखी चौहान
स्पोर्ट्स यूटिलिटी सेंटर सहायक	श्री एन.के.भारद्वाज
छात्र सुविधा केंद्र प्रभारी	डॉ. पंकज कुमार
छात्र सुविधा केंद्र के केयर टेकर	श्री हेमन्त नंदा
पुस्तकालय ब्लॉक प्रभारी	सुश्री कर्णिका गौड़
लाइब्रेरी ब्लॉक सहायक	श्री एन.के.भारद्वाज

महाविद्यालय की कुछ झलकियाँ फोटो के माध्यम से

कालिन्दी एक नजर में

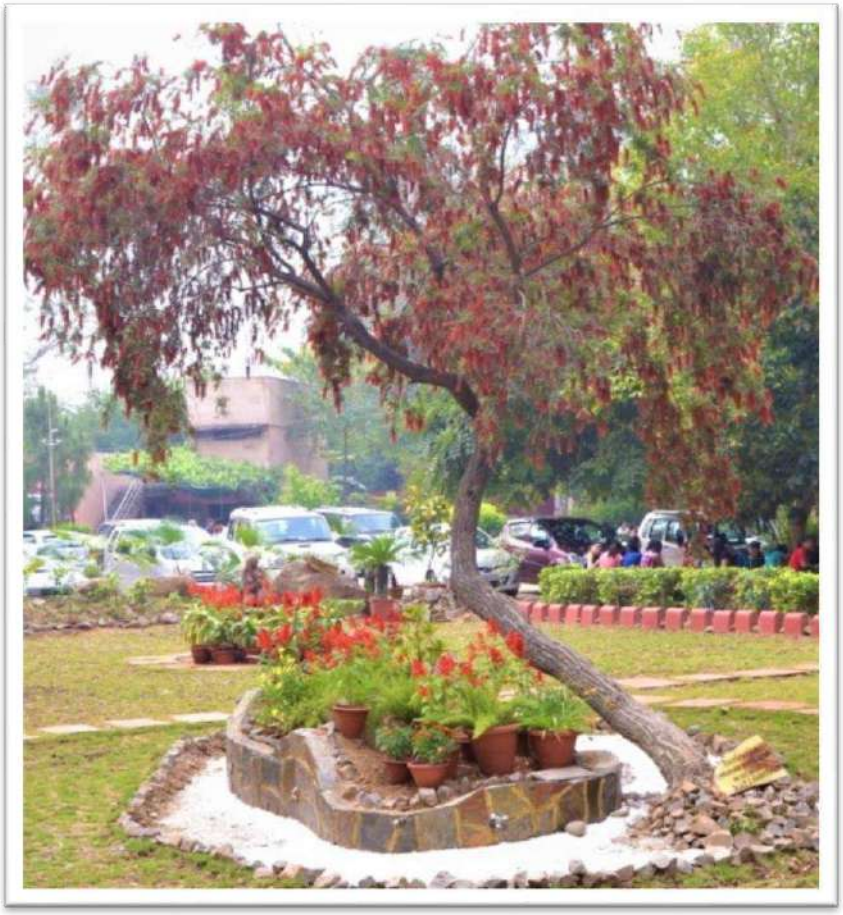

कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ

57 वाँ वार्षिक दिवस और पुरस्कार वितरण समारोह

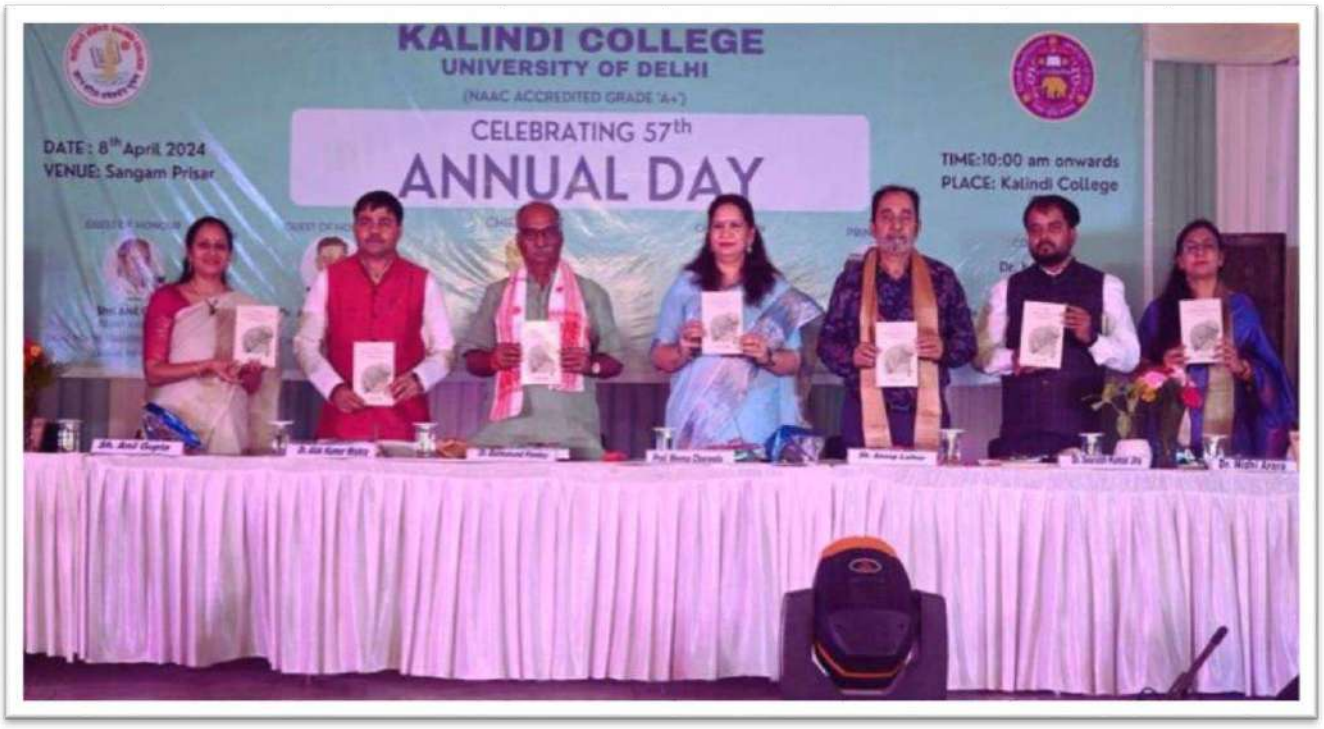

लहरें

LEHREN' 24
अतुल्य भारत The Journey of India
CHIEF GUEST
Prof. Balaram Pani
GUEST OF HONOUR
Dr. Om Jee Upadhyay
Member Secretary, ICHR, New Delhi
CONVENER
Dr. Shanuja Beri
CO-CONVENER
Prof. Meena Charanda
Prof. Balaram Pani
Dr. Om Jee Upadhy

Day 1
Star Performer
Day 2
Star Performer
KALINDI COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
NAAC ACCREDITED GRADE 'A+' COLLEGE
STUDENT'S UNION PRESENTS
THE ANNUAL CULTURAL FEST
LEHREN' 24
अतुल्य भारत
CHIEF GUEST
CHAIRPERSON
PRINCIPAL
Prof. Meena Charanda
CONVENER
CO-CONVENER
GUEST OF HONOUR

Day 1
Star Performer
KALINDI COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
NAAC ACCREDITED GRADE "A+" COLLEGE
STUDENT'S UNION PRESENTS
THE ANNUAL CULTURAL FEST
LEHREN' 24
अतुल्य भारत
Date 4 & 5 April 2024
CHIEF GUEST
Prof. Balaram Pani
GUEST OF HONOUR
Dr. Om Jee Upadhyay
CHAIRPERSON
PRINCIPAL
Prof. Meena Charanda
Day 2
Star Performer

KALINDI COLLEGE
LEHREN

विभाग

वनस्पति विज्ञान विभाग

रसायन विज्ञान विभाग

वाणिज्य विभाग

अर्थशास्त्र विभाग

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

अंग्रेजी विभाग

पर्यावरण विज्ञान विभाग

इतिहास विभाग

भूगोल विभाग

हिंदी विभाग

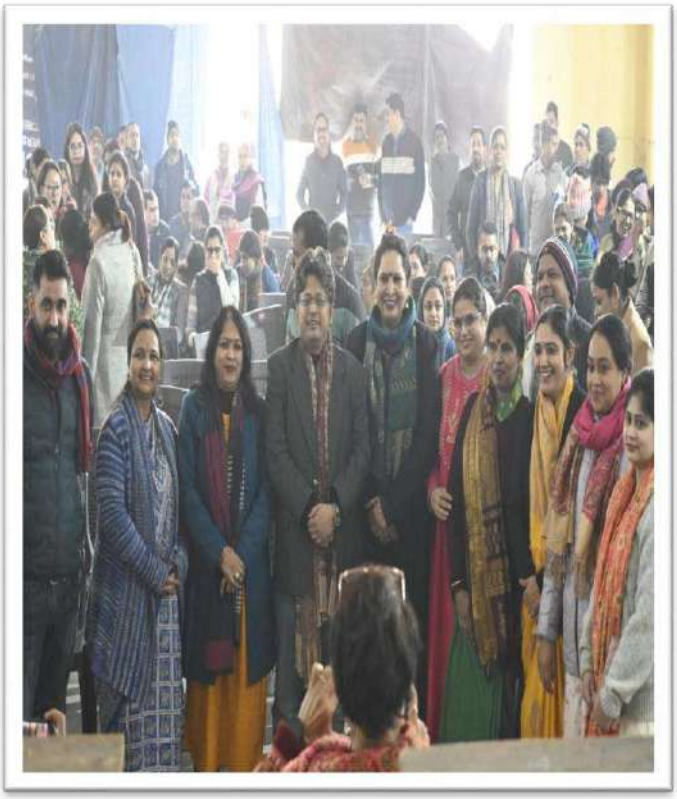

पत्रकारिता विभाग

संगीत विभाग

गणित विभाग

Anantata

REDMI 12 5G
24/04/2024 12:33

REDMI 12 5G
03/05/2024 12:37

भौतिकी विभाग

शारीरिक शिक्षा विभाग

राजनीतिक विज्ञान विभाग

संस्कृत विभाग

प्राणि विज्ञान विभाग

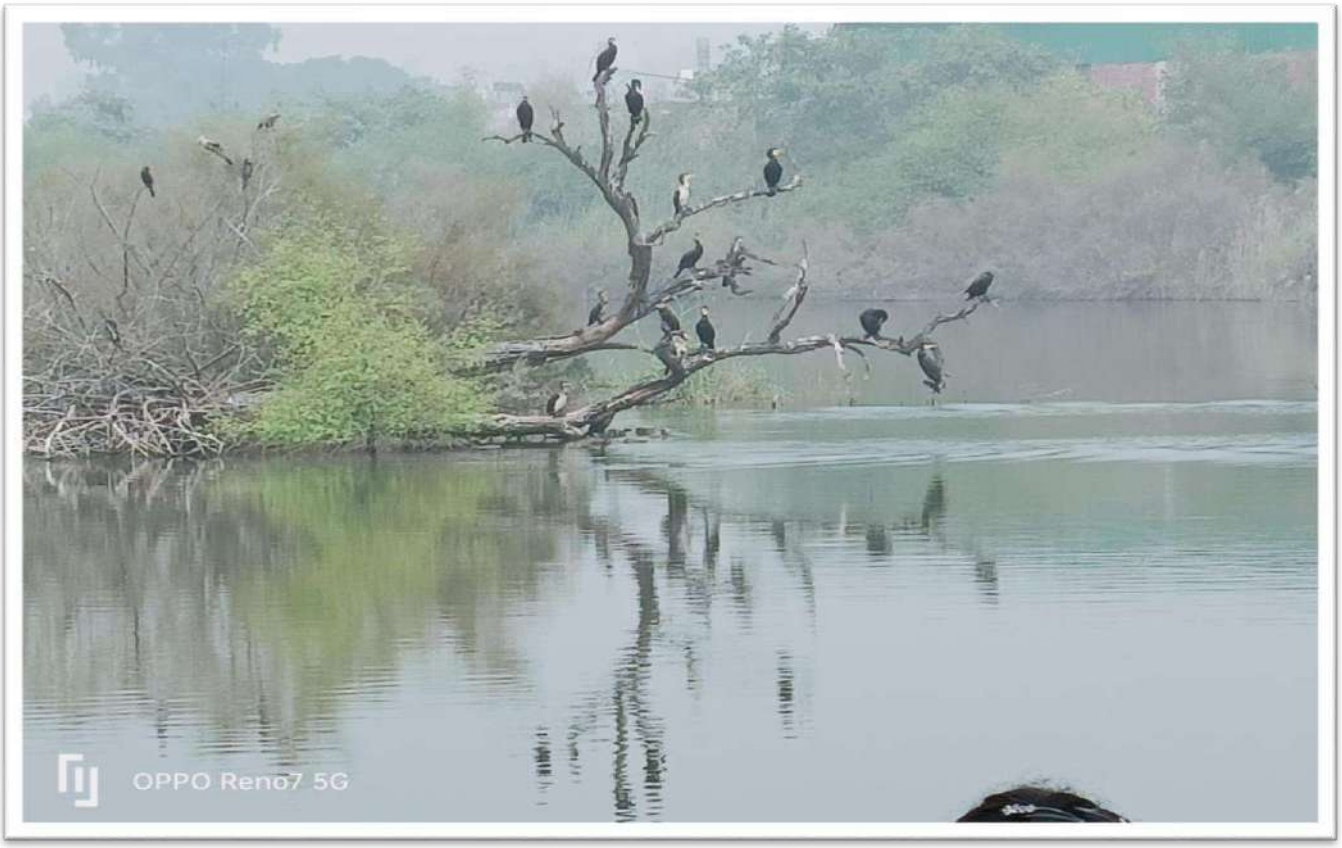
OPPO Reno7 5G

एनसीसी

GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
M52H+5C6, Mata Rameshwari Nehru Nagar, Karol Bagh, New Delhi, Delhi 110005, India
Lat 28.650016°
Long 77.178453°
21/06/23 09:27 AM GMT +05:30
Google

KALINDI COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
UDAAN
GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
12/29, Block 49, East Patel Nagar, Patel Nagar, New Delhi, Delhi, 110008, India
Lat 28.647334°
Long 77.178196°
01/10/23 10:58 AM GMT +05:30
Google

ईसीए

GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
110008, near Kalindi College, University of Delhi, Block 49, East Patel Nagar, Patel Nagar, New Delhi, Delhi, 110008, India
Lat 28.648561°
Long 77.178321°
05/04/24 04:06 PM GMT +05:30
Google

LEHREN' 24
GPS Map Camera

Day 1
Star Performer
KALINDI COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
NAAC ACCREDITED GRADE 'A+' COLLEGE
STUDENT'S UNION PRESENTS
THE ANNUAL CULTURAL FEST
LEHREN' 24
अतुल्य भारत
PRINCIPAL
Prof. Meena Charanda
GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
110006, near Kalindi College, University of Delhi, Block 49, East Patel
Nagar, Patel Nagar, New Delhi, Delhi, 110008, India
Lat 28.649503°
Long 77.177923°
04/04/24 02:02 PM GMT +05:30
Google

पूर्व छात्र मिलन

Dr. Neelam Patel
Prof. Sanjoy Roy

Dr. Neelam Patel
Prof. Sanjoy Roy

कॉलेज का आरेख और मार्ग मानचित्र

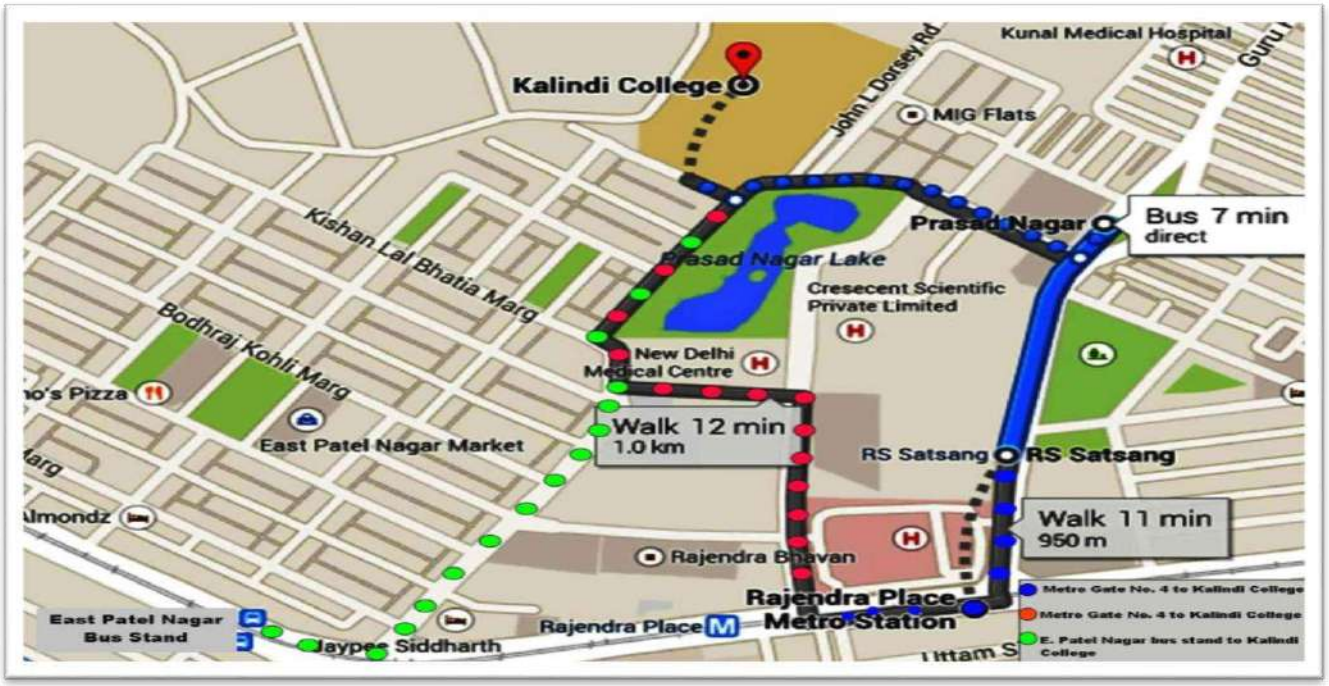

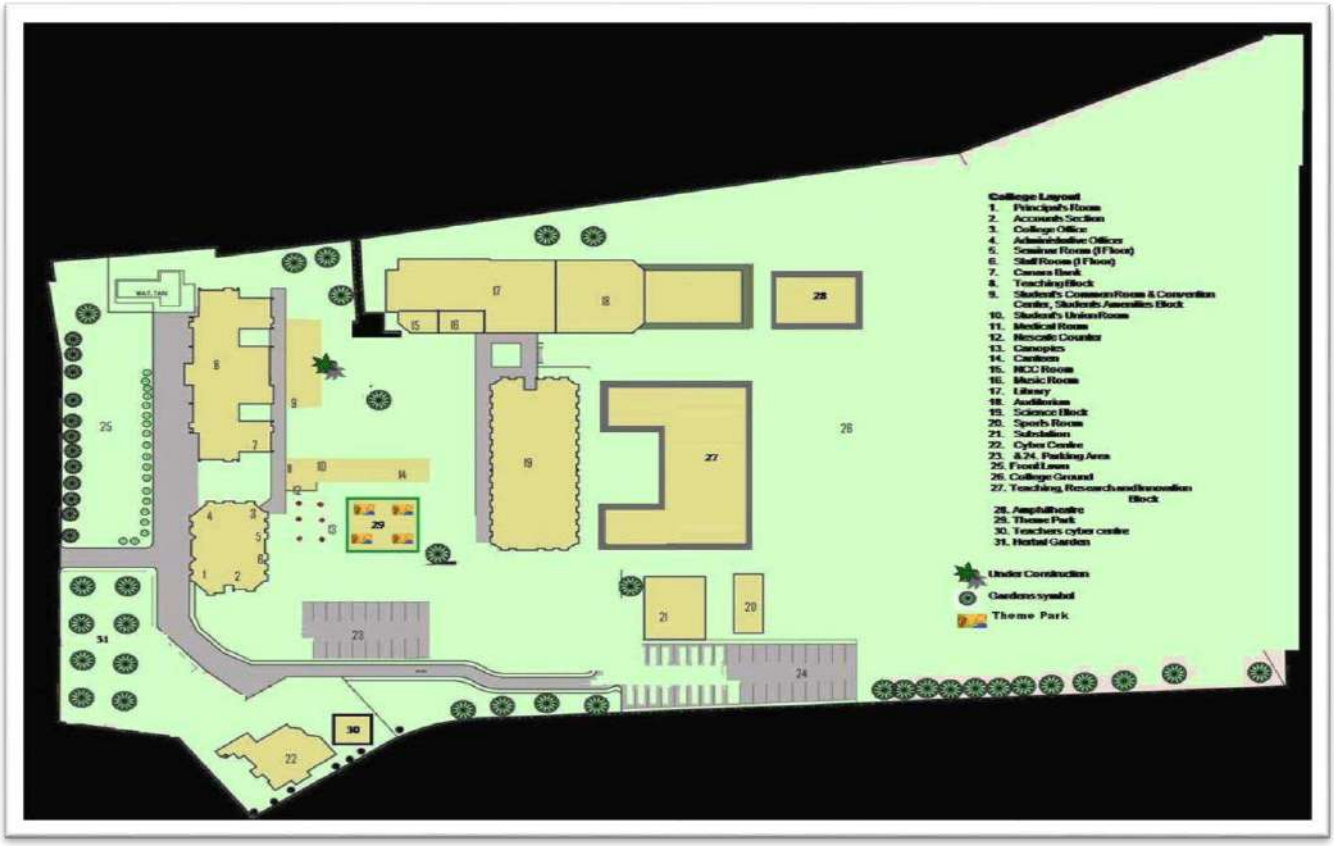

विवरणिका समिति

प्रो.मीना चरांदा	संरक्षक
डॉ. सनावर सोहम	संयोजक
डॉ. विभा ठाकुर	सह संयोजक
सुश्री तनु शर्मा	सह संयोजक ,अंग्रेजी संस्करण
सुश्री वाणी एम प्यारीलाल	अंग्रेजी संस्करण सदस्य
सुश्री एल पावेइन	अंग्रेजी संस्करण सदस्य
श्री सुश्रुत भाटिया	अंग्रेजी संस्करण सदस्य
डॉ. बलजीत कौर	सह संयोजक हिंदी संस्करण (प्रभारी हिंदी विभाग)
डॉ.ऋतु	हिन्दी संस्करण की संपादक
डॉ.मंजू शर्मा डॉ.रक्षागीता डॉ. हेमन्त रमण रवि डॉ. संजय कुमार सिंह डॉ.लवकुश कुमार डॉ.कुमारी शोभा डॉ. तरुणा डॉ.आरती पाठक डॉ.पल्लवी श्री त्रिपुरारी कुमार	अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद सदस्य
डॉ.सुशील मलिक	विवरणिका सदस्य
श्री राजीव राय	विवरणिका सदस्य

अस्वीकरण

इस विवरणिका की सामग्री की प्रामाणिकता को सत्यापित करने के लिए हर सावधानी बरती गई है। यहां दी गई जानकारी केवल कालिंदी महाविद्यालय द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रमों से संबंधित है। विस्तृत जानकारी के लिए, आवेदकों को दिल्ली विश्वविद्यालय सूचना बुलेटिन या विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखने की सलाह दी जाती है। दिल्ली विश्वविद्यालय के संबंधित नियमों, अध्यादेशों और क़ानूनों में शामिल जानकारी अंतिम होगी। विवरणिका में मौजूद डेटा केवल सांकेतिक है और इसका उपयोग कानूनी उद्देश्यों के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

कालिंदी महाविद्यालय

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

पूर्वी पटेल नगर, नई दिल्ली -110008

फोन नंबर: 011-25787604, फैक्स: 011-25782505

ईमेल: kalindisampark@kalindi.du.ac.in

वेबसाइट: http://www.kalindicollege.in/